# शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची एवं पटना से प्रकाशित

रांची ● शुक्रवार, 13 अक्टूबर 2023 ● आश्विन कृष्ण पक्ष 14, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 1, अंक : 178

आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

www.lagatar.in


राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

**मौसम**

| शहर | अधिकतम | न्यूनतम |
|---|---|---|
| धनबाद | 33.5 | 24.1 |
| जमशेदपुर | 36.2 | 23.8 |
| डालटनगंज | 34.8 | 23.3 |

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* * * *

**इंटरनेशनल**

- इजराइल ने सीरिया के दमिश्क-अलेप्पो में किए हमले
- डोनाल्ड ट्रंप ने नेतन्याहू पर लगाए संगीन आरोप
- पाक में जैश-ए-मोहम्मद के सदस्य की मौत
- यूएई में 30% रत्न, आभूषण भारत से आयातित

**नेशनल**

- कोर्ट ने राघव चड्ढा की याचिका पर फैसला सुरक्षित
- केरल की लोजद पार्टी का राजद में विलय
- पंकज बोहरा ने आईएसीसी अध्यक्ष का पदभार संभाला
- कोलकाता में पूजा पंडाल का उद्घाटन करेंगे अमित शाह

**स्टेट**

- सिमडेगा में अर्जुन मुंडा ने योजनाओं का लिया जायजा
- कोयला क्षेत्र में भ्रष्टाचार को रोकना होगा : सरयू राय
- कटकमसांडी में आपराधिक गिरोह ने फूंके चार वाहन
- कोल्हान विवि में पीएचडी केयूपीईटी की परीक्षा रद्द

**स्पोर्ट्स**

- मणिकांत ने जीता 100 मी दौड़ में स्वर्ण
- शुभमन गिल ने एक घंटे तक किया अभ्यास
- भारत-पाक मैच में खलल डाल सकती है बारिश
- केरल की अगुआई करेंगे संजू सैमसन

**सुर्खियां**

## आंगनबाड़ी केंद्रों ने राज्य के कई जिलों में चंदा कर बांटा अंडा, कहा

# पूरा हो वादा

## अप्रैल 2019 से नहीं मिला है आंगनबाड़ी केंद्रों में अंडा

प्रवीण कुमार/कौशल आनंद। रांची

झारखंड में सरकार गठन के बाद से ही राज्य सरकार द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों और सरकारी स्कूलों में बच्चों को अंडा देने की घोषणा की जाती रही है. मगर अप्रैल 2019 के बाद से अंडा वितरण बंद है. विभाग ने घोषणा की थी कि हमारे ग्रामीण ही अंडा उत्पादन करेंगे. उसे सरकार खरीदकर आंगनबाड़ी केंद्रों और सरकारी स्कूलों में वितरित करेगी. मगर चार साल गुजर जाने के बाद भी यह घोषणा पूरी तरह से धरातल पर नहीं उतर सकी. इसे लेकर भोजन का अधिकार अभियान के तहत राज्य के विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों में सामाजिक संगठनों के लोगों ने चंदा कर बच्चों के बीच अंडे का वितरण किया. मांग उठी, आंगनबाड़ी केंद्र में हर दिन अंडा देने की घोषणा का वादा पूरा हो. अभियान 15 जिलों के लगभग 75 आंगनबाड़ी केंद्रों में चलाया गया. करीब 2000 बच्चों को अंडा खिलाया गया. इस स्थानीय कार्यक्रम में ग्राम प्रधान, जन प्रतिनिधि, सेविका, बच्चों के अभिभावक और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया.

**राज्य में 5 वर्ष से कम के 40 प्रतिशत बच्चे हैं कुपोषित :** राज्य में बच्चों के बीच कुपोषण बड़ी समस्या है. इसे लेकर बच्चों को अंडा देने की योजना तैयार की गयी थी. 2019-21 के सरकारी आंकड़ों (एनएफएचएस-5) के अनुसार राज्य के पांच वर्ष के कम उम्र के 40 प्रतिशत बच्चे कुपोषित हैं. उनका उम्र के अनुसार वजन कम है. राज्य की एक-चौथाई महिलाओं का बीएमआई सामान्य से कम है. विभिन्न सरकारी सर्वेक्षणों में यह भी बार-बार पाया जाता है कि राज्य के आदिवासी-दलित बच्चे अन्य समुदायों की तुलना में ज़्यादा कुपोषित हैं. उन बच्चों को कुपोषण मुक्त करने की योजना तो बनायी गयी, पर पूरी न हो सकी.

### कुपोषण से बचाने के लिए बच्चों को अंडा देना है जरूरी

### बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए जरूरी है अंडा

बच्चों के शारीरिक व मानसिक विकास के लिए अंडा एक पौष्टिक खाद्य है. इसमें विटामिन सी के अलावा अन्य आवश्यक पोशक तत्व हैं. अंडे न केवल पौष्टिक हैं, बल्कि स्वादिष्ट और किफायती भी है. इससे न केवल पोषण के लिए फायदा है, बल्कि आंगनबाड़ी व मध्याह्न भोजन में रोज़ अंडा देने से आंगनबाड़ी व स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति भी सुधरेगी. झारखंड में कुपोषण की स्थिति केवल भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के अधिकांश क्षेत्रों से बदतर है.

### यह है देरी का कारण

जानकारी के अनुसार आंगनबाड़ी में अंडे देने के लिए निजी ठेकेदारों के लिए केंद्रीकृत ठेके की व्यवस्था की जा रही है, जिस कारण अंडा देने में विलंब हो रहा है. केंद्रीकृत ठेके में देरी का सीधा प्रभाव बच्चों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है. इसमें ठेकेदारी की जरूरत ही नहीं है. स्थानीय स्तर पर ही अंडे की खरीद की जा सकती है. स्कूलों में मिड डे मील में सप्ताह में दो अंडे मिलते हैं. अगर स्कूलों में यह व्यवस्था चल रही है, तो आंगनबाड़ी में भी आरम से बिना किसी रूकवाट के चल सकती है.

### एक नजर में

| आंगनबाड़ी केंद्रों की संख्या | आंगनबाड़ी सेविका की संख्या |
|---|---|
| 38,400 | 38,400 |

आंगनबाड़ी सहायिका की संख्या : 38,400

| आंगनबाड़ी में पढ़ने वाले बच्चे | कितने साल के बच्चे आते हैं |
|---|---|
| 15,36,000 | 3 से 6 साल |

### आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए ये व्यवस्था भी करनी होगी

- हर आंगनबाड़ी केंद्र में मेडिसिन किट होंगे, इसके लिए 1500 रुपए तक का प्रति केंद्र बजटीय प्रवाधान होगा.
- आंगनबाड़ी केंद्रों को स्कूल पूर्व शिक्षा किट्स जैसे किताब-कॉपी, ड्रेस, बेंच-डेस्क आदि दिए जाएंगे.
- हर आंगनबाड़ी के ताजा खाना खिलाने के लिए एलपीजी सिलिंडर दिए जाएंगे. लेकिन सिर्फ एक बार मिल सका. इस पर ध्यान देना होगा.
- आंगनबाड़ी केंद्रों के बच्चे को अंडे और अन्य पौष्टिक आहार दिए जाने थे, इसके लिए 6 से 36 माह तक 8 रुपये प्रति बच्चा, 6 से 72 माह के बच्चों के लिए 12 रुपये, कुपोषित बच्चों के लिए 8 रुपये प्रति बच्चा प्रावधान करने की जरूरत है.
- आंगनबाड़ी केंद्रों में गर्भवती महिलाओं और धातृ महिलाओं के लिए टेक होम राशन के लिए 8 रुपये प्रति महिला प्रावधान किया गया. मगर इन्हें केवल रेडी टू ईट योजना के तहत दलिया दी जाती है.

बच्चों को आंगनबाड़ी और स्कूलों में मिड डे मील के साथ अंडा रोज नहीं देने का कोई बहाना नहीं हो सकता है. अंडा बहुत पौष्टिक है और बढ़ते बच्चों के लिए विशेष रूप से फायदेमंद है. स्कूल में उपस्थिति बढ़ाने में भी मददगार है, जो झारखंड में बहुत कम है.
**-ज्यां द्रेज,** सामाजिक कार्यकर्ता

ऐसा कुछ नहीं है कि सरकार घोषणा कर भूल गयी है. कुछ तकनीकी समस्याएं आईं , जिसे दूर किया जा रहा है. जल्द ही आंगनबाड़ी केंद्रों में अंडे का वितरण किया जाएगा.
**-जोबा मांझी,** महिला, बाल कल्याण एवं सामाजिक सुरक्षा मंत्री

**किसने क्या कहा**

- पांच वर्षों में देश में 13 .5 करोड़ लोग गरीबी से निकले **-नरेंद्र मोदी**
- एमपी में 250 घोटाले हुए, जहां भाजपा 225 महीनों से सत्ता में है- **प्रियंका गांधी**
- हेमंत सरकार गरीबों के अनाज बेचकर पैसा कमा रही है : **बाबूलाल मरांडी**
- वसूली कर पहुंचाने वाले सीएम हेमंत के चहेते **-डॉ. अरुण उरांव**

**वर्ल्ड कप आज का मैच**
न्यूजीलैंड vs बांग्लादेश
दोपहर 2:00 बजे से

**सर्राफा**

| | |
|---|---|
| सोना (बिक्री) | 54,900 |
| चांदी (किलो) | 74,000 |

**ब्रीफ खबरें**

### पूजा सिंघल के सीए सुमन को सशर्त बेल

**रांची/नई दिल्ली।** निलंबित आइएएस पूजा सिंघल के सीए (चार्टर्ड एकाउंटेंट) सुमन कुमार को सुप्रीम कोर्ट ने सशर्त अंतरिम जमानत दी है. सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस एएस बोपन्ना और जस्टिस पीएस नरसिम्हा की अदालत ने गुरुवार को सुमन को अंतरिम जमानत देते हुए कहा कि यदि उन्होंने अपना पासपोर्ट जमा नहीं किया है, तो उसे जमा करा दें. इसके साथ ही अदालत ने कहा है कि जमानत के लिए ट्रायल कोर्ट की ओर से जो भी शर्त लगायी जाएगी, उसका उन्हें पालन करना होगा.

### नक्सली साजिश नाकाम तीन आईईडी बरामद

**चाईबासा।** सुरक्षाबलों ने गुरुवार को नक्सलियों की बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया. अति नक्सल प्रभावित गोईलकेरा थाना क्षेत्र के मारादिरी गांव के पास जंगली और पहाड़ी क्षेत्र में सुरक्षाबलों को निशाना बनाने के उद्देश्य से लगाए गए तीन आईईडी और स्पाइक होल बरामद किया है. आईईडी को उसी स्थान पर बम निरोधक दस्ता की सहायता से नष्ट कर दिया गया.

### गंगा जल पर कोई जीएसटी नहीं लगता

**नई दिल्ली।** केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड ने गुरुवार को कहा कि गंगाजल पर जीएसटी नहीं लगता है. इससे पहले, कांग्रेस ने दावा किया कि सरकार ने गंगाजल पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगा दिया है. सीबीआईसी ने सोशल नेटवर्किंग मंच एक्स पर लिखा, देशभर में घरों में पूजा-पाठ में उपयोग होने वाले गंगाजल और अन्य पूजा-सामग्री को जीएसटी से छूट दी गई है.

**इजराइल को इस नजरिए से भी समझें**

## नेतन्याहू की फिलिस्तीन नीति से इजराइल सुरक्षित नहीं...

इजराइल पर हमास के हमले के बाद वहां के अखबार अपनी सरकार को भी कटघरे में खड़ा कर रहे हैं. इजरायली मीडिया में लगातार तथ्यात्मक आलोचना वाले लेखों और संपादकीय की बाढ़-सी आई हुई है. इसी कड़ी में शुभम संदेश आप के लिए इजरायली अखबार वॉक्स के अग्रलेख के संपादित अंश को छाप रहा है, जिससे सारी बातें स्पष्ट हो जाएंगी. इस अग्रलेख के लेखक हैं, जैक ब्यूचैम्प. जो एक वरिष्ठ कॉलमिस्ट और पत्रकार हैं वॉक्स के. वह देश और दुनिया की विचारधाराओं और लोकतंत्र की चुनौतियों पर खबरें लिखते हैं. 2014 में वॉक्स में आने से पहले, उन्होंने टीपी आइडियाज़ का संपादन किया, जो आधुनिक विचारधारा का एक खंड था, जो हमारी राजनीतिक दुनिया को आकार देनेवाले विचारों के लिए समर्पित था.

**अग्रलेख**

पिछले कुछ दिनों में, इज़राइल से आई दो खबरों ने बड़े चौंकाने वाले निष्कर्षों की ओर इशारा किया है. निष्कर्ष यह कि दक्षिणी इज़राइल पर हमास के जानलेवा हमले को रोकने में विफलता का एक बड़ा कारण प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की मौजूदा सरकार और उनकी नीतियां हैं. सबसे पहले, वाशिंगटन पोस्ट के नोगा टार्नोपोलस्की और शिरा रुबिन ने कई नीतिगत विफलताओं पर एक लंबा लेख लिखा है जिसमें हमास को आगे बढ़ने की अनुमति के संदर्भ की विस्तार से चर्चा हैं. उन्होंने लिखा है कि, असंख्य अक्षम्य खुफिया और सैन्य चूक ने हमास को हमला करने का पूरा मौका दे दिया. देश की गंभीर राजनीतिक समस्याओं के चलते और न्यायपालिका की उठापटक के बीच वेस्ट बैंक पर कब्जे की लड़ाई से विचलित नेतन्याहू और उनकी सरकार ने गाजा पट्टी की सीमा पर सैन्य गतिविधियां कम करने की अनुमति दे दी. यही नहीं गाजा सीमा की सुरक्षा चौकियों को भी मानवरहित करके छोड़ दिया गया. जबकि वहां ज्यादा सैनिकों की जरूरत थी, लेकिन नेतन्याहू को लगा कि गाजा सीमा शांत है और वो निश्चिंत हो गए.

ऐस में आश्चर्य की बात नहीं कि हमास और इस्लामिक जिहादियों ने सीमा पर इजराइल की कम चौकसी को भांप लिया, "इजराइली रक्षा बलों के सैन्य खुफिया के पूर्व प्रमुख अहरोन ज़ीवी फ़ार्काश ने रिपोर्ट की गई टिप्पणियों में कहा, इज़राइल और हमास युद्ध में हैं. हमास ने इज़राइल पर हमला क्यों किया? गाजा की "पूर्ण घेराबंदी" का क्या मतलब है? इज़राइल और फ़िलिस्तीन क्या हैं? वे क्यों लड़ रहे हैं? युद्ध कैसे चल सकता है? अमेरिका कैसी प्रतिक्रिया दे रहा है? दूसरा, इज़राइल के हारेत्ज़ अखबार के एक स्तंभकार ने सबूतों का खुलासा किया कि नेतन्याहू ने जानबूझ कर गाजा में हमास शासन को बढ़ावा दिया - फिलिस्तीनी उग्रवाद को संघर्ष को दो-देश के समाधान के खिलाफ एक दीवार के रूप में देखा. प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कथित तौर पर अपनी लिकुड पार्टी की 2019 की बैठक में कहा, "जो कोई भी फिलिस्तीनी देश की स्थापना को विफल करना चाहता है, उसे हमास को मजबूत करने और हमास को धन देने का समर्थन करना होगा. यह हमारी रणनीति का हिस्सा है, हम गाजा के फिलिस्तीनियों को वेस्ट बैंक में फिलिस्तीनियों से अलग करना चाहते हैं." इन सटीक टिप्पणियों की अभी तक आधिकारिक स्रोतों से पुष्टि नहीं हुई है. लेकिन टाइम्स ऑफ इज़राइल के टैल श्नाइडर ने लिखा कि नेतन्याहू के कथित शब्द "उस नीति के अनुरूप हैं, जो उन्होंने लागू की थीं" उन्होंने चुनौतियां पेश करने के लिए कुछ भी नहीं किया और गाजा पट्टी पर हमास के नियंत्रण को मजबूत ही किया.

**-शेष पेज 10 पर**

## धनबाद में 3 स्टेशनों के पास पहुंची झरिया की आग

संवाददाता। धनबाद

झरिया की आग धनबाद-चंद्रपुरा के तीन स्टेशनों तक आ गई. डीजीएमएस की एक्सपर्ट टीम ने इसकी रिपोर्ट रेलवे को सौंप दी है. इससे रेल अधिकारियों में हड़कंप है. जिन तीन स्टेशनों तक आग पहुंची है, उसमें बांसजोड़ा, सोनार डीह और अंगारपथरा हैं.

सूत्रों के अनुसार धनबाद रेल मंडल के अधिकारियों की ओर से जानकारी हाजीपुर जोनल मुख्यालय को दे दी गई है. जहां से बोर्ड के चैयरमैन को अवगत कराया गया. की टीम रेललाइन की मॉनिटरिंग कर रही है. तीन स्टेशनों के करीब रेलवे लाइन से कुछ दूरी पर आग और धुआं देखने को मिल रहा है.

- **डीजीएमएस की जांच रिपोर्ट के बाद रेल अधिकारियों में हड़कंप**
- **टीम कर रही मॉनिटरिंग तीन शिफ्ट में 24 घंटे की जा रही है पेट्रोलिंग**

**रेल पटरी से काफी दूरी पर है आग :** धनबाद रेल मंडल के सीनियर डीईएन (समन्वय) अमित कुमार का कहना है कि आग भले ही जमीन के नीचे डीसी लाइन तक पहुंची है, लेकिन अभी रेल पटरी से दूर है. जमीन के काफी नीचे भी है. रेलवे लाइन को अभी खतरा नहीं है. ट्रेनों के चलने से न तो पटरी कहीं धंसी और न ही दरार ही दिखी है. जहां आग लगी है, उसपर काबू पाने का प्रयास हो रहा है. आसपास आबादी होने से आग बुझाने में दिक्कत हो रही है. प्रशासन या रेलवे की ओर से उन्हें हटाया जाता है, तो लोग फिर वहीं बस जाते हैं.

**भू-धंसान की हो चुकीं कई घटनाएं :** धनबाद-चंद्रपुरा रेललाइन के किनारे कुसुंडा, बांसजोड़ा, बसेरिया, सिजुआ, अंगारपथरा, कतरासगढ़, तेतुलिया, सोनारडीह, टुंडू, बुदौरा, फुलवारटांड़, जमुनी हाल्ट, जमुनियाटांड़, दुगदा के आसपास बस्ती में भू-धंसान हो चुके हैं. अभी धनबाद-चंद्रपुरा के बीच दो दर्जन से अधिक ट्रेनें और मालगाड़ियां चल रही हैं. आग से खतरे को देखते हुए 19 मई 2017 को 20 माह के लिए ट्रेनों के परिचालन को बंद कर दिया गया था. डीसी लाइन का विकल्प तैयार करने के लिए मतारी से तेलो-दुगदा के बीच नई लाइन बिछाने की योजना है. राइट्स की डीपीआर रिपोर्ट पर आगे की कार्रवाई रेलवे बोर्ड के निर्देश पर होगी.

**खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों के लिए सम्मान राशि वितरण समारोह**

## एशियन महिला हॉकी चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा झारखंड: सीएम

प्रमुख संवाददाता। रांची

27 अक्टूबर से रांची में 6 देशों के खिलाड़ियों का जमावड़ा लगेगा. 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक झारखंड में वीमेंस एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी-2023 का आयोजन होने वाला है. झारखंड इस चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी करेगा. झारखंड की बेटियां भी इस टूर्नामेंट में खेलेंगी. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने यह घोषणा रांची के खेलगांव में आयोजित खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों के सम्मान राशि वितरण समारोह में की.

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार इसी परिकल्पना के साथ आगे बढ़ रही है कि आने वाले दिनों में देश का कोई भी खेल बिना झारखंड के खिलाड़ियों के पूरा न हो. हर खेल में हमारे झारखंड के युवा खिलाड़ी अपने हुनर का प्रदर्शन कर पूरी दुनिया में देश और राज्य का नाम रोशन करें.

- **27 अक्टूबर से 6 नवंबर तक झारखंड में होगी चैंपियंस ट्रॉफी**
- **6 देशों की टीमें लेंगी हिस्सा**

### हुनर को बेहतर प्लेटफॉर्म देगी सरकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज झारखंड के खिलाड़ी उत्साहित होकर खेल के प्रति अपने आप को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं. सरकार खिलाड़ियों के इस प्रयास को यूं ही जाया नहीं होने देगी. खिलाड़ियों के हुनर को तराशने और एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने की हर कोशिश की जाएगी. कहा कि खेल के क्षेत्र में जो कार्य पिछले 20 वर्षों में नहीं हो पाया, जो गाड़ी बिल्कुल थम-सी गई थी, उसे हमारी सरकार ने आगे बढ़ाया.

**पंचायत स्तर पर सिदो-कान्हू युवा खेल क्लब की होगी शुरुआत :** सीएम ने कहा कि पंचायत स्तर पर खेल संस्कृति को और मजबूत करने के लिए सिदो-कान्हो युवा खेल क्लब शुरू किया जा रहा है. प्रत्येक क्लब को साल में 25 हजार रुपए की अनुदान राशि दी जाएगी. कहा कि नक्सल प्रभावित क्षेत्र के युवाओं को खेल से जोड़ कर सकारात्मक जीवन की ओर प्रेरित करने के उदेश्य से सरकार ने सहाय योजना की भी शुरुआत की है. पिछले वर्ष लगभग 75 हजार खिलाड़ियों ने सहाय प्रतियोगिता में हिस्सा लिया. इस वर्ष हम इसका दायरा 5 जिले से बढ़ा कर 7 जिला करने वाले हैं.

**प्रसंगवश**

## जाति न पूछो साधु की... पूछ लीजिए ज्ञान

**बैजनाथ मिश्र**

*लेखक वरिष्ठ पत्रकार और झारखंड के पूर्व सूचना आयुक्त हैं. राजनीतिक ही नहीं तमाम मुद्दों पर बेबाक राय रखते हैं...*

लोकसभा का अगला चुनाव मायावी होगा, शायद महाभारत के अलम्बुश बनाम घटोत्कच की तरह. राजनीतिक दल छल-प्रपंच की सीमाएं लांघने में संकोच नहीं करेंगे. लोकतंत्र और संविधान पर सियासी खतरे तो हमेशा से रहे हैं. पिछले 50 साल से ये खतरे अखबारों की सुर्खियां बनते रहे हैं और भविष्य में भी नेता ये उपक्रम चलाते रहेंगे. लेकिन आपातकाल के अतिरिक्त लोकतंत्र और संविधान पर वास्तविक खतरा कभी पैदा नहीं हुआ. बेराजगारी और महंगाई भी राजनीति के शास्वत मुद्दे रहे हैं. 1971 का चुनाव इंदिरा गांधी ने इन्हीं मुद्दों को खत्म करने के ऐलान के साथ लड़ा और जीता. लेकिन आज भी ये मुद्दे हैं और आगे भी रहेंगे. ये दोनों मुद्दे सदाबहार हैं या यों कहें कि रक्तबीज या सुरसा के मुंह की तरह हैं. इसलिए इन मुद्दों पर सह-मात का निर्णायक युद्ध नहीं हो सकता. शायद इसीलिए जाति सर्वेक्षण या गणना का हथियार विपक्ष ने निकाल लिया है और उस पर नई धार चढ़ा कर चमकाया जा रहा है. बिहार में जातीय सर्वेक्षण की रिपोर्ट पर धमाचौकड़ी अभी थमी भी नहीं थी कि राहुल गांधी ने कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक में पारित प्रस्ताव के आधार पर यह घोषणा कर दी है कि 2024 में सरकार बनी, तो जातीय गणना कराई जाएगी. यूपीए सरकार ने 2011 में जातीय गणना कराया था, लेकिन उसकी रिपोर्ट जारी नहीं की गयी. इस पर करीब 5 हजार करोड़ रुपए खर्च हुए थे. इंदिरा गांधी के जमाने में नारा लगता था-जात पर न पांत पर, इंदिरा जी की बात पर, मुहर लगेगी हाथ पर. राजीव गांधी ने तो सितंबर 1990 में संसद में जातीय गोलबंदी और बाड़ेबंदी को देश के खिलाफ बताया था और मंडल आयोग की सिफारिशें लागू करने का विरोध भी किया था. शायद इसीलिए कांग्रेस के नेतृत्ववाली सरकार ने जब संसद में महिला आरक्षण विधेयक पेश किया था, तो उसमें पिछड़ों के लिए अलग से आरक्षण का प्रावधान नहीं था और सरकार को समर्थन दे रहे पिछड़े नेताओं के विरोध के कारण वह पास नहीं हो सका. जिस आंबेडकर के संविधान की दुहाई बार-बार दी जाती है, उसमें पिछड़ों के लिए राजनीतिक आरक्षण का न तो प्रावधान है और न ही कोई जिक्र है. बावजूद इसके यदि राहुल गांधी जातीय गणना और पिछड़ों को राजनीतिक आरक्षण देने या उनका शिक्षा, रोजगार में आरक्षण बढ़ाने का ऐलान कर रहे हैं, तो जाहिर है कांग्रेस अपने मूल सिद्धांतों को छोड़ रही है. यानी राहुल गांधी स्वयं को पिछड़ों के सबसे बड़े मसीहा के रूप में प्रतिस्थापित करने की कवायद में लग गये हैं. पता नहीं, नरेंद्र मोदी रोहिणी कमीशन की रिपोर्ट सार्वजनिक कर पिछड़ा बनाम अति पिछड़ा का खेल खेलेंगे या नहीं, पिछड़ा में क्रीमीलेयर का दायरा बढ़ाएंगे या नहीं. लेकिन इतना तय है कि अगले चुनाव में जाति को लेकर दोनों गठबंधनों के बीच शातिर घात-प्रतिघात के दृश्य दिखाई देंगे.

बिहार में जातीय सर्वेक्षण की जो रिपोर्ट प्रकाश में आई है, वह सही है या गलत, इस पचड़े में पड़े बगैर विचारणीय यह है कि क्या इससे चुनावी समर जीता जा सकता है ? इसे समझने के लिए एक हकीकत पर गौर करना लाजिमी है. **-शेष पेज 10 पर**

# रंभा कॉलेज ऑफ एजुकेशन में महालया पर 'आराधना' कार्यक्रम

संवाददाता । जमशेदपुर

रंभा कॉलेज ऑफ एजुकेशन में गुरुवार को महालया के अवसर पर "आराधना" सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. साथ ही कॉलेज में चल रही दीवार सज्जा प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों के बीच पुरस्कार वितरण किया गया. इसमें जज की भूमिका फ्लेमिन आर्ट की विशेषज्ञ सुमन प्रसाद ने निभायी. छात्र-छात्राओं ने कार्यक्रम की शुरुआत मां दुर्गा के श्लोक मंत्र से की. साथ ही सरस्वती वंदना का गायन किया. बीएड की छात्रा स्नेहा विश्वकर्मा की टीम ने नृत्य नाटिका "महिषासुर मर्दिनी" प्रस्तुत की. विद्यार्थियों ने मां दुर्गा की महिमा गाते हुए गीत संगीत प्रस्तुत किया.

कलाकार सुमन प्रसाद ने दीवार सज्जा प्रतियोगिता के विजेताओं की घोषणा की. इसमें प्रथम स्थान श्रीनाथ कॉलेज आफ एजुकेशन के छात्र-छात्राओं को प्रदान किया गया. द्वितीय स्थान पर रंभा कॉलेज आफ एजुकेशन के विद्यार्थी और तृतीय स्थान पर डीबीएमएस के विद्यार्थी रहे. कॉलेज के सचिव गौरव बचन ने विजेता कॉलेज के लिए प्रतीक चिन्ह और विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया. कार्यक्रम को सुमन प्रसाद, गौरव बचन और प्राचार्य डॉ कल्याणी कबीर ने भी संबोधित किया. कार्यक्रम का संचालन छात्र विकास भकत व छात्रा कंचन बिरूआ तथा धन्यवाद ज्ञापन दीपिका पारिया ने किया. कार्यक्रम में कॉलेज के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे.

महिसासुर मर्दिनी का मंचन करतीं छात्राएं.

अतिथियों के साथ विजेता टीमों में शामिल प्रतिभागी.

**प्रतियोगिता हुई**

- दीवार सज्जा प्रतियोगिता के विजेता हुए सम्मानित
- नृत्य नाटिका "महिषासुर मर्दिनी" की प्रस्तुति

## आपकी बात

"2000 से अधिक लड़के और लड़कियों का स्किल डेवलपमेंट कराके उन्हें रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ चुकी हैं"

नाम : काजल यादव
पेशा : अध्यक्ष, झारखंड बाल संरक्षण आयोग
निवास : रांची

झारखंड राज्य बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष काजल यादव राज्य में बच्चों के संरक्षण और उनके विकास के लिए काम कर रही हैं. हर दिन उनके पास मासूमों पर अत्याचार, बाल विवाह, बाल मजदूरी जैसे दर्जनों मामले आते हैं. पुलिस-प्रशासन और आम लोगों के सहयोग से वे इन मामलों का निपटारा करती हैं और मासूमों को न्याय दिलाती हैं. काजल यादव बच्चों के हित को लेकर काफी गंभीर है. सरकार के विभिन्न विभागों से समन्वय कर ऐसे बच्चों के पुनर्वास और पढ़ाई की व्यवस्था करवाती हैं. दिसंबर 2022 से वे झारखंड राज्य बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष पद पर हैं. अध्यक्ष बनने के बाद आयोग में आये हुए सैकड़ों पेंडिंग मामलों को भी उन्होंने निपटाया. जमशेदपुर की रहने वाली काजल यादव का जन्म पुणे में हुआ था. महाराष्ट्र से उन्होंने पढ़ाई की. पढ़ाई के दौरान सोशल एक्टिविटी से जुड़ी रहीं. काजल यादव इंद्रप्रस्थ एजुकेशन रिसर्च एंड चैरिटेबल ट्रस्ट से जुडीं. संस्था के साथ मिलकर बच्चों के कल्याण के लिए काम किया। वे संस्था की चेयरमैन भी रहीं. काजल यादव बच्चों के संरक्षण और उनके अधिकार के लिए 5 राज्यों में काम कर चुकी हैं. वे झारखंड के अलावा दिल्ली, महाराष्ट्र, बिहार और उत्तर प्रदेश में भी लंबे समय तक बच्चों के अधिकार के लिए लड़ती रही हैं. 2000 से अधिक लड़के और लड़कियों का स्किल डेवलपमेंट कराके उन्हें रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ चुकी हैं. वे बच्चों के लिए काम करने वाली संस्था कैलाश सत्यार्थी फाउंडेशन के लिए काम कर चुकी हैं. काजल यादव कहती हैं कि जब से वो बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष बनी हैं, तब से वो यह कोशिश करती हैं कि आयोग में आने वाले हर मामले का निपटारा हो सके. सभी बच्चों और उनके परिवार को न्याय मिल सके.

## ब्रीफ खबरें

### छात्रों को मिली सड़क सुरक्षा की जानकारी

**जमशेदपुर।** जमशेदपुर के बिष्टुपुर स्थित मिसेज केएमपीएम वोकेशनल कॉलेज में गुरुवार को कॉलेज कैंपस में छात्रों के लिए सड़क सुरक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया. होंडा मोटरसाइकिल और स्कूटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की आधिकारिक एजेंसी ने इस एक दिवसीय प्रदर्शन गतिविधि की मेजबानी की और छात्रों को सड़क सुरक्षा के बारे में कई महत्वपूर्ण जानकारी दी. कार्यक्रम के दौरान विभिन्न सड़क सुरक्षा नियमों को प्रदर्शित करते हुए छात्रों को सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने की सीख दी गयी. इसके साथ ही विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया. कॉलेज की समन्वयक डॉ रीता कुमारी ने छात्रों को यातायात नियम बताए.

### नेताजी सुभाष विवि में फ्रेशर्स पार्टी आयोजित

**जमशेदपुर।** पोखारी स्थित नेताजी सुभाष यूनिवर्सिटी के नर्सिंग विभाग में गुरुवार को बीएससी नर्सिंग पाठ्सक्रम सत्र 2023 में नवनामांकित छात्र-छात्राओं के लिए फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया गया. यूनिवर्सिटी के प्रशासनिक डीन नजीम अतिथि के रूप में उपस्थित थे. उनके साथ नर्सिंग विभागाध्यक्ष छंदा चक्रवर्ती एवं स्पेशल नर्सिंग मेंटर सुधांशु कुमारी ने समारोह की शुरुआत की. समारोह में स्किट, डांस, रैंप वाक, कैट वाक आदि रंगारंग कार्यक्रम हुए, जिसमें फ्रेशर्स ने बढ़चढ़ कर उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया. समारोह मं छात्र राजेश कुमार को मिस्टर व पूजा गिरि को मिस फ्रेशर चुना गया.

### सिंदरी और गुरुनानक कॉलेज विजयी घोषित

**सिंदरी ।** बीबीएमकेयू चतुर्थ इंटर कॉलेज (महिला/पुरुष) दो दिवसीय बॉस्केटबॉल प्रतियोगिता का समापन गुरुवार को कल्याण केन्द्र में विजेताओं को पुरस्कार वितरण कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ. उद्घाटन बीबीएमकेयू प्रोक्टर डॉ सुधीनता सिन्हा, मुख्य अतिथि एफसीआईएल सिंदरी प्रबंधक विजय कुमार चौधरी, टीम चयनकर्ता डॉ डी के सिंह और डॉ राजीव प्रधान की उपस्थिति में किया गया. बास्केटबॉल प्रतियोगिता के दूसरे दिन फाइनल मैच के महिला वर्ग में गुरुनानक कॉलेज ने सिंदरी कॉलेज को 7/5 अंकों से पराजित किया. वहीं पुरुष वर्ग में सिंदरी कॉलेज ने आर वी एस कॉलेज को 83/64 अंकों से पराजित कर जीत दर्ज की.

**सीबीएसई : बोर्ड ने पेपर में बदलाव के संबंध में नोटिस जारी किया**

# 12वीं बोर्ड परीक्षा में अकाउंटेंसी विषय में किया गया बड़ा बदलाव

संवाददाता । जमशेदपुर

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने आगामी वर्ष 2024 में होने वाली बोर्ड परीक्षाओं की तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है. अध्यतन जानकारी के अनुसार बोर्ड ने 12वीं बोर्ड परीक्षा-2024 में अकाउंटेंसी के पेपर में बदलाव के संबंध में एक अहम नोटिस जारी किया है. इसके माध्यम से छात्र-छात्राओं व अभिभावकों को परीक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण बदलावों के बारे में बताया जा गया है, ताकि उन्हें बोर्ड परीक्षा में किसी तरह की परेशानी न हो. हाल ही में सीबीएसई ने कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा के लिए अकाउंटेंसी आंसर-बुक में एक महत्वपूर्ण बदलाव की घोषणा की है. अधिसूचना के अनुसार बोर्ड अब उन उत्तर पुस्तिकाओं को हटा रहा है जिनमें अकाउंटेंसी विषय में टेबल प्रदान किये गये थे. बोर्ड की ओर से बताया गया है कि यह बदलाव बोर्ड परीक्षा 2023-24 से लागू होगा.

बोर्ड की अधिसूचना में कहा गया है कि बोर्ड परीक्षा-2024 को लेकर सीबीएसई ने हितधारकों से प्राप्त फीडबैक के आधार पर उन उत्तर पुस्तिकाओं को हटाने का फैसला किया है, जिनमें अकाउंटेंसी विषय में टेबल प्रदान की गई थीं. वर्ष 2024 की परीक्षा से 12वीं कक्षा के अन्य विषयों की तरह सामान्य पंक्ति की उत्तर पुस्तिकाएं अकाउंटेंसी विषय में भी प्रदान की जाएंगी. इस निर्णय से सीबीएसई एफिलिएटेड सभी स्कूलों के प्राचार्यों को भी अवगत करा दिया गया है.

**खास बातें**

- 2024 में होने वाली परीक्षा को लेकर अहम परिवर्तन
- अकाउंटेंसी आंसर-बुक में बदलाव की घोषणा की गई
- सभी प्राचार्यों को भी इसकी जानकारी दे दी गई है




## नीट के सिलेबस में बदलाव

**जमशेदपुर।** राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग ने इस बार नीट यूजी-2024 के सिलेबस में बदलाव किया है. यानी सिलेबस में कुछ संशोधन किये गये हैं. अंडरग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन बोर्ड (यूजीएमईबी) से मंजूरी मिलने के बाद इस संशोधित सिलेबस को एनएमसी की आधिकारिक वेबसाइट nmc.org.in पर अपलोड कर दिया गया है. अगले साल वर्ष 2024 में होने वाली नीट की तैयारी कर रहे विद्यार्थी वेबसाइट पर संशोधित सिलेबस देख सकते हैं. परीक्षा पैटर्न के अनुसार, नीट प्रश्न पत्र में दो खंड होंगे. खंड-ए में 35 प्रश्न होंगे और खंड-बी में 15 प्रश्न होंगे, जिनमें से उम्मीदवार कोई भी 10 प्रश्न चुन सकते हैं.

**4 मई को होगी नीट परीक्षा**

एमबीबीएस, बीडीएस और अन्य यूजी मेडिकल पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए नीट की परीक्षा का आयोजन 5 मई 2024 को किया जायेगा. नेशनल टेस्टिंग एजेंसी इसकी तिथि की घोषणा कर चुकी है. इसके साथ ही एजेंसी ने अपने एग्जाम कैलेंडर में वर्ष 2024 में आयोजित की जाने वाली अन्य परीक्षाओं की भी तिथि की घोषणा कर दी है.

### तंबाकू मुक्त अभियान को सफल बनाने की अपील

**बोकारो।** बोकारो के बिजुलिया स्थित एमजेएम पब्लिक स्कूल बिजुलिया व प्लस टू हाई स्कूल में तंबाकू के दुष्परिणाम विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता एमजेएम के प्राचार्य मो मोईन अंसारी ने की. इस दौरान जिला परामर्शी मो असलम द्वारा बच्चों को तंबाकू के दुष्परिणाम, तंबाकू में पाये जाने वाले जहरीले तत्व व इसके प्रयोग से स्वास्थ्य पर पड़नेवाले दुष्परिणाम समेत अन्य जानकारी दी. प्राचार्य मो मोईन अंसारी ने बताया कि तंबाकू हमारे समाज में भी सही नजर से नहीं देखा जाता है.

### मूकबधिर विद्यालय का किया गया निरीक्षण

**गोड्डा।** राज्य स्तरीय अनुश्रवण दल ने मूकबधिर नेत्रहीन आवासीय विद्यालय परसोती गोड्डा का निरीक्षण किया. रांची से आए टीम में अभय नंदन अंबष्ठ, अवर सचिव सुरभि सिंह जेडब्लूडीएस प्रीति श्रीवास्तव, स्टेट हेड, यूनिसेफ आभाष कुमार प्रोग्राम मैनेजर सुजीत कुमार, यूनिसेफ कंसलटेंट शामिल थे। टीम के द्वारा शिवपुर मंदिर अवस्थित स्पॉन्सरशिप योजना से संबंधित तीन लाभुकों से मुलाकात कर उनकी वस्तुस्थिति की जानकारी प्राप्त की गई. साथ ही उनके परिजनों सहित अन्य लाभुकों को स्पॉन्सरशिप योजना से प्रेरित किया गया. बाद में टीम ने मूकबधिर आवासीय विद्यालय का भी दौरा किया.

## सरला बिरला स्कूल के विद्यार्थियों का कला-उत्सव में शानदार प्रदर्शन

संवाददाता । रांची

सरला बिरला पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने जिला स्तरीय कला उत्सव 2023- 24 में अपनी असाधारण प्रतिभा का प्रदर्शन किया. कक्षा 12वीं की छात्रा अवनि चौधरी ने शास्त्रीय नृत्य (बालिका वर्ग) में प्रथम स्थान प्राप्त किया. कक्षा दसवीं के ऋतुराज रॉय ने विजुअल आर्ट टू डाइमेंशनल (बालक वर्ग) में प्रथम स्थान, कक्षा दसवीं की रोहिणी राज ने लोकगीत (बालिका वर्ग) में प्रथम स्थान तथा कक्षा नवम के सार्थक लाल ने लोकगीत (बालक वर्ग) में द्वितीय स्थान प्राप्त किया. वहीं 11वीं कक्षा के साहिल ने अवनद्य वाद्य संगीत वादन (बालक वर्ग) में तृतीय स्थान प्राप्त किया. अवनि चौधरी, ऋतुराज रॉय और रोहिणी राज को कला उत्सव के राज्य स्तर के लिए भी चयनित किया गया. सरला बिरला पब्लिक स्कूल अपने छात्रों की उपलब्धि पर गौरवान्वित है. विद्यालय के कार्मिक व प्रशासनिक प्रमुख डॉ. प्रदीप वर्मा ने छात्रों, अध्यापकों और अभिभावकों को बधाई दी. प्राचार्या परमजीत कौर ने छात्रों की प्रशंसा की.

**गिरिडीह नियोजनालय परिसर में लगा रोजगार मेला**

# चार बड़ी कंपनियों ने लिया भाग

संवाददाता । गिरिडीह

जिला नियोजनालय कार्यालय परिसर में गुरुवार को रोजगार मेला का आयोजन किया गया. मेले में कर्मियों की बहाली की प्रक्रिया चल रही है. इसमें जिले के अलग-अलग क्षेत्र से युवा शामिल हुए हैं. रोजगार मेला में बालमुकुंद स्पांज एंड आयरन प्राइवेट लिमिटेड, स्वाती कॉनकास्ट एंड पावर प्राइवेट लिमिटेड, फ्रीडम अकेडमी व गुजरात की सुजुकी मोटर शामिल है.

जिला नियोजनालय पदाधिकारी प्रत्यूष शेखर ने बताया कि जिले में करीब 7000 से अधिक अभ्यर्थियों का नाम और मोबाइल नंबर रजिस्टर्ड है. इन्हें मैसेज के जरिए सूचना दी जाती है कि किस तिथि को नियोजनालय में भरती कैंप लगाया जाएगा. जानकारी के अनुसार बालमुकुंद में मैकेनिक और इलेक्ट्रिकल के चार-चार पद, ट्रेनी आईटीआई मैकेनिकल और इलेक्ट्रॉनिक के दो-दो पद, स्वाति में बिल्डर के एक, कट्टर के एक, फिल्टर के एक और टेक्नीशियन के एक पद हैं. फ्रीडम अकेडमी में फैसिलिटेटर के 100 पद व सुजुकी मोटर्स में अप्रेंटिस के 200 पद हैं. रोजगार मेला में आए कंपनी प्रतिनिधियों ने बेरोजगारों को कार्य से परिचय कराया. गुरुवार को आयोजित रोजगार मेला में वैसी भीड़ नहीं देखी गई, जैसी अन्य रोजगार मेला में देखने को मिलती थी. इस बार रोजगार मेला में मात्र चार कंपनियों ने भाग लिया.

### कॉलेज में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम

**घाटशिला ।** घाटशिला कॉलेज में गुरुवार को मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया. इस कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ आरके चौधरी ने विद्यार्थियों को ऑनलाइन मतदाता पहचान पत्र बनवाने की जानकारी दी. प्राचार्य डॉ चौधरी ने बताया कि जिस किसी विद्यार्थियों का जन्म 1 अक्टूबर 2006 से पहले हुआ है तथा अब तक उनका मतदाता पहचान पत्र नहीं बना है, वे सर्वप्रथम अपने गांव के बीएलओ से फॉर्म-6 प्राप्त करें तथा उसे विधिवत भरकर उसके साथ जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं माता या पिता का वोटर आईडी की छाया प्रति लगवा कर शीघ्र जमा करें. प्राचार्य डॉ चौधरी ने बताया कि भारत के नागरिक के रूप में प्रत्येक व्यक्ति को मतदान करने का मौलिक अधिकार है. मतदान करने हेतु उनके पास मतदाता पहचान पत्र का होना अत्यावश्यक है. प्राचार्य ने सभी विद्यार्थियों को ऑनलाइन वोटर आईडी बनवाने का टिप्स भी बताया. विद्यार्थी सर्वप्रथम ईसीआई के होम पेज पर जाएं. वहां फॉर्म सिक्स पर क्लिक कर उसे भरें.

# छात्रों ने किया डाकघर का दौरा

संवाददाता । बोकारो

भारतीय डाक दिवस के अवसर पर दिल्ली पब्लिक स्कूल चास के विद्यार्थियों ने गुरुवार को चास मुख्य डाकघर का दौरा किया. इस दौरान उन्हें डाकघर की कार्य प्रणाली से परिचित करवाया गया. विद्यार्थियों ने जाना कि किस तकनीकी मदद से एक स्थान से दूसरे स्थान तक डाक भेजा व प्राप्त किया जाता है. यह भी बताया गया कि एक डाकघर से दूसरे डाकघर तक किस प्रकार स्पीड पोस्ट, रजिस्ट्री व पार्सल की प्रेषण व प्राप्ति की जाती है. छात्रों को डाकघर के पिन कोड के बारे में जानकारी उपलब्ध करवाई गई. इससे पूर्व भारतीय डाक के स्टाफ ने टीम का स्वागत किया. टीम ने मनरेगा योजना के तहत वेतन वितरण, पेंशन सुविधाओं और पिन कोड की शुरूआत में इंडिया पोस्ट के योगदान की जानकारी ली. डाकघर के कर्मचारियों ने डीपीएस टीम को अपनी विभिन्न डाक योजनाओं, जैसे महिला सम्मान बचत योजना और ग्रामीण डाक जीवन बीमा के बारे में अवगत कराया. उन्होंने खाता खोलने व अपनी सभी सेवाओं के बारे में जानकारी दी।

डीपीएस चास की मुख्य संरक्षक डॉ. हेमलता एस. मोहन ने सरकारी योजनाओं के कार्यान्वयन में भारतीय डाक द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की और कोविड-19 के चुनौतीपूर्ण समय के दौरान भारतीय डाक की सेवा को याद किया. निदेशक डॉ. नवीन कुमार शर्मा ने कहा कि भारत में डाक सेवा काफी प्राचीन काल से चली जा रही है. मौर्य काल की कबूतर डाक प्रणाली, बाबर की सेना की घोड़ा धावक डाक सेवा, ब्रिटिश शासन के दौरान की डाक सेवा पर उन्होंने चर्चा की. कहा कि भारत की डाक प्रणाली दुनिया में सबसे बड़ी और 21वीं सदी की जीवन्त प्रणाली है. डीपीएस की कार्यवाहक प्रिंसिपल दीपाली भुस्कुटे ने इस पूर्व संध्या पर पोस्ट फॉर प्लैनेट थीम के तहत कई गतिविधियों की घोषणा की.



**डीपीएस चास**

- रजिस्ट्री एवं पार्सल व डाक सेवाओं की ली जानकारी
- छात्र-छात्राएं डाकघर पहुंच कर काफी खुश नजर आए

**क्लासिफाइड**

### अन्नदा कॉलेज का नैक की टीम ने किया निरीक्षण

**हजारीबाग।** अन्नदा कॉलेज में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) की टीम का गुरुवार को आगमन हुआ. एनसीसी की टुकड़ी ने गार्ड ऑफ ऑनर देकर टीम के सदस्यों का स्वागत किया. वहीं, परंपरागत नृत्य एवं गीत से कॉलेज के विद्यार्थियों ने अगुवानी की.




**समारोह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के धनबाद विभाग का कार्यक्रम**

# महाविद्यालयीन प्राथमिक शिक्षा वर्ग शुरू

संवाददाता । मैथन

डीवीसी प्लस टू हाई स्कूल मैथन में गुरुवार से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के धनबाद विभाग का महाविद्यालयीन विद्यार्थियों का आठ दिवसीय प्राथमिक शिक्षा वर्ग का शुभारंभ हुआ. मौके पर धनबाद विभाग प्रचारक प्रदीप जी ने कहा कि संघ पिछले 98 वर्षों से अपने धर्म, संस्कृति एवं समाज के संरक्षण व संवर्द्धन कार्य करते आ रहा है. इस कार्य को और गति देने के लिए प्रशिक्षित युवा कार्यकर्ताओं की आवश्यकता होती है. इसलिए प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के लिए प्राथमिक शिक्षा वर्ग का आयोजन किया गया है.

उन्होंने कहा कि संघ शिक्षा वर्ग एक साधना स्थली है और हम सब स्वयंसेवक एक साधक हैं. ऐसी मनःस्थिति बनाकर वर्ग संबंधी नियमों का अनुपालन करते हुए प्रवाह के इस पुनीत कार्य में भाग लेकर आप संघ कार्य के विस्तार में आप सहायक सिद्ध होंगे, ऐसी अपेक्षा है. प्रशिक्षण वर्ग में कुल 80 महाविद्यालय के विद्यार्थी भाग ले रहे हैं, जिन्हें लगातार आठ दिन तक प्रतिदिन बौद्धिक एवं शारीरिक प्रशिक्षण दिया जाएगा. इसके बाद ये सभी अपने अपने क्षेत्र में संघ कार्य का विस्तार करने में मुख्य भूमिका निभाएंगे. मौके पर धनबाद जिला कार्यवाह ललन सिंह, मुख्य शिक्षक प्रेम राउत, जिला सह कार्यवाह धीरेंद्र कुमार, भोला जी आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे.




**कार्यक्रम आयोजित**

- आठ दिवसीय प्राथमिक शिक्षा वर्ग का आयोजन शुरू हुआ
- धनबाद विभाग प्रचारक प्रदीप जी ने छात्रों को दिए संदेश
- प्रशिक्षित युवा कार्यकर्ताओं की आवश्यकता होती है

## विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों का प्रशिक्षण संपन्न

संवाददाता । लातेहार

सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, मनिका में विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों का दो दिवसीय गैर आवासीय प्रशिक्षण 12 अक्टूबर को संपन्न हो गया. इससे पहले प्रशिक्षण में झारखंड शिक्षा परियोजना से प्रशिक्षिका चांद पूर्ति और प्रेमलता पूर्ति ने विद्यालयों के शिक्षक एवं प्रबंधन समिति के अध्यक्ष व अन्य सदस्यों को शिक्षा के बहुआयामी महत्वों से अवगत कराया. उन्होंने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में कंप्यूटर शिक्षा, स्पोकन इंग्लिश, व्यवसायिक शिक्षा, रोजगारोन्मुखी शिक्षा, व्यक्तित्व विकास की शिक्षा आदि पर जोर दिया गया है. प्राचार्य जितेंद्र नाथ मिश्रा ने कहा कि शीघ्र ही यह विद्यालय जिला स्तरीय ही नहीं, बल्कि राज्य स्तरीय मुकाम हासिल करेगा. उन्होंने छात्रों को एक लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ाने की अपील की.

### झामुमो जिला और केंद्रीय समिति सदस्यों की कोलेबिरा के कार्यकर्त्ताओं के साथ बैठक

# सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाएं : अनिल

संवाददाता। सिमडेगा

कोलेबिरा हाई स्कूल मैदान में झामुमो कोलेबिरा आवश्यक बैठक झामुमो जिला समिति और केंद्रीय समिति सदस्यों की उपस्थिति में की गयी . बैठक का संचालन जिला सचिव सफीक खान ने किया . बैठक में कोलेबिरा प्रखंड समिति के पदाधिकारी एवं कोलेबिरा प्रखंड के सभी पंचायतों के पंचायत पदाधिकारी उपस्थित थे.

बैठक को सम्बोधित करते हुए जिलाध्यक्ष अनिल कंडुलना ने कहा कि लोकसभा चुनाव निकट आ गया है. इसलिए प्रखंड से लेकर पंचायत तक के सभी पदाधिकारियों को पार्टी की मजबूती के लिए जी-जान से लग जाना है. जिलाध्यक्ष ने कहा कि सरकार द्वारा जनहित में चलाये जा रहे विभिन्न योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य करना है. प्रखंड और पंचायत के सभी पदाधिकारियों को सदस्यता अभियान को और तेज करना है, ताकि हम समय पर लोकसभा चुनाव के लिए मजबूती के साथ तैयार रहेंगे. इस बैठक में कुछ नये सदस्यों को पार्टी की सदस्यता दिलाई गयी . इस बैठक में मुख्य रूप से जिलाध्यक्ष अनिल कंडुलना, जिला सचिव मो. सफीक खान, जिला कोषाध्यक्ष नोवास केरकेट्टा,पूर्व महिला मोर्चा अध्यक्ष फूलकुमारी समद,किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष सुनील सुरीन, किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष सुमराय बा,जिला युवा मोर्चा सचिव राजेश टोप्पो,जिला ब्योवसायिक मोर्चा के उपाध्यक्ष देवेंद्र साहू, प्रखंड सचिव वकील खान, प्रकाश बागे, जस्टिन डांग, ज्योतिष लुगुन, समीर हाश्मी, सन्नी रिजवान, सेवन सुरीन देओनिस लकड़ा, बृष डूंगडुँग और भारी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे.

**खास बातें**

- लोकसभा चुनाव नजदीक पार्टी की मजबूती में लग जाएं
- नए सदस्यों को पार्टी की सदस्यता दिलाई गई

## बेबी देवी ने उप स्वास्थ्य केंद्र का किया शिलान्यास

डुमरी( गिरिडीह)। स्थानीय विधायक सह मंत्री बेबी देवी ने गुरूवार को मुरकुण्डो में उप स्वास्थ्य केंद्र निर्माण कार्य का शिलान्यास नारियल फोड़कर किया. मौके पर झामुमो प्रखंड अध्यक्ष राजकुमार महतो राजू, पूर्व जिप सदस्य भोला सिंह, उप प्रमुख उपेंद्र महतो, नंदलाल शर्मा, पंकज महतो, अनिल रजक आदि उपस्थित थे. मौके पर मंत्री श्रीमती देवी ने कहा कि उप स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण हो जाने से आसपास के क्षेत्रों के लोगों को अपने स्वास्थ्य की जांच और इलाज कराने में काफी सहूलियत होगी.

## आओ जानें

### धनबाद से कब कौन जीतकर पहुंचे झारखंड विधानसभा

| वर्ष | पार्टी | विधायक |
|---|---|---|
| 22000 | भाजपा | पीएन सिंह |
| 2005 | भाजपा | पीएन सिंह |
| 2009 | कांग्रेस | मन्नान मलिक |
| 2014 | भाजपा | राज सिन्हा |
| 2019 | भाजपा | राज सिन्हा |

## ब्रीफ खबरें

### कांग्रेस की 14 को चंदवा में जनसुनवाई

**चंदवा।** प्रखंड कांग्रेस कमेटी ने 14 अक्टूबर को पथ निर्माण विभाग के विश्रामगार में दोपहर 2 बजे से 5 बजे शाम तक जनसुनवाई का आयोजन किया है. इस आशय की जानकारी प्रखंड कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद प्रतिनिधि असगर खान ने एक प्रेस वक्तव्य जारी कर दी है. उन्होंने बताया कि इस जनसुनवाई में जरमुंडी विधायक सह कृषि मंत्री बादल पत्रलेख के साथ-साथ जिले के वरीय पदाधिकारी समस्या को सुनेंगे.

### कांग्रेस जिला अध्यक्ष का कई गांवों में दौरा

**धनवार ( गिरिडीह) ।** कांग्रेस जिला अध्यक्ष धनंजय सिंह गुरुवार को धनवार प्रखंड के कई गांव में दौरा किया. एक सप्ताह पहले धनवार प्रखंड के केदुआ पंचायत के औरखार निवासी तारकेश्वर सिंह के सुपुत्र निर्मल सिंह उर्फ अधीर सिंह के तालाब में डूब जाने से मृत्यु की खबर सुनकर जिला अध्यक्ष उनके आवास पहुंचे और मृतक के परिवार से मिले.

### भाजपा ने निकाली रांची में कलश यात्रा

**रांची।** महानगर भाजपा की ओर से रांची के लोअर चुटिया के सुरेश्वर धाम मंदिर से राम मंदिर तक कलश यात्रा निकाली गई. मेरी माटी, मेरा देश कार्यक्रम के तहत 17 मंडलों के 53 वार्डों से एकत्र की गई मिट्टी को कलश में भरकर हजारों महिला और पुरुष कलश यात्रा में निकले. कलश यात्रा के नेतृत्व महानगर भाजपा अध्यक्ष केके गुप्ता ने किया. वहीं कलश यात्रा में विधायक सीपी सिंह, नवीन जायसवाल, केके गुप्ता मौजूद थे.

### परमेश्वर बने ओबीसी कांग्रेस के जिला सचिव

**केरेडारी ।** परमेश्वर साहू को ओबीसी कांग्रेस का जिला सचिव बनाया गया है. झारखंड प्रदेश ओबीसी कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष अभिलाषा साहू के निर्देश पर बेंगवारी गांव निवासी परमेश्वर कुमार की नियुक्ति की गई. इस संदर्भ में जिला कांग्रेस कमेटी हजारीबाग ओबीसी मोर्चा ने लिखित अधिसूचना जारी कर कहा है कि परमेश्वर की नियुक्ति से कांग्रेस पार्टी मजबूत होगी.

### इस्पातकर्मी, ठेकेदारों ने निकाला जुलूस

**बोकारो ।** पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत गुरुवार को जय झारखंड मजदूर समाज की ओर से बोकारो स्टील प्लांट के अंदर गोलचक्कर से इस्पातकर्मी और ठेकाकर्मियों ने जुलूस निकाला और प्रदर्शन किया. जुलूस का नेतृत्व करते हुए यूनियन के महामंत्री बीके चौधरी ने कहा कि विजयादशमी से पूर्व प्रोफिट लिंक रिवार्ड के तहत इस्पातकर्मीयों को 65 हजार एवं ठेकाकर्मियों को 25 हजार रुपए दिया जाए.

### वन अधिकार समिति गठित, मनोज बने अध्यक्ष

**बालूमाथ (लातेहार)।** प्रखंड के बसिया पंचायत के पिंडारकोम सामुदायिक भवन में ग्राम प्रधान रामकुमार यादव की अध्यक्षता में ग्रामीणों की बैठक की गयी. बैठक में अबुआ वीर दिशोम अभियान- 2023 के क्रियान्वयन को लेकर वन अधिकार समिति का पुनर्गठन किया गया. 15 सदस्यीय वन समिति के सदस्यों का सर्वसम्मति से चयन किया गया. चयनित सदस्यों ने वन समिति का अध्यक्ष मनोज यादव को बनाया.

### झारखंड : हाशिए पर चले गए हैं राज्य के अच्छे ब्यूरोक्रेट्स

# वसूली कर पहुंचाने वाले सीएम के चहेते बने हैं : डॉ. अरुण उरांव

प्रमुख संवाददाता । रांची

पूर्व आईपीएस अधिकारी और भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. अरूण उरांव ने कहा है कि झारखंड में अच्छे ब्यूरोक्रेट्स हाशिये पर हैं. मुख्यमंत्री जिले से सचिवालय तक वैसे अफसरों को तरजीह दे रहे हैं , जो पैसे इकट्ठा कर ऊपर पहुंचाने में माहिर हैं. राज्य में अच्छे और काम करने वाले अफसरों की कमी नहीं है, लेकिन सरकार की उपेक्षा के कारण कई अफसर सेंट्रल डेप्यूटेशन पर चले गये हैं. कुछ और अधिकारी सेंट्रल डेप्यूटेशन पर जाने की तैयारी कर रहे हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य के कई शीर्ष अधिकारी सरकार के इशारे पर गलत काम कर रहे हैं. मुख्यमंत्री ने भ्रष्ट ब्यूरोक्रेट रूपी घोड़े को झारखंड को चरने की छूट दे दी है.यह बात डॉ. अरूण उरांव ने भाजपा के प्रदेश मुख्यालय में संवाददाताओं से यह बात कही.

**भ्रष्टाचार में लिप्त हैं राज्य के कई सीनियर अफसर :** डॉ. अरूण उरांव ने कहा कि राज्य के कई सीनियर अफसर भ्रष्टाचार में लिप्त हैं. ईडी ने पर्याप्त सबूतों के साथ सरकार को पत्र लिखा है, लेकिन उन अधिकारियों पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है. इस वजह से मातहत पदाधिकारियों का भी मन बढ़ रहा है. उरांव ने कहा कि इसे लेकर उन्होंने बुधवार को मुख्य सचिव को भी पत्र लिखा है और भ्रष्ट अफसरों पर कार्रवाई करने की मांग की है. उन्होंने कहा कि जिन पदाधिकारियों की जिम्मेवारी राज्य को सजाने और संवारने की थी वे आज लूट, भ्रष्टाचार में शामिल हो चुके हैं. ब्यूरोक्रेसी राज्य की स्टील फ्रेम होती है, लेकिन आज उसमें ही जंग लग गई है. ये ब्यूरोक्रेसी राज्य को दीमक की तरह खाने में जुटी है.

**खास बातें**

- अच्चे काम करने वाले अधिकारियों की कमी नहीं
- सीएम ने दे दी है झारखंड को चरने की छूट
- सेंट्रल डेप्यूटेशन पर जाने की तैयारी में हैं कुछ अधिकारी

### करेक्ट एंड स्टिक की पॉलिसी अपनाई जाए

उरांव ने कहा कि भ्रष्ट अफसरों पर करेक्ट एंड स्टिक की पॉलिसी अपनाई जानी चाहिए. जो अधिकारी ईमानदार हैं, उन्हें प्रोत्साहित किया जाना चाहिए और भ्रष्ट अफसरों को दंड मिलना चाहिए. उन्होंने कहा कि पुलिस को हाईकोर्ट के निर्णय में यह निर्देश प्राप्त है कि अपराध संज्ञान में आते ही मुकदमा दर्ज की जानी चाहिए. इसके बाद जांच और फिर चार्जशीट. अगर आरोप झूठा निकले तो केस खत्म, लेकिन राज्य सरकार तो पहला चरण ही शुरू नहीं कर रही है.

### अमृत वाटिका के लिए देश के कोने-कोने से ली गई है मिट्टी

**देवघर ।** भारतीय जनता पार्टी ने मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत गुरुवार को पैदल यात्रा की. विधायक नारायण दास की अगुवाई में पैदल यात्रा सत्संग चौक से शुरू होकर प्रखंड विकास कार्यालय पहुंची. यहां भाजपा ने एक सभा का आयोजन किया. मौके पर नारायण दास ने कहा कि जिस तरह से अयोध्या में बन रहे रामलला मंदिर में देश के सभी लोगों की भागीदारी है, ठीक उसी तरह दिल्ली में बन रही अमृत वाटिका में भी देश के कोने-कोने से वैसे लोगों के गांव से मिट्टी ली गयी है, जिनके बलिदान से देश आजाद हुआ. साथ ही इस कलश में उस गांव की देवी देवताओं के स्थान से भी मिट्टी ली गयी है. सभी मिट्टी दिल्ली जायेगी और फिर वहां अमृत वाटिका में से लगाया जाये. नारायण दास ने कहा कि यही बढ़ता भारत है.

#### मिट्टी वीरों को समर्पित

नगर भाजपा अध्यक्ष चंद्रशेखर खबरों ने कहा कि सभी मिट्टी राजधानी रांची के रास्ते दिल्ली पहुंचेगी और वहां एक सभा का आयोजन होगा . जिसे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संबोधित करेंगे और हम सभी उस कार्यक्रम में शिरकत करेंगे . कहा गया कि यह मिट्टी उन वीरों के नाम पर समर्पित है और यह एक तरह से हम सभी की ओर से उनके प्रति आभार है . वरिष्ठ महिला नेत्री चौरसिया ने कहा कि हमारे लिए गौरव की बात है कि हम उन गांव से मिट्टी इकट्ठा कर लाये है, जिन गांवों के सपूत ने देश को आजादी दिलायी है . कार्यक्रम में महिला जिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष विजया सिंह, पंकज भदोरिया, सचिन सुल्तानिया, राजन सिंह समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे .

## कांग्रेस हटिया विस समन्वय समिति की बैठक संपन्न

**रांची।** सेक्टर–2 स्थित गाला बैंक्वेट हॉल में कांग्रेस पार्टी की हटिया विधानसभा समन्वय समिति की एक दिवसीय बैठक का आयोजन किया गया. पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय और प्रदेश कांग्रेस के महासचिव अजय नाथ शाहदेव ने कांग्रेसजनो से संवाद कर संगठन के सशक्तीकरण और आगामी लोकसभा चुनाव में पार्टी की जीत सुनिश्चित करने हेतु रणनीति पर अपनी बातों को रखा. बैठक में केशव महतो कमलेश, अनादि ब्रह्म, रांची जिला ग्रामीण के अध्यक्ष डॉ. राकेश किरण महतो, महानगर अध्यक्ष डॉ. कुमार राजा, रांची महानगर महिला कांग्रेस की अध्यक्ष नीतू देवी, रांची जिला ग्रामीण महिला कांग्रेस की अध्यक्ष मेरी तिर्की, प्रदेश महासचिव शिव कुमार भगत, रमा खलखो, वेद प्रकाश मिश्रा ने भी अपने विचार रखे.मंच संचालन कमल ठाकुर के द्वारा किया गया.

## डेढ़ दर्जन महिलाओं ने कांग्रेस का थामा दामन

**बेरमो ।** बेरमो विधायक के आवासीय कार्यालय ढोरी स्टाफ क्वार्टर में आयोजित जनता दरबार में जरीडीह प्रखंड की पंचायत समिति सदस्य शुक्रमणि देवी के नेतृत्व में बीजेपी सहित अन्य दलों को छोड़ करीब डेढ़ दर्जन महिलाओं ने कांग्रेस की सदस्यता ली. सभी महिलाओं को बेरमो विधायक अनूप सिंह ने बुके देकर पार्टी में शामिल कराया. इस दौरान विधायक ने कहा कि जारीडीह प्रखंड में 84.32 करोड़ की लागत से जलापूर्ति योजना धरातल पर उतरेगी, इसके निर्माण होने से 32 गांव की 10 हजार 605 घरों में दामोदर नदी से पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा. साथ ही चार स्ट्रीट लाइटें भी उपलब्ध कराई गई. उन्होंने कहा कि महिलाओं की भागीदारी पार्टी को मजबूती देगी.

## कइयों ने थामा भाजपा का दामन, माल पहनाकर स्वागत

संवाददाता। घाटशिला

जिला परिषद अंश 16 की दो बार की जिला परिषद सदस्य देवयानी मुर्मू ने गुरुवार को राजस्टेट मैदान में आयोजित संकल्प यात्रा कार्यक्रम में अपने समर्थकों के साथ भारतीय जनता पार्टी का दमन थामा. देवयानी मुर्मू को पार्टी का पट्टा पहना कर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने पार्टी में स्वागत किया. प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि देवयानी मुर्मू के पार्टी में शामिल होने से संगठन और मजबूत होगा. पार्टी में शामिल होने के बाद देवयानी मुर्मू ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी की सोच से प्रेरित होकर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुई हूं. हमारे ससुर स्वर्गीय कुनाराम मुर्मू भी भारतीय जनता पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ता थे. भारतीय जनता पार्टी ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जहां आदिवासियों को सम्मान मिलता है. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आज देश की प्रथम आदिवासी महिला हैं. यह सोच भाजपा की ही हो सकती है किसी दूसरी पार्टी की नहीं. उन्होंने कहा कि उनके साथ उनके 200 समर्थकों ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता ली है.

## पानी-बिजली-जाम की समस्या पर भाजयुमो का धरना 14 को

संवादाता। धनबाद

दुर्गा पूजा शुरू होने में अब चंद दिन बचे हैं. लेकिन शहर की सड़कें बदहाल हैं. पानी-बिजली, ट्रैफिक जाम व स्ट्रीट लाइट की समस्या जस की तस बनी हुई है. इसे देखने वाला कोई नहीं है. पूजा में बड़ी संख्या में लोग घर से निकलेंगे और उन्हें इन कठिनाइयों का समाना करना पड़ेगा. भाजयुमो ने चेतावानी दी है कि समस्याओं का जल्द समाधान नहीं हुआ, तो जोरदार आंदोलन किया जाएगा. भाजयुमो जिला अध्यक्ष अमलेश सिंह ने गुरुवार को गांधी सेवा सदन में पत्रकार वार्ता में इन मुद्दों पर 14 अक्टूबर को रणधीर वर्मा चौक पर धरना देने की घोषणा की. उन्होंने जिला प्रशासन से पूजा से पहले इन तमाम समस्याओं का समाधान करने की मांग की. साथ ही डेंगू के खतरे को देखते हुए नगर निगम से सभी वार्डो में फॉगिंग कराने का आग्रह किया. मौके पर महामंत्री तमाल राय, जयंत चौधरी, रवि मिश्रा, पिंटू सिंह, मुकेश साव, रंजीत प्रसाद, शिव झा आदि मौजूद थे.

# माले ने निकाला 'जन अधिकार मार्च'

- ग्रामीणों का रास्ता मुक्त कराने के लिए चलेगा धारावाहिक आंदोलन : राजेश यादव

संवाददाता। गिरिडीह

पूर्वजों के जमाने से आने-जाने के आम रास्ते को अतिक्रमण मुक्त करने, गरीब भूमिहीनों के बीच सरकारी जमीन का बंटवारा करने सहित स्थानीय मजदूरों को वाजिब मजदूरी के साथ रोजगार की गारंटी देने के सवालों को लेकर गुरुवार को भाकपा माले तथा अखिल भारतीय किसान महासभा की ओर से प्रतिवाद मार्च निकाला गया.साथ ही अतिक्रमण किए गए रास्ते के सामने एक नुक्कड़ सभा भी की गई.

कार्यक्रम के जरिए यह ऐलान किया गया कि कई गांवों के आने-जाने के रास्ते को मुक्त कराने को लेकर धारावाहिक आंदोलन गुरुवार से शुरू किया गया है.

**स्थानीय लोगों को रास्ता देना होगा**

कार्यक्रम का नेतृत्व माले नेता पप्पू खान तथा संजय चौधरी ने करते हुए कहा कि मंदिर ट्रस्ट के द्वारा रास्ते का अतिक्रमण कर स्थानीय लोगों को परेशान किया जा रहा है. यह मनमानी नहीं चलेगी, स्थानीय लोगों को रास्ता देना होगा. कहा गया कि यहां काम करने वाले मजदूरों का भी जमकर शोषण हो रहा है, विरोध करने पर उल्टा उन्हें काम से हटा दिया जाता है. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए माले नेता सह अखिल भारतीय किसान महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश यादव ने कहा कि यहां का आम रास्ता जमाने से है. इसकी घेराबंदी सरासर गलत है. घेराबंदी के अंदर सरकारी आम रास्ता होने का बोर्ड लगा है, फिर भी रास्ते को घेरकर आम लोगों को आवाजाही से रोका जा रहा है. कहा गया कि भाकपा माले द्वारा इसके खिलाफ आज से चरणबद्ध आंदोलन शुरू किया गया है. शीघ्र ही इसपर हस्ताक्षर अभियान चलाकर बराकर से समाहरणालय तक अधिकार मार्च निकाला जाएगा. उन्होंने लोगों से बढ़ चढ़कर इस अभियान में भाग लेने की अपील की .मौके पर गणेश कोल, लालमणि कोल, कैलाश दास, श्यामलाल दास, मनोज यादव आदि मौजूद थे.

### वर्षा प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण करने पदाधिकारियों के साथ पहुंचे मंत्री आलमगीर

# अधिकारियों को कटाव स्थल ठीक करने का निर्देश

संवाददाता। साहिबगंज

बरहरवा प्रखंड अंतर्गत बीते एक सप्ताह पूर्व वर्षा के कारण गुमानी नदी का पानी उफान पर होने के कारण नदी का कटाव हो जाने के कारण नदी के किनारे बसे ग्रामीण इससे प्रभावित हुए थे. वहीं गुरुवार को राज्य के ग्रामीण विकास मंत्री अलमगीर आलम ने अपने साथ साहेबगंज जिला के डीडीसी प्रभाष कुमार बरदियार,सभी विभाग के जेई.एई. कार्यपालक अभियंता, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी के साथ उक्त कटाव स्थल का निरीक्षण किया, साथ ही विभागीय पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया. कहा गया कि गुमानी नदी पर हुए सभी कटाव स्थल पर जाकर जांच करें तथा यथाशीघ्र कटाव स्थल को ठीक करने के लिए प्राक्कलन तैयार कर संबंधित विभाग को भेजें, ताकि जल्द से जल्द विभागीय कार्रवाई कर विधिवत निर्माण कार्य करवाया जा सके. जिससे प्रभावित ग्रामीणों को इसका लाभ मिल सके.

**खास बातें**

- प्राक्कलन तैयार कर विभाग को भेजने को कहा
- प्रभावित ग्रामीणों के जल्द मिलेगा लाभ

#### मुख्यमंत्री एवं कृषि मंत्री से पत्राचार किया गया है

आलमगीर आलम ने यह भी बताया कि जिन किसानों की धान की फसल को वर्षा से नुकसान हुआ है, इसके लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं कृषि मंत्री बादल पत्रलेख को पत्राचार किया गया है .बहुत जल्द ही जिले के पदाधिकारी सर्वे करेंगे, ताकि किसानों को लाभ दिलाया जा सके . मंत्री ने कहा कि कल भी सभी विभागों के पदाधिकारियों के साथ मधुआपाड़ा, गांव हस्तीपाड़ा गांव एवं बिशनपुर पंचायत के प्रभावित इलाकों का दौरा करेंगे . इस मौके पर जिला अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि बरकत खान मौजूद थे.

**गिरिडीह** भाजपाइयों ने विजया राजे को उनकी जयंती पर याद किया, श्रद्धांजलि आर्पित की, कहा

# सिंधिया के आदर्शों को आत्मसात करने की जरूरत

संवाददाता। गिरिडीह

जयंती पर विजया राजे सिंधिया को श्रद्धांजलि देते भाजपा कार्यकर्ता.

भारतीय जनता पार्टी गिरिडीह महिला मोर्चा के नेतृत्व में गुरुवार को गिरिडीह के निवर्तमान विधायक निर्भय शाहाबादी के आवासीय कार्यालय में भाजपा की संस्थापक सदस्या, त्याग एवं समर्पण की प्रतिमूर्ति राजमाता श्रद्धेय विजयाराजे सिंधिया की जयंती मनाई गई. इस अवसर पर उपस्थित भाजपा के नेता एवं कार्यकर्ताओं ने श्रद्धेय सिंधिया के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया और मिठाइयां बांटी.

मौके पर निवर्तमान विधायक निर्भय शाहाबादी ने अपने संबोधन मे कहा कि राजमाता विजयाराजे सिंधिया का सम्पूर्ण जीवन राष्ट्र को समर्पित रहा. राजसी वैभव को किनारे कर उन्होंने देश को ऊपर रखा. उनके जीवन के आदर्शों को आत्मसात करने की जरूरत है. कहा कि भारतीय जनता पार्टी की स्थापना में उनकी बड़ी भूमिका रही. उस दौरा में भी उन्होंने महिला सशक्तीकरण के लिए प्रयास किए. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश में नारी शक्ति अभिनंदन विधेयक लाए हैं. सही मायने में इस वर्ष राजमाता सिंधिया को यह सच्ची श्रद्धांजलि के रूप में समर्पित है.

**खास बातें**

- महिला सशक्तीकरण के लिए सिंधिया ने काम किया
- सिंधिया ने अपना जीवन राष्ट्र को समर्पित किया

**ये थे उपस्थित :** इस अवसर पर यहां पूर्व विधायक निर्भय शाहबादी, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष संगीता सेठ, संजू देवी, कुसुम सिन्हा, तनुजा सहाय, गुड़िया देवी, फूलो देवी, अंजना यादव, तारा देवी, पिंकी सिंह, सोनिया कौशिक, भाजपा नगर अध्यक्ष हरमिंदर सिंह बग्गा, यदुनंदन पाठक,संजीत सिंह उपस्थित थे.

#### महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत

मोर्चा की जिलाध्यक्ष संगीता सेठ ने कहा कि राजमाता सिंधिया सभी महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं. राजघराने से होने के बावजूद भी राष्ट्रधर्म को आगे रखते हुए राजनीति में आई और भारतीय जनता पार्टी जो की आज विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है, उसकी स्थापना में अहम सदस्य के रूप में रही . कहा कि नारी शक्ति वंदन विधेयक के प्रति सभी महिलाएं प्रधानमंत्री को धन्यवाद पत्र लिखेंगी जिसको डाक के माध्यम से उन्हें प्रेषित किया जाएगा .

## सिदो कान्हू क्लब का किया गठन कांग्रेस यादव बने प्रखंड अध्यक्ष

संवाददाता। गांवा (गिरिडीह)

प्रखंड सह अंचल कार्यालय के सभागार में गुरुवार को सिद्धू कान्हू युवा खेल क्लब के गठन को लेकर एक बैठक आयोजित की गई. बैठक की अध्यक्षता मुखिया संघ के अध्यक्ष कन्हाय राम ने की. मौके पर मुख्यरूप से बीडीओ महेंद्र रविदास उपस्थित थे. बैठक में लॉटरी के माध्यम से प्रखंड स्तरीय सदस्यों का चयन किया गया. जिसमें कांग्रेस यादव को अध्यक्ष बनाया गया. बैठक में सभी पंचायतों के मुखिया और विभिन्न गांवों में चयनित अध्यक्ष उपस्थित थे.

DIYA PUBLIC SCHOOL
At : Jabardaha, Fulchi, Gandey (Block)
REQUIRE
Female trained teacher required, who can able to teach Nursery to Class V.
Intersted candidate can contact : 8580323752

## ब्रीफ खबरें

### कृषक मित्रों ने विधायक से लगाई है गुहार

**घाटशिला।** झारखंड प्रदेश कृषक मित्र महासंघ द्वारा गुरुवार को प्रखंड मुख्यालय घाटशिला के समीप सीएम से मिलवाने को लेकर विधायक प्रतिनिधि जगदीश भकत को ज्ञापन सौंपा. मांग की कि झारखंड सरकार के घोषण पत्र के अनुसार कृषक मित्रों को सम्मानजनक मानदेय देने की घोषणा सरकार ने की थी. लेकिन चार वर्ष बीतने के बाद भी आश्वासन ही देने का कार्य किया जा रहा है. इसके कारण कृषक मित्रों का सब्र का बांध टूट रहा है.

### आरआईटी थाना शांति समिति की हुई बैठक

**आदित्यपुर।** गुरुवार को आरआईटी थाना में दुर्गा पूजा समिति की बैठक पूजा समितियों के प्रतिनिधियों के साथ हुई. बैठक की अध्यक्षता थाना प्रभारी सागरलाल महथा ने की. बैठक में अतिथि के रूप में सीओ गम्हरिया गिरेन्द्र टूटी और निवर्तमान मेयर विनोद कुमार श्रीवास्तव मौजूद थे. बैठक में पूजा समिति के लोगों ने पंडालों के साथ क्षेत्र की सफाई, स्ट्रीट लाइट नहीं जलने और मेला के दौरान मनचलों द्वारा छेड़खानी और पूजा के दौरान हुड़दंगियों पर नकेल कसने की मांग की.

### भाजपाइयों ने विधायक पत्नी को सौंपा अमृत कलश

**सिंदरी।** भाजपा सिंदरी नगर कमेटी की ओर से क्षेत्र के मंदिरों व घरों से इकट्ठा की गई पवित्र मिट्टी से भरे अमृत कलश को गुरुवार को विधायक इंद्रजीत महतो की पत्नी तारा देवी को सौंपा गया. बलियापुर प्रखंड कार्यालय में आयोजित समारोह में नगर अध्यक्ष अरविंद पाठक ने अमृत कलश को सौंपा. उन्होंने बताया कि यह कलश जिला से प्रदेश मुख्यालय भेजा जाएगा और वहां से अमृत वाटिका के लिए दिल्ली भेजा जाएगा. मौके पर पार्टी के पूर्व प्रदेश प्रशिक्षण प्रमुख गणेश मिश्रा, धर्मजीत सिंह व घनश्याम ग्रोवर मौजूद थे.

### बीडीओ मेघनाथ उरांव को दी गई विदाई

**लातेहार।** निवर्तमान प्रखंड प्रखंड विकास पदाधिकारी मेघनाथ उरांव को सादे समारोह में विदायी दी गयी. मौके पर मेघनाथ उरांव ने कहा कि लातेहार में उनका कार्यकाल तीन साल तीन माह का रहा है. इस दौरान उन्होने यहां पूरी तनम्यता से सरकार के द्वारा चलाये जा रहे विकास कार्यों कार्यों को धरातल पर उतारने का प्रयास किया है. यहां उच्चाधिकारी एवं सहयोगी कर्मचारियों से उन्हें भरपूर स्नेह मिला है. उरांव ने कहा कि लातेहार एक अच्छी जगह है और यहां के लोग भी काफी अच्छे हैं.

### नए ग्राम प्रधान को मान्यता देने की मांग

**जमशेदपुर।** पोटका प्रखंड के सोहदा पंचायत स्थित बांशिला गांव के ग्राम प्रधान की मनमानी से ग्रामीण काफी परेशान है. ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम प्रधान द्वारा किसी भी सरकारी दस्तावेज पर हस्ताक्षर नहीं किया जाता है. ग्राम प्रधान सीधे तौर पर किसी से बात भी नहीं करते और साफ कहते है कि वे न तो किसी दस्तावेज पर हस्ताक्षर करेंगे और न ही मुहर लगाएंगे. ग्राम प्रधान के रवैये से नाराज होकर ग्रामीणों ने एक ग्राम सभा आयोजित कर नए ग्राम प्रधान के रूप में सुखदेव राय का चयन किया.

### लातेहार में आज बाधित रहेगी बिजली

**लातेहार।** 13 अक्टूबर को शहर के विभिन्न इलाकों में क्रमवार बिजली सेवा बाधित रहेगी. इस संबंध में कनीय विद्युत अभियंता अंकित कुमार ने बताया कि दुर्गा पूजा एवं दीवाली को बिजली के तारों से सटे पेड़ों की टहनियों एवं अन्य मेंटनेंस कार्यों के लिए लातेहार शहरी क्षेत्र के रेलवे स्टेशन, करकट, मेन रोड, धर्मपुर, शिवपुरी एवं राजहार क्षेत्र में क्रमवार सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे तक बिजली सेवा बाधित रहेगी. उन्होंने बिजली से जुड़ी सभी आवश्यक कार्य सुबह में कर लेने का आग्रह किया.

### राजद ने लोहिया को पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

**सिंदरी।** धनबाद जिला राजद की ओर से गुरुवार को सिंदरी में महान स्वतंत्रता सेनानी डॉ. राममनोहर लोहिया की 56वीं पुण्यतिथि मनाई गई. पार्टी कार्यालय में आयोजित समारोह में कार्यकर्ताओं ने डॉ. लोहिया की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी. जिला महासचिव शिवजी यादव ने कहा कि डॉ. राममनोहर लोहिया समाजवादी विचारधारा के नेता थे. उन्होंने हमेशा दबे, कुचले, शोषित और पिछड़े वर्ग के लोगों के हक की लड़ाई लड़ी.

---

ग्राम स्वराज्य मजदूर संघ ने आंगनबाड़ी केंद्र में प्रति दिन अंडा देने की मांग पर चलाया अंडा अभियान

# अंडा देने की घोषणा पर नहीं हुआ अमलः राजेश्वर सिंह

संवाददाता। लातेहार

भोजन के अधिकार अभियान, झारखंड द्वारा आंगनबाड़ी व मध्याह्न भोजन में प्रति दिन अंडा देने की मांग पर गुरुवार को अंडा अभियान चलाया गया. जिले के मनिका प्रखंड में ग्राम स्वराज्य मजदूर संघ मनिका के तत्वावधान में यह अभियान चलाया गया.

ग्राम स्वराज्य मजदूर संघ अध्यक्ष राजेश्वर सिंह ने कहा कि झारखंड सरकार ने पिछले तीन सालों में कई बार आंगनबाड़ी में बच्चों को छह दिन प्रति सप्ताह अंडा देने की घोषणा की है. विद्यालयों में मध्याह्न भोजन में पांच दिन अंडे की भी घोषणा कई बार हुई है. लेकिन आज तक यह घोषणा धरातल पर नहीं उतरी है. झारखंड सरकार को उनका वादा याद दिलाने के लिए आज भोजन के अधिकार अभियान, झारखंड के आह्वान पर पूरे राज्य में विभिन्न संगठनों द्वारा आंगनबाड़ी में अंडा अभियान चलाया गया. ग्रामीण, स्थानीय संगठन व अभियान के प्रतिनिधि द्वारा चंदा करके बच्चों को अंडा खिलाया गया. उन्होंने कहा कि शायद अब सरकार को आंगनबाड़ी के बच्चों की याद आये. कार्यक्रमों में स्थानीय स्तर व पूरे राज्य में कुपोषण की स्थिति एवं अंडे की ज़रूरत पर चर्चा की गयी.

उन्होंने कहा कि बच्चों के शारीरिक व मानसिक विकास के लिए अंडा एक बेहतरीन खाद्य पदार्थ है. अभियान के दौरान मनिका प्रखंड के पंचायत डोंकी के ग्राम बारियातु आंगनबाड़ी केंद्र में 50 बच्चों को अंडा खिलाया गया. जबकि ग्राम पगार के आंगनबाड़ी में 40, पंचायत कोपे आंगनबाड़ी केंद्र जगतु में 30, कोपे के आंगनबाड़ी केंद्र जेरुआ में 40 एवं पंचायत दुन्दु के आंगनबाड़ी केंद्र पुरानी दुन्दु- तीन में 40 बच्चों को अंडा खिलाया गया. इसके अलावा महुआडांड़ के तीन आंगनबाड़ी केंद्रों में भी बच्चों को अंडा खिलाया गया. मौके पर डोंकी पंचायत मुखिया भाजेंद्र उरांव, पंचायत समिति सुषमा देवी, बारियातु ग्राम प्रधान दिनेश सिंह, पगार ग्राम प्रधान रामदेव सिंह इत्यादि उपस्थित थे.

**लोग नाराज**

- आंगनबाड़ी केंद्र में 50 बच्चों को अंडा खिलाया गया
- कार्यक्रमों में अंडे की ज़रूरत पर विस्तार से चर्चा की गई

---

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सरकार पर साधा निशाना

# राज्य में बढ़ी है कमीशनखोरी

हिंमांगशु करण। बहरागोड़ा

रैली में मंच पर बाबूलाल मरांडी का माला पहनाकर स्वागत करते भाजपा कार्यकर्ता

बहरागोड़ा के शाखा मैदान में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी की संकल्प यात्रा सह जन सभा का आयोजन जिला अध्यक्ष सौरभ चक्रवर्ती की अध्यक्षता किया गया. इसमें हजारों कार्यकर्ताओं की भीड़ उमड़ी. सभा को संबोधित करते हुए बाबूलाल मरांडी ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार बेहतर काम कर रही है. सरकार बनने के साथ ही पीएम मोदी ने मां-बहनों के सम्मान के लिए शौचालय बनाने का काम किया. गरीबों के लिए पीएम आवास, गरीब मां-बहनों को उज्जवला योजना के तहत गैस सिलेंडर और चूल्हा देने का काम किया. केन्द्र सरकार गरीबों की सरकार है.

मरांडी ने कहा कि राज्य में हेमंत सरकार सिर्फ घोषणा की सरकार बनकर रह गई है. जिसमें केवल राज्य में कमीशनखोरी बढ़ी है और अवैध रूप से बालू का खनन हो रहा है. जिससे गरीब परिवार अपना घर नहीं बना पा रहे हैं, वहीं चंद बालू माफिया अपनी तिजोरी भर रहे हैं. केन्द्र सरकार ने सस्ती दर पर औषधी केन्द्र खोलने का काम किया है, परंतु राज्य सरकार की इसकी कोई चिंता नहीं है. राज्य में स्वास्थ्य, शिक्षा समेत अन्य व्यवस्था चरमरा गई है. उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने प्रत्येक माह गरीबों के लिए मुफ्त में अनाज उपलब्ध कराने का काम कर रहे हैं. वहीं हेमंत सरकार उन अनाजों को बाजार में बेचने का काम कर रही है. ऐसी सरकार को बदलनी है. आज इस सभा से सभी संकल्प लेकर जाएं, तभी राज्य का विकास होगा और लोगों का विकास होगा.

बाबूलाल मरांडी ने कहा कि पीएम ने देश में 33 प्रतिशत सीट महिलाओं के लिए आरक्षित करने का काम किया है. मां-बहनों को पीएम नरेंद्र मोदी ने सम्मान देने का काम किया है. भाजपा सरकार के कार्यकाल में ही राज्य और क्षेत्र में विकास हुआ है. राज्य बनने के बाद हर सरकार के कार्यकाल में नियुक्तियां हुई है, परंतु हेमंत के कार्यकाल में नियुक्तियां ठप है. हेमंत सरकार लोगों के लिए नहीं, बल्कि खुद के विकास की सरकार बनकर रह गई है. इस सरकार के कार्यकाल में जनता अपराधियों के खौफ में जी रही है.

मौके पर सुबोध सिंह, काजल प्रधान, बिनोद सिंह, प्रदीप वर्मा, पद्मश्री जमुना टुडू, चंडी चरण साउ, सरोज महापात्रा, रंजीत बाला, तपन ओझा, बाप्टू साव, भूपति नायक, गौरव पुष्टि, चंदन सीट, श्याम दे, हरी साधन मल्लिक, राजीव महापात्र, श्रीवत्स घोष, बाघराय मांडी, सतदल महतो, राजकुमार कर, आशीष महापात्र, यादव पात्र, सुमन मंडल, देबू मंडल, भक्ति पंडा मौजूद थे.

**बोले बाबूलाल**

- नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बेहतर काम कर रही है
- नरेंद्र मोदी ने बहनों को सम्मान देने का काम किया

### हेमंत के कार्यकाल में मची है लूट : विद्युत वरण महतो

सभा को संबोधित करते हुए जमशेदपुर के सांसद विद्युत वरण महतो ने कहा कि राज्य में भाजपा की सरकार में राज्य और क्षेत्र का विकास हुआ था. लेकिन हेमंत सरकार बनने के बाद जल, जंगल और जमीन का दोहन हो रहा है. लोगों ने झामुमो को अपना वोट देकर सत्ता में इस उद्देश्य से लाई कि जल, जंगल और जमीन का संरक्षण होगा, परंतु लोगों के सपनों के विरुद्ध सरकार काम कर रही है. कहा कि रघुवर सरकार में भी किसानों से सरकार धान की खरीद कर 24 घंटे के अंदर किसानों को भुगतान हो जाता था.

### हेमंत सरकार हर मोर्चे पर विफल : डॉ दिनेशानंद

सभा को संबोधित करते हुए भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिनेशानंद गोस्वामी ने कहा कि राज्य की जनता हेमंत सरकार के चार वर्ष के शासन काल में भ्रष्टाचार से त्रस्त है. बाबूलाल मरांडी जब राज्य के मुख्यमंत्री थे तो किसानों को सिंचाई के लिए लिफ्ट एरिगेशन योजना दिया था, जो आज बंद है. बाबूलाला की सरकार ने करोड़ों रुपए खर्च कर कैनाल का निर्माण किसानों के खेतों तक पानी पहुंचाने के लिए किया गया था.

### इस सरकार ने राज्य के युवाओं को ठगा : कुणाल

सभा को संबोधित करते हुए बहरागोड़ा के पूर्व विधायक सह भाजपा प्रदेश प्रवक्ता कुणाल षाडंगी ने कहा कि बहरागोड़ा त्रिवेणी संगम पर स्थित है. इस क्षेत्र में बाबूलाल मरांडी का कई बार आना हुआ है. संकल्प यात्रा किसी व्यक्ति विशेष का नहीं,बल्कि राज्य के जनता का संकल्प यात्रा है. सीएम हेमंत ने चुनाव के दौरान घोषणा की थी कि झामुमो की सरकार बनी तो युवाओं को नौकरी देंगे.

### बहरागोड़ा तस्करी का हब बन गया है : दिनेश

सभा को संबोधित करते हुए पूर्व स्वास्थ्य मंत्री डॉ. दिनेश षाडंगी ने कहा कि संकल्प यात्रा सह जन सभा का मुख्य उद्देश्य आने वाले चुनाव में जीत दिलाने का संकल्प लेना है. हेमंत सरकार के कार्यकाल में राज्य में सभी भाषा को सम्मान नहीं मिला. उन्होंने कहा कि अपने कार्यकाल में हमने काफी जन कल्याणकारी योजनाएं धरातल पर उतारने का काम किया था.

---

# कोर्ट के आदेश के बाद कैफे कॉफी डे सील

संवाददाता। जमशेदपुर

बिष्टपुर मेन रोड स्थित कैफे कॉफी डे को गुरुवार को कोर्ट के आदेश के बाद सील कर दिया गया. इसको लेकर भुवनेश्वरी एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड के केतन अडेसरा ने कैफे कॉफी डे को चलाने वाली अमलगमेटेड बीन कॉफी ट्रेडिंग कंपनी लिमिडेट के खिलाफ मनी रिकवरी सूट दायर किया था. मामले को लेकर भुवनेश्वरी एस्टेट प्राईवेट लिमिटेड की ओर से अधिवक्ता अंशुमन चौधरी ने बताया कि अमलगमेटेड द्वारा पांच साल से दुकान का किराया नहीं दिया गया था. इन पांच सालों में कुल किराया 5.54 लाख रुपये हो गया था. किराया नहीं मिलने पर कोर्ट में मनी रिकवरी सूट दायर किया गया. 26 सितंबर को मामले में आर्डर जारी हुआ जिसमें दुकान के सारे एसेट्स को जब्त करने का आदेश दिया गया था. गुरुवार को इसी आदेश का पालन करते हुए कोर्ट के नाजिर धीरज कुमार श्रीवास्तव की मौजूदगी में कैफे कॉफी डे को सील कर दिया गया है.

## कमलेश सिंह दल बदल मामले में स्पीकर कोर्ट में अधूरी रही सुनवाई

संवाददाता। रांची

पलामू के हुसैनाबाद विधानसभा के एनसीपी विधायक कमलेश सिंह के दल बदल मामले में विधानसभा अध्यक्ष रविंद्र नाथ महतो के ट्रिब्यूनल में सुनवाई चल रही है. गुरुवार को दिन के 12:30 बजे मामले की सुनवाई शुरू हुई. बहस में कमलेश सिंह और जितेंद्र अह्लाद के वकील ने हिस्सा लिया. दोनों तरफ से वकीलों ने दलील रखी. इसी दौरान कमलेश सिंह के वकील ने कुछ और तथ्यों को रखने के लिए समय मांगा. स्पीकर ने शाम 4:30 बजे फिर से मामले की सुनवाई का समय निर्धारित किया. लेकिन दोनों पक्षों के आग्रह पर शाम 4:30 बजे होनेवाली सुनवाई टाल दी गयी.

### मेरे ऊपर दलबदल मामला नहीं चल सकता: कमलेश

गौरतलब है कि कमलेश सिंह को लेकर शरद पवार गुट और अजीत पवार गुट आमने –सामने है. शरद पवार गुट की ओर से प्रवक्ता सह राष्ट्रीय सचिव जितेंद्र आह्लाद ने विधानसभा अध्यक्ष रवींद्र नाथ महतो को पत्र भेजकर कमलेश सिंह पर दलबदल के तहत कार्रवाई करने की मांग की थी. इसी शिकायत पर विधानसभा अध्यक्ष के ट्रिब्यूनल में सुनवाई चल रही है. खुद विधायक कमलेश सिंह भी पहुंचे. उन्होंने कहा कि वह सिंगल विधायक हैं, इसलिए उन पर दलबदल का मामला नहीं चल सकता.

---

# विधायक ने किया क्षेत्र का निरीक्षण

संवाददाता। जमशेदपुर

लोगों के साथ क्षेत्र का निरीक्षण करने पहुंचे विधायक.

यूसिल बंदुहडांग ओपन कास्ट माइंस में मंगलवार को हुए ब्लास्टिंग में धोडांगा गांव निवासी संजू हांसदा के घर में पत्थर का एक बड़ा टुकड़ा गिर गया था. इस घटना से ग्रामीणों में काफी आक्रोश था. ग्रामीणों ने इसकी शिकायत माइनिंग विभाग और पोटका विधायक संजीव सरदार से की थी. इधर, शिकायत मिलने के बाद गुरुवार को विधायक खुद जिला खनन पदाधिकारी के साथ घटना स्थल पर पहुंचे और क्षेत्र का निरीक्षण किया. विधायक ने बताया कि माइंस से घर की दूरी मात्र चार सौ मीटर है. माइंस में होने वाले ब्लास्ट के कारण ग्रामीणों को काफी नुकसान उठाना पड़ता है. निरीक्षण के बाद जिला उपायुक्त के साथ बैठक कर आगे की कार्रवाई और समाधान निकालने का प्रयास किया जाएगा.

ग्रामीणों का कहना है कि यूसिल के द्वारा क्षेत्र का अधिग्रहण किया जा चुका है. जमीन का मुआवजा तो उन्हें दे दिया गया, लेकिन घर-मकान का मुआवजा नहीं मिला. मुआवजा मिलने के बाद ही वह यहां से हटेंगे. इससे पूर्व विधायक ने गांव में एक बैठक की. जिसमें माइंस के पदाधिकारी, जिला खनन पदाधिकारी व ग्रामीण मौजूद थे. इसमें पीड़ित ग्रामीण संजू हांसदा को घर की मरम्मत के लिए मुआवजा के तौर पर तत्काल दस हजार रुपये माइंस प्रबंधन की ओर से दिए गए. इस दौरान विधायक गुस्से में दिखे. उन्होंने खनन पदाधिकारी की जमकर क्लास लगाई और उन्हें सही तरीके से जांच कर रिपोर्ट बनाने का निर्देश दिया.

---

**प्रदर्शन** ग्रामसभा मंच व झारखंड वनाधिकार मंच ने जिला मुख्यालय में निकाली विशाल रैली

# जल, जंगल व जमीन हमारा के नारों से गूंजा लातेहार

आशीष टैगोर। लातेहार

वनाधिकार कानून को शक्ति से लागू करने एवं वन पट्टा देने की मांग को लेकर संयुक्त ग्रामसभा मंच व झारखंड वनाधिकार मंच के संयुक्त तत्वावधान में जिला मुख्यालय में गुरुवार को एक विशाल रैली निकाली गयी और आमसभा किया गया. आक्रोश रैली शहर के बाजारटांड से प्रारंभ हुआ. इसके बाद मेन रोड होते हुए समाहरणालय परिसर पहुंची. रैली में ग्रामीण जल, जंगल, जमीन हमारा है, वन पट्टा हमारा अधिकार आदि के नारे लगा रहे थे.

महिलाएं अपनी पीठ पर छोटे-छोटे बच्चों को लेकर रैली में शामिल हुईं. समाहरणालय पहुंचने पर रैली आमसभा में तब्दील हो गयी. सभा को संबोधित करते हुए बरवाडीह जिला परिषद सदस्य कन्हाई सिंह ने कहा कि राज्य सरकार ने अबुआ वीर दिशुम अधिकार कानून- 2023 लाकर ग्रामसभा की शक्तियों को कमजोर किया है. इसका विरोध जरूरी है.

उन्होंने कहा कि न लोकसभा न विधानसभा ग्राम सभा सबसे बड़ा है. उन्होने चेतावनी दी कि अगर दिसंबर माह तक वन पट्टा नहीं दिया गया तो 18 जनवरी 2024 से जिला मुख्यालय में घेरा डालो- डेरा डालो आंदोलन शुरू किया जायेगा.

**वन अधिकार के दावा को निरस्त किया गया :** राजेश्वर सिंह ने कहा कि हजारों व्यक्तिगत वन अधिकार दावा अनुमंडल व जिला स्तर पर लंबित है. जबकि हजारों व्यक्तिगत वन अधिकार के दावा को गैर कानूनी तरीके से निरस्त किया गया है. सरयु प्रखंड के जिला परिषद सदस्य बुद्धेश्वर उरांव ने कहा कि जिला में परपंरागत वन निवासियों के वन अधिकार के दावा के कानूनों की गलत व्याख्या देकर उसे निरस्त किया जा रहा है. सभा के बाद डीसी को संबोधित 11 सूत्री मांग पत्र अनुमंडल पदाधिकारी को सौंपा गया. मौके पर धोती फादर, मदेश्वरी सिंह, महेंद्र उरांव, सत्यनारायण भगत, नंद किशोर गंझू, संतोष उरांव, महेंद्र उरांव, गणेश अगेरिया, हरदयाल भगत समेत हजारों की संख्या में महिला-पुरुष मौजूद थे.

**निकाली रैली**

- आक्रोश रैली शहर के बाजारटांड़ से प्रारंभ हुई
- महिलाएं अपने बच्चों को गोद में लेकर रैली में शामिल हुईं

---

# पंच कराने के बाद अनाज नहीं देने पर भड़के कार्डधारी

संवाददाता। गुड़ाबांदा

गुड़ाबांदा प्रखंड के रेरुआ स्थित जन वितरण प्रणाली दुकानदार द्वारा सितंबर माह का अनाज नहीं देने का विरोध कार्डधारियों ने किया. कार्डधारियों ने बताया कि राशन दुकानदार पीतांबर सोरेन ने सितंबर माह का पंचिंग कराने के बावजूद अनाज वितरित नहीं किया. गुरुवार को केवल अक्टूबर का राशन वितरित करने की बात राशन दुकानदार ने कही. इससे आक्रोशित कार्डधारियों ने एक माह का राशन लेने से इंकार कर दिया. राशन दुकानदार द्वारा सितंबर का अनाज नहीं मिलने की बात कार्डधारियों को बताई गयी. कार्डधारियों ने कहा कि अनाज उपलब्ध नहीं है तो पंचिंग क्यों कराया गया. इसकी सूचना प्रभारी एमओ को फोन पर दी गई और पूरा अनाज दिलाने की मांग एमओ से की गई. मौके पर सिमाल हांसदा, रमेश हांसदा, साबुआ मुर्मू, मनोज पातर, हाबला धीवर, सलमा मांडी आदि कार्डधारी उपस्थित थे.

---

## आओ जानें सामान्य ज्ञान

- झारखंड में मलेर किस जनजाति का दूसरा नाम है – सौरिया पहाड़िया
- किस राज्य में 1100 महिला बीट कांस्टेबलों को गुलाबी स्कूटी मिलेगी – उत्तर प्रदेश
- ऋग्वेद का पाठ करने वाले ब्राह्मण को क्या कहा जाता था – होतृ
- मंडला प्लांट जीवाश्म राष्ट्रीय उद्यान कहां है – मध्य प्रदेश
- किस बैंक ने देश का पहला नंबरलैस क्रेडिट कार्ड लॉन्च किया – एक्सिस बैंक
- किस राजा को बचपन में सर्वदमन कहा जाता था – भरत
- किस विटामिन को हार्मोन माना जाता है – डी
- किसे भेल का निदेशक बनाया गया है – बानी वर्मा
- दक्षिण भारत में जैन धर्म किसके नेतृत्व में फैला – भद्रबाहु
- झारखंड में कुल क्षेत्रफल का कितना भाग वनाच्छादित है – 29%

## सीएम ने की राज्यपाल से शिष्टाचार मुलाकात

**रांची।** मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गुरुवार को राजभवन पहुंच कर राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की. सीएम की राज्यपाल से यह शिष्टाचार मुलाकात थी.

## सड़कों पर मवेशी छोड़ने वालों की अब खैर नहीं

**शुभम संदेश इंपैक्ट**

संवाददाता। लातेहार

जिला मुख्यालय के विभिन्न सड़कों पर अपने मवेशियों को खुला छोड़ देने वालों की अब खैर नहीं है. नगर पंचायत के प्रशासक राजीव रंजन के निर्देश पर अब सड़कों में आवारा घूम रहे मवेशियों को पकड़ कर कांजी हाउस ले जाया जा रहा है. गुरुवार को शहर के मेन रोड में सड़कों में घूम रहे आवारा मवेशियों को कांजी हाउस के अभिकर्ता अयोध्या प्रसाद (करकट) के द्वारा पकड़ कर कांजी हाउस ले जाया गया. बता दें कि शहर की सड़कों में आवारा मवेशियों के घुमने की खबर लगातार.इन एवं शुभम संदेश के द्वारा कई बार प्रकाशित की गयी है. सड़कों पर मवेशियों के बैठे रहने एवं खुला घुमने के कारण अक्सर सड़क जाम एवं दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है. मवेशी सड़कों पर बैठे रहते हैं और हार्न देने के बाद भी नहीं उठते हैं, ऐसे में वाहन चालक को खुद वाहन से उतर कर उन्हें भगाना पड़ता है.

डीएमओ ने दस्तावेज में छेड़छाड़ कर फर्जी चालान बनाकर चिप्स ले जा रहे दो हाइवा को पकड़ा

# अवैध खनन, भंडारण और परिवहन पर डीएमओ की कार्रवाई

संवाददाता । पलामू

जिले में अवैध खनन, भंडारण एवं परिवहन को लेकर डीसी शशि रंजन के निर्देश पर जिला खनन पदाधिकारी आनंद कुमार द्वारा कार्रवाई लगातार जारी है.

डीएमओ ने सरकारी दस्तावेज से छेड़छाड़ करके फर्जी चालान बनाकर पत्थर चिप्स ले जा रहे दो हाइवा को पकड़ा. इस मामले में हाइवा मालिक एवं चालक पर हरिहरगंज थाने में प्राथमिकी दर्ज करवायी है. साथ ही ऐसे कार्य में संलिप्त सभी व्यक्तियों को अविलंब चिन्हित करते हुए कार्रवाई का निर्देश दिया है. अवैध खनन, भंडारण एवं परिवहन की रोकथाम को लेकर डीसी शशि रंजन के दिए गए निर्देश के तहत हरिहंगज चेकनाका के पास अंचलाधिकारी एवं प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी द्वारा वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था.

इसी दौरान वाहन संख्या जेएच 02 एटी-1843 एवं वाहन संख्या जेएच 03 क्यू-0562 पर पत्थर चिप्स ले जाते पाया गया. जिसके बाद प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी के द्वारा वाहन चालक से कागजात की मांग की गयी.

**चालक फरार**

- हाइवा मालिक और चालक पर प्राथमिकी दर्ज की गई
- हरिहंगज में चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था

चालक ने जो कागजात दिये उसे देखने के बाद शक हुआ. जिसके बाद हाइवा को चिप्स समेत जब्त कर थाने में लाया गया. सीओ ने जिला खनन पदाधिकारी को इसकी सूचना दी. डीएमओ ने जेम्स पोर्टल पर कागजात की जांच की तो ई-परिवहन चालान 25 दिन पूर्व का मिला. जबकि वाहन संख्या जेएच 03क्यू- 0562 द्वारा उपलब्ध कराया गया चालान पूर्ण रूप से फर्जी पाया गया. जिस पर डीएमओ ने अविलंब कार्रवाई करते हुए वाहन मालिक एवं चालक पर हरिहरगंज थाने में प्राथमिकी दर्ज करवायी.

**दोषियों पर होगी कठोर कार्रवाई :** डीसी : डीसी शशि रंजन ने कहा कि सरकारी दस्तावेज के साथ छेड़छाड़ कर फर्जी चालान बनाना काफी संवेदनशील मामला है. उन्होंने स्पष्ट कहा कि फर्जी चालान बनाने वालों की जांच की जा रही है. इस कार्य में संलिप्त व्यक्ति किसी भी कीमत पर बख्से नहीं जाएंगे.

### फाइलेरिया के मरीजों को डीसी ने दी ट्राइसाइकिल

**गढ़वा** । जिला में राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत लिम्फेडेमा (फाइलेरिया) से ग्रसित 10 मरीजों को चिन्हित कर उन्हें ट्राइसाइकिल दिया गया. फाइलेरिया से जो चलने-फिरने में असमर्थ हैं, उन्हें उपायुक्त शेखर जमुआर ने समाहरणालय परिसर में ट्राइसाइकिल दिया. ट्राईसाइकिल स्वास्थ्य विभाग एवं समाज कल्याण विभाग के संयुक्त प्रयास से उपलब्ध कराया गया है. गढ़वा जिले के विभिन्न प्रखंडों यथा- गढ़वा, मंझिआंव, डंडई और रंका के दुबराज चंद्रवंशी, जगन्नाथ साव, मेहरून बीबी, शैलेश प्रसाद गुप्ता, कृष्णा प्रसाद गुप्ता, विट्ठल राम, रामचंद्र साव, कुदुस खलीफा, शिवनाथ राम एवं सूरज राम को ट्राईसाइकिल दिये गये. मौके पर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी पूर्णिमा कुमारी मौजूद थे.

### आओ जानें सामान्य ज्ञान

- झारखंड में ईस्ट इंडिया कंपनी के विरुद्ध 1818 में किस समाज ने विद्रोह किया था – हो
- एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया के नए चेयरमैन – नवनीत मुनोत
- सिमुक किस वंश का संस्थापक था – सातवाहन
- किस राज्य में प्यारी बेटी योजना शुरू की गई है – महाराष्ट्र
- बारापानी झील किस प्रदेश में है – मेघालय
- पुष्यमित्र शुंग ने कितने अश्वमेध यज्ञ किए – 2
- किस कंपनी ने प्रोजेक्ट कुइपर को शुरू किया है – अमेजन
- पम्पदुम शोला राष्ट्रीय उद्यान कहां है – केरल
- ऋग्वैदिक काल में राजा का दूसरा नाम क्या था – गोपति
- हो जनजाति व्यवस्था में गांव का प्रधान कौन होता है – मुंडा

## ब्रीफ खबरें

### पूर्वी सिंहभूम को मिले तीन प्रशिक्षु डीएसपी

**जमशेदपुर** । पूर्वी सिंहभूम जिले में बीते दो सालों से डीएसपी यातायात की कुर्सी प्रभार पर चल रही है. वहीं डीएसपी मुख्यालय 2 का पद भी प्रभार पर चल रहा है. डीएसपी सिटी का पद भी खाली है. इन रिक्त पदों को जल्द ही भरा जाएगा. इसके लिए जिले को तीन नए प्रशिक्षु डीएसपी मिले है. इनमें जामताड़ा निवासी निवासी अकरम रजा, हजारीबाग निवासी रोहित कुमार साव और कोडरमा निवासी सन्नी वर्धन शामिल हैं. सभी ने योगदान दे दिया है. फिलहाल सभी प्रशिक्षण अवधि में हैं.

### लैब टेक्नीशियन से बदसलूकी का आरोप

**डुमरिया।** डुमरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के स्वास्थ्य कर्मियों ने बदसलूकी करने का गुरुवार को विरोध जताया. इस संबंध में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टर कल्याण महतो ने बताया कि कुमड़ाशोल पंचायत के एक झामुमो नेता द्वारा लैब टेक्नीशियन के साथ बदसलूकी की गई. इसके विरोध में सभी स्वास्थ्य कर्मी गुरुवार को 12 बजे तक स्वास्थ्य सेवाओं से दूर रहे. लैब टेक्नीशियन अशोक कुमार ने बताया कि बुधवार रात को झामुमो नेता मनोज मुर्मू द्वारा बदसलूकी की गई थी.

### नल योजना में प्राक्कलन के खिलाफ हो रहा काम

**चंदवा** । चंदवा प्रखंड क्षेत्र में चल रहे नल जल योजना में प्राक्कलन के खिलाफ काम करने का आरोप लगाया गया है. बीस सूत्री उपाध्यक्ष मनोज चौधरी ने नल जल योजना पर काम करवा रहे ठेकेदारों पर मनमानी करते हुए प्राक्कलन विरुद्ध कार्य करवाने का आरोप लगाया है. मनोज चौधरी ने कहा कि इस योजना में पुराने चापानल के बोरवेल में ही सोलर जलमीनार खड़ा किया जा रहा है. खोदी गयी फाउंडेशन में प्राक्कलन विरुद्ध काम करते हुए आठ एवं दस एमएम की छड़ का इस्तेमाल किया जा रहा है.

### सड़क किनारे पलटा शकरकंद लदा ट्रक

**चंदवा** । चंदवा-चांपी-लोहरदगा मार्ग पर डेढ़टंगवा घाटी में ब्रेक फेल होने के कारण बारह चक्का ट्रक सड़क किनारे पलट गया. दुर्घटना में चालक विनोद कुमार और उप चालक नीरज कुमार, दोनों फतेहपुर यूपी निवासी को मामूली चोट आई. वे दोनों बाल बाल बच गये. मिली जानकारी के अनुसार ट्रक भरनो गुमला से शकरकंद लोड कर बनारस, यूपी के लिए जा रहा था. इसी दौरान चंदवा क्षेत्र के डेढ़टंगवा घाटी में ट्रक का ब्रेक फेल हो गया. इसके कारण ट्रक असंतुलित होकर सड़क किनारे पलट गया.

बीएसएल के सेक्टर-4 के एटवाल कॉलोनी में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया

# 40 झोपड़ियों को किया गया ध्वस्त

संवाददाता । बोकारो

बीएसएल के नगर सेवा विभाग की ओर से सेक्टर-4 के एटवाल कॉलोनी में गुरुवार को अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया. इस दौरान बुलडोजर चलकर 40 झोपड़ियों को ध्वस्त कर दिया गया. बीएसएल की ओर से झोपड़ी में रहने वाले लोगों को सुबह के 11 बजे सामान निकालने के लिए समय दिया. इस बीच सभी लोगों ने घरों से सामान निकाला. उसके बाद एक-एक कर सभी झोपड़ियों को तोड़ना शुरू कर दिया गया.

करीब तीन घंटे तक झोपड़ियों को तोड़ने के बाद बीएसएल की टीम निकल गई. कार्रवाई को लेकर किसी भी तरह का विरोध न हो, इसे लेकर जिला पुलिस जवानों की तैनाती की गई थी. बताते चलें कि बीते 29 सितंबर को बीएसएल की अतिक्रमण हटाने वाली टीम पहुंची थी. टीम पर कॉलोनी में रहने वाले लोगों ने हमला कर दिया था. जिसमें बीएसएल के एक अधिकारी को चोट भी लगी थी. इसके बाद से ही इस कॉलोनी में रहने वाले लोगों को अपना आशियाना उजड़ने का डर सताने लगा था. वहीं बीएसएल की ओर से लगातार तीन दिनों तक एटवाल कॉलोनी में अतिक्रमण कर झोपड़ी बनाकर रहने वाले लोगों की झोपड़ियों को तोड़ने की कार्रवाई होगी.

**40 वर्षों से रह रहे लोग :** सेक्टर-4 थाना के बगल में बीएसएल कूलिंग पौंड से सटकर बीएसएल की खाली पड़ी जमीन पर बीते 40 वर्षों से बड़ी संख्या में लोग झोपड़ी बनाकर रह रहे हैं, जो शहर में दिहाड़ी मजदूरी कर अपनी जीविका चलाते हैं, लेकिन हाल के वर्षों में झोपड़ी बनाते हुए लोग सेक्टर-4 बीजीएच चौराहा तक पहुंच गए थे. जिसके बाद ही बीएसएल की ओर से 29 सितंबर को एक घर को तोड़ा गया था. उस दिन ही वहां पर पथराव की घटना हुई थी. जिसके बाद बीएसएल के अधिकारी ने लोगों पर मुकदमा दर्ज कराया था. जिसमें पुलिस ने दो लोगों को जेल भेजा था.

बुलडोजर चलाकर तोड़ी गई झोपड़ियां और घर से सामान निकालकर हटाते वहां के स्थानीय निवासी

**पर्व में हो गए हम बेघर**

झोपड़ी टूटने के बाद कई लोग अपने घरों के सामान को समेट रहे थे. इस दौरान पार्वती देवी ने बताया कि अभी दुर्गा पूजा शुरू होने वाला है. ऐसे में उनका आशियाना उजड़ गया. अब अचानक कहां जाएं समझ में नहीं आ रहा है. इस तरह कई परिवार इस कार्रवाई से सड़क पर आ गए हैं. जिसके आंसू पोंछने वाला कोई नज़र नहीं आया.

**चला अभियान**

- तीन घंटे तक झोपड़ियों को तोड़ने का अभियान चला
- दिहाड़ी मजदूरी कर जीविका चलाते हैं सभी लोग
- कार्रवाई के समय जिला पुलिस के जवान थे तैनात

## रघुनाथपुर ट्रेन हादसे का असर धनबाद होकर चलीं कई ट्रेनें

संवाददाता। धनबाद

बिहार के बक्सर में रघुनाथपुर स्टेशन के निकट बुधवार की रात आनंद विहार से कामाख्या जा रही नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस के दुर्घनाग्रस्त हो गई थी. इसके चलते मेनलाइन की कई ट्रेनें (अप एवं डाउन) बुधवार की रात से गुरुवार तक धनबाद होकर चलीं. आरा-बक्सर रूट की ट्रेनें आसनसोल-धनबाद-गया के रास्ते चलने से यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ी. ट्रेन नंबर 12506 आनंद विहार-कामाख्या एक्सप्रेस पंडित दीन दयाल उपाध्याय, गया, धनबाद, आसनसोल, अंडाल व मालदा टाउन होकर चली. जबकि ट्रेन नंबर 15945 लोकमान्य तिलक-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस पंडित दीन दयाल उपाध्याय, गया, धनबाद, आसनसोल, अंडाल व मालदा टाउन, ट्रेन नंबर 15946 डिब्रूगढ़-लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस मालदा टाउन, अंडाल, आसनसोल, धनबाद-गया, ट्रेन नंबर 12362 मुंबई-आसनसोल एक्सप्रेस पंडित दीन दयाल उपाध्याय, गया, धनबाद, ट्रेन नंबर 22450 नई दिल्ली-गुवाहाटी संपर्क क्रांति एक्सप्रेस पंडित दीन दयाल उपाध्याय, गया, धनबाद, आसनसोल, अंडाल व मालदा टाउन, ट्रेन नंबर 12304 नई दिल्ली-हावड़ा पूर्वा एक्सप्रेस पंडित दीन दयाल उपाध्याय, गया, धनबाद, आसनसोल, ट्रेन नंबर 12315 कोलकाता-उदयपुर सिटी अनन्या एक्सप्रेस आसनसोल, धनबाद, गया तथा ट्रेन नंबर 12325 कोलकाता-नांगल डैम गया होकर चली.

## यह अभियान लगातार अभी जारी रहेगा: सहायक आयुक्त

संवाददाता । आदित्यपुर

आदित्यपुर नगर निगम गम्हरिया के फुटपाथ पर अतिक्रमण कर बनाए गए दुकानों पर बुलडोजर चलाएगा. सड़कों का अतिक्रमण कर चुके सैकड़ों दुकानदारों को जगह खाली करने के लिए बुधवार की शाम ही गम्हरिया बाजार में अनाउंसमेंट कर चेतावनी दे दी गई थी. नगर निगम के सहायक आयुक्त शम्भू प्रसाद कुशवाहा ने बताया कि आदित्यपुर नगर निगम ने आदित्यपुर को अतिक्रमण मुक्त बनाने का निर्णय लिया है.

इसके लिए गुरुवार को अभियान चलाया जाएगा. उन्होंने बताया कि नगर निगम की निगरानी टीम द्वारा बुधवार को बोलाईडीह रोड गम्हरिया, गम्हरिया मार्केट, सर्विस रोड एवं लाल बिल्डिंग के आस पास के एरिया से अतिक्रमण हटाने की चेतावनी अनाउंसमेंट कर दे दी गई है. यह अभियान लगातार जारी रहेगा. निगम को आमजनों से लगातार सर्विस रोड एवं अन्य कई क्षेत्रों में अतिक्रमण करने की शिकायत मिल रही थी. अभियान की शुरुआत गुरुवार सुबह 10 बजे से होगी. इससे पूर्व अतिक्रमणकारी दुकानदार सर्विस रोड, बोलाईडीह रोड एवं लाल बिल्डिंग के आस-पास के क्षेत्र में सड़क पर किए गए अतिक्रमण को स्वेच्छा से हटा लें. उन्होंने बताया कि दुकानदार बांस द्वारा झोपड़ीनुमा मांस-मछली के दुकान का निर्माण कर लिए हैं.

## बेंगाबाद में अवैध आरा मिलों के खिलाफ की गई कार्रवाई

संवाददाता। बेंगाबाद

वन विभाग की टीम ने गुरुवार को खुरचुट्टा वन प्रक्षेत्र अंतर्गत बेंगाबाद के विभिन्न स्थानों पर छापेमारी अभियान चलाया. अभियान के तहत प्रखंड क्षेत्र के अलग-अलग स्थानों पर अवैध रूप से संचालित आरा मिलों को उखाड़ा गया. इस क्रम में बेंगाबाद थाना अंतर्गत दामोदरडीह, बिजली बथान और गादी में अवैध रूप से संचालित तीन आरा मिलों में छापेमारी की गई. इस दौरान भारी मात्रा में लाखों के मूल्य की लकड़ियां जब्त की गईं. हालांकि कार्रवाई की भनक लगते ही धंधेबाज फरार होने में कामयाब हो गए. वन विभाग की टीम द्वारा आरा मिलों को उखाड़ कर जब्त कर लिया गया है. साथ ही मिलों से लगभग 10 ट्रैक्टरों में लकड़ियों को जब्त कर बेंगाबाद स्थित रेंज कार्यालय लाया गया. छापेमारी का नेतृत्व डीएफओ प्रवेश अग्रवाल कर रहे थे. डीएफओ ने बताया कि तीनों आरा मिलों से लगभग 12 लाख रुपये मूल्य की लकड़ियां जब्त की गई हैं.

### वार्ड सदस्यों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

**घाटशिला** । पंचायती राज विभाग की ओर से प्रखंड सभागार एवं धरमबहाल पंचायत भवन में 12 पंचायत के वार्ड सदस्यों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आज गुरुवार को शुरू हुआ. प्रशिक्षण सत्र की शुरुआत परिचय एवं प्रशिक्षण से अपेक्षाओं पर चर्चा के साथ हुई. सत्र के पहले दिन 73वें संविधान के संशोधन की मुख्य बातें, वर्तमान में ग्राम पंचायतों में सदस्यों की भूमिका और चुनौती की स्थिति की समझ , इसके कारकों की पहचान, अनुसूचित क्षेत्र/ सामान्य क्षेत्र की ग्राम सभा एवं परिस्थिति विश्लेषण कर प्रतिभागियों की समझ की जानकारी दी गयी.भोजन के बाद के सत्र में पंचायत के जनप्रतिनिधियों में नेतृत्व के क्षमता निर्माण, ग्राम पंचायत की संरचना एवं उसकी समझ, ग्राम पंचायत की कार्यकारिणी, स्थायी समितियां एवं ग्राम पंचायत समन्वय समिति के गठन, कार्यकलाप एवं इन सभी में वार्ड सदस्यों की भूमिका पर विस्तृत रूप से दृश्य श्रव्य माध्यमों का प्रयोग करते हुए विस्तार से समझ विकसित की गयी.

## नहीं थम रही है कोयले की चोरी

संवाददाता। कथारा (बोकारो)

सीसीएल कथारा क्षेत्र अंतर्गत जारंगडीह रेलवे साइडिंग और जारंगडीह कांटा घर में बोकारो थर्मल थाना और सीसीएल सुरक्षा विभाग की टीम द्वारा लगातार छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है, लेकिन कोयला चोरी रुकने का नाम नहीं ले रहा है. बीते 15 दिनों में चार बार छापेमारी की गई, मगर कोयला चोरी नहीं रूक रही है. गुरुवार की सुबह छापेमारी की गई, जिसमें पांच टन कोयला जब्त किया गया. बता दें कि इसी प्रकार 10 अक्टूबर को भी सीसीएल कथारा क्षेत्रीय सुरक्षा विभाग के अधिकारी के नेतृत्व में जारंगडीह रेलवे साइडिंग में छापेमारी चलाई गई, जिसमें 2 टन कोयला जब्त किया गया और 5 साईकिल क्षतिग्रस्त किया गया.

9 अक्टूबर को सीसीएल कथारा क्षेत्र के कथारा महाप्रबंधक के निर्देश पर कथारा क्षेत्रीय सुरक्षा पदाधिकारी सुनील कुमार के नेतृत्व में जारंगडीह कांटा घर में छापेमारी किया गया,

जिस छापेमारी अभियान में बोकारो थर्मल पुलिस प्रशासन की भी सहायता ली गई. 20 टन कोयला बरामद किया गया और लगभग 10 साईकिल को क्षतिग्रस्त किया गया था. 23 सितंबर को जारंगडीह कांटा घर और जारंगडीह खुली खदान से हो रही कोयला चोरी के मामले सीसीएल कथारा क्षेत्र के जारंगडीह खुली खदान के खान प्रबंधक बालगोविंद नायक एक्शन में दिखे और उनके नेतृत्व में छापेमारी अभियान चलाया गया. जिस दौरान लगभग 35 टन कोयला बरामद किया गया. मौजूदा स्थिति यह है कि लगातार छापेमारी अभियान चलाने के बाबजूद जारंगडीह कांटा और जारंगडीह रेलवे साइडिंग से अवैध कोयला ढुलाई थमने का नाम नहीं ले रही है.

**मारा छापा**

- छापेमारी में पांच टन कोयला जब्त किया गया
- 10 अक्टूबर को भी जारंगडीह में छापा मारा गया था

### टिंकल भगत की जमानत याचिका पर सुनवाई पूरी

**रांची।** साहिबगंज जिले में अवैध खनन के जरिये करोड़ों की अवैध कमाई करने के आरोपी पत्थर खदान संचालक टिंकल भगत की जमानत याचिका पर ईडी कोर्ट में गुरुवार को सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान ईडी और प्रार्थी की ओर से बहस पूरी कर ली गई. अदालत अब फैसला सुनाएगी. ईडी की ओर से विशेष लोक अभियोजक आतिश कुमार ने बहस की. वहीं टिंकल भगत की ओर से अधिवक्ता अनिल कुमार और सुधीर कुमार ने बहस की. टिंकल भगत सीएम के विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा का सहयोगी है. अवैध खनन मामले में 29 जुलाई 2022 को टिंकल भगत समेत छह लोगों की खदान की जांच भी की गयी थी. जिसके बाद ईडी ने तीन अगस्त 2022 को टिंकल भगत समेत अन्य लोगों से ईडी ऑफिस में पूछताछ की थी. 7 जुलाई 2023 को ईडी ने टिंकल भगत को गिरफ्तार किया था.

**तबादला** जिन न्यायिक सेवा के पदाधिकारियों को प्रमोशन मिला है उनका पदस्थापन कर दिया गया है

# रांची सिविल कोर्ट के 27 जिला जज रैंक के अधिकारियों की हुई ट्रांसफर पोस्टिंग

विनीत आभा उपाध्याय। रांची

झारखंड के जिन 27 न्यायिक सेवा के पदाधिकारियों को प्रमोशन मिला है, उनका पदस्थापन कर दिया गया है. राज्य सरकार ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है. जिन न्यायिक सेवा के पदाधिकारियों की प्रोन्नति के बाद ट्रांसफर-पोस्टिंग की गयी है, उसमें सत्यपाल, धर्मेंद्र सिंह, कुमार कांति प्रसाद,संजीव कुमार वर्मा, प्रफुल्ल कुमार, कुसुम कुमारी, निरुपम कुमार, शैलेंद्र कुमार, सूरज प्रकाश ठाकुर, शंकर कुमार महाराज, मिथिलेश कुमार सिंह, अशोक कुमार (3), शेखर कुमार, संजय कुमार (3), फहीम किरमानी, आनंद मणि त्रिपाठी, मनोज कुमार शर्मा, सूर्य मणि त्रिपाठी, कुमारी वैशाली श्रीवास्तव, लक्ष्मीकान्त, संतोष आनंद प्रसाद, कुलदीप, ऋचा श्रीवास्तव, सुनील दत्त द्विवेदी, निशांत कुमार, पुरुषोत्तम कुमार गोस्वामी, मंजु कुमारी और नीरज कुमार का नाम शामिल है.

**जानें किनकी कहां हुई पोस्टिंग**

1. सत्यपाल – जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश –चतरा
2. धर्मेंद्र कुमार – जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश – दुमका
3. कुमार कांति प्रसाद – जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश – सरायकेला खरसांवा
4. संजीव कुमार वर्मा – जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश– गिरिदीह
5. प्रफुल कुमार – जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश – धनबाद
6. कुसुम कुमारी – जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश – रामगढ़
7. निरुपम कुमार – जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश – गोड्डा
8. शैलेंद्र कुमार – जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश – रांची
9. सूरज प्रकाश ठाकुर – जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश – चतरा
10. शंकर कुमार महाराज – जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश— डाल्टनगंज
11. मिथिलेश कुमार सिंह – जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश – रांची
12. अशोक कुमार(3) – जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश – देवघर
13. शेखर कुमार – जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश – साहेबगंज
14. संजय कुमार सिंह(3) – जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश – धनबाद
15. आनंद मणि त्रिपाठी – जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश – जमशेदपुर
16. मनोज कुमार शर्मा – जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश – गुमला
17. सूर्य मणि त्रिपाठी – जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश – तेनुघाट
18. वैशाली श्रीवास्तव – जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश – कोडरमा
19. लक्ष्मीकांत– जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश – गिरीडीह
20. संतोष आनंद प्रसाद – जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश – गढ़वा
21. कुलदीप–जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश – धनबाद
22. ऋचा श्रीवास्तव – जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश – गोड्डा
23. सुनील दत्त द्विवेदी – जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश – रांची
24. निशांत कुमार – जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश – जमशेदपुर
25. पुरुषोत्तम कुमार गोस्वामी – जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश – हजारीबाग़
26. मंजू कुमारी – जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश – सरायकेला खरसांवा

## झारखंड विस नियुक्ति घोटाला अगली सुनवाई 9 नवंबर को

संवाददाता। रांची

झारखंड विधानसभा में हुई अवैध नियुक्ति की जांच की मांग को लेकर दायर जनहित याचिका पर आज गुरुवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. इस दौरान विधानसभा की ओर से उपस्थित अधिवक्ता अनिल कुमार ने कोर्ट को बताया कि जस्टिस विक्रमादित्य कमिटी की रिपोर्ट मांगने के लिए एस जे मुखोपाध्याय कमिटी को पत्र लिखा गया है. कमिटी की रिपोर्ट मिलने के बाद उसे अदालत के समक्ष पेश किया जायेगा. इसके बाद झारखंड हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा और जस्टिस आनंद सेन की खंडपीठ ने इस मामले की अगली सुनवाई के लिए 9 नवंबर की तारीख निर्धारित कर दी. बता दें कि झारखंड विधानसभा में अवैध नियुक्ति की जांच की मांग को लेकर शिव शंकर शर्मा ने हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की है. इस याचिका में कहा गया है कि वर्ष 2005 से 2007 के बीच में विधानसभा में हुई नियुक्तियों में गड़बड़ी हुई है. मामले की जांच के लिए पहले जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद आयोग का गठन किया गया. आयोग ने जांच कर वर्ष 2018 में राज्यपाल को रिपोर्ट भी सौंपी थी.

**हुई सुनवाई**

- शिवशंकर शर्मा ने मनहित याचिका दायर की है
- वर्ष 2005 से 07 के बीच नियुक्ति में गड़बड़ी हुई थी

## ब्रीफ खबरें

### हेरोइन के साथ दो युवक गिरफ्तार

**गोड्डा।** नगर थाना पुलिस ने प्रतिबंधित मादक पदार्थ हेरोइन के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया है. मामला नगर थाना क्षेत्र के कनभरा पुल के पास की है. पुलिस को मिली गुप्त सूचना पर कलाली रोड स्थित कनभारा ग्राम को जाने वाली पुल के पास छापेमारी की गई. जिसमें पुल के नीचे बैठे दो युवकों के गिरफ्तार किया गया. तलाशी के क्रम में इनके पास से 19 ग्राम प्रतिबंधित मादक पदार्थ हेरोइन बरामद किया गया. गिरफ्तार युवकों की पहचान विक्रम व सूरज के रूप में की गई है.

### ट्रक ने कई वाहनों को मारी टक्कर, 2 घायल

**जमशेदपुर।** बागबेड़ा थाना अंतर्गत स्टेशन रोड स्थित संकटा सिंह पेट्रोल पंप के समीप गुरुवार की सुबह एक अनियंत्रित एलपीटी ट्रक ने कई वाहनों में टक्कर मार दी. इस दुर्घटना में एक महिला समेत दो लोग जख्मी हो गए हैं. घायलों का इलाज सदर अस्पताल में कराया गया. बताया जा रहा है कि बर्मामाइंस की ओर से तेज रफ्तार में आ रहे ट्रक ने ब्रेक फेल हो जाने के कारण एक पैसेंजर ऑटो, दो बाइक और एक पिकअप वैन को टक्कर मार दी. इस दुर्घटना में ऑटो चालक का हाथ टूट गया.

### रेलवे अस्पताल के पास पेड़ से टकराया ट्रक

**जमशेदपुर।** जमशेदपुर के परसुडीह थाना अंतर्गत रेलवे अस्पताल के पास बुधवार देर रात एक अनियंत्रित ट्रक पेड़ से जा टकराई. इस घटना में ट्रक के बाईं ओर का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है. हालांकि टक्कर उतनी जोरदार नहीं थी जिस कारण किसी को ज्यादा चोट नहीं आई. इधर, सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रक को मौके से हटवाया. मिली जानकारी के अनुसार ट्रक करनडीह से टाटा नगर स्टेशन की ओर जा रही थी. इसी दौरान चालक को झपकी आ गई.

### गैस कटर से लोहा काट रहे थे चोर, भागा

**मैथन।** ईसीएल मुगमा एरिया की कुमारधुबी कोलियरी में गुरुवार को चोरों ने गैस सिलेंडर व काटे गए लोहा को छोड़कर भाग गया. चिरकुंडा थाना प्रभारी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि गुरुवार सुबह करीब पांच बजे सूचना मिली कि रेलवे फाटक के पास कुमारधुबी कोलियरी के बंद पड़े पंप हाउस में कुछ लोग गैस कटर से लोहा काट रहे हैं. सूचना मिलते ही पुलिस गश्ती दल को भेजा गया. पुलिस के पहुंचते ही लोहा चोर भाग खड़े हुए. मौके पर से काटे गए लोहे का टुकड़ा बरामद हुआ है.

### दुकान में चोरी कर भाग रहे दो युवकों को पकड़ा

**देवघर।** दुकान का ताला तोड़कर कैश और सामान की चोरी कर भाग रहे दो युवकों को लोगों ने दबोच लिया. इसके बाद उन्हें पुलिस को सौंप दिया गया. जसीडीह थाना क्षेत्र के दर्दमारा गांव का मामला है. यहां चार दुकानों में बुधवार रात चोरी हो गई. इतने में दुकान मालिक कंटू दास उठ गए. बाहर निकले तो देखा चार युवक चोरी कर भाग रहे थे. कंटू ने शोर मचाकर लोगों को जुटाया. इसके बाद लोग पहुंचे और खदेड़कर दो युवकों को पकड़ लिया और पुलिस को सौंप दिया.

### अजय नदी में युवती का शव मिला, सनसनी

**देवघर।** अजय नदी से युवती का शव बरामद हुआ है. स्थानीय लोग हत्या के बाद के फेंके जाने की आशंका जता रहे हैं. चितरा थाना क्षेत्र के गबड़ा पुल के पास से युवती का शव मिला है. शव को देखने से ऐसा प्रतित हो हो रहा है कि युवती की हत्या कर शव को यहां लाकर फेंका गया है. अजय नदी में युवती का शव मिलने की सूचना पाते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुटी हुई है. फिलहाल युवती की पहचान नहीं हो सकी है.

### विवाहिता ने फंदे से लटका मिला शव

**बोकारो।** चंदनकियारी के अमलाबाद ओपी इलाके के मोहाल गांव स्थित धीवर टोला में रहने वाले उमाशंकर धीवर की पत्नी पायल देवी(20) का कमरे में दुपट्टे से लटका हुआ शव मिला. घटना 12 अक्टूबर के दोपहर करीब 2 बजे की है. ओपी पुलिस को मृतक के परिजनों ने जानकारी दी. इसके बाद पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव को बाहर निकाला. उसके बाद शव को सुरक्षित रखते हुए मृतका का मायके वालों को जानकारी दे दी है. घटना कब वक्त घर में कोई नही था.

# कोल्हान जंगल में नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन शुरू

शैलेश सिंह । किरीबुरु

पश्चिम सिंहभूम के कोल्हान रिजर्व वन क्षेत्र के जंगलों में वर्षों से अपना मजबूत साम्राज्य स्थापित किये भाकपा माओवादी नक्सलियों का पैर उखाड़ने के लिए पुलिस व अर्द्धसैनिक बलों ने बडे.स्तर पर ऑपरेशन प्रारंभ किया. सूत्रों की मानें तो यह ऑपरेशन 11 अक्टूबर से प्रारंभ किया गया है. भारी तादाद में पुलिस बल को विभिन्न थाना क्षेत्र के जंगल रास्ते कोल्हान जंगल में शरण लिये नक्सलियों के गढ़ में भेजा जा रहा है. बताया जा रहा है कि यह नक्सलियों के खिलाफ अब तक का सबसे बडा. ऑपरेशन है. हालांकि कोल्हान वन क्षेत्र में पुलिस व अर्द्धसैनिक बल धीरे-धीरे दर्जनों पुलिस कैंप नक्सलियों के खात्मे के लिए स्थापित कर निरंतर अभियान चलाते आ रहे थे. इस ऑपरेशन के दौरान ग्रामीणों को नुकसान उठाना पड़ा है.

उल्लेखनीय है कि बीते 27 सितंबर को नक्सलियों ने पुलिस को चुनौती देते हुए कोल्हान जंगल में सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक बडे. पैमाने पर अपना 19वां स्थापना दिवस कार्यक्रम आयोजित किया था. कार्यक्रम की तस्वीरें व वीडियो भी नक्सलियों ने मीडिया को जारी किया था. जिसमें भारी संख्या में महिला नक्सली भी हथियार लिये सांस्कृतिक व क्रांतिकारी गीत गाते, नाचते नजर आये थे. सूत्रों के अनुसार यह कार्यक्रम गोईलकेरा थाना क्षेत्र के कोल्हान जंगल अन्तर्गत गम्हरिया पंचायत के कारा-खजुरिया गांव क्षेत्र के घने जंगलों में आयोजित किया था. यह जंगल नक्सलियों के लिये अब भी सुरक्षित माना जा रहा है, क्योंकि इस क्षेत्र में पुलिस व सीआरपीएफ का कोई कैंप नहीं है. पुलिस इस सुरक्षित जोन पर भी कब्जा जमाकर कोल्हान जंगल को नक्सल मुक्त करने की तैयारी में लगी है. हालांकि इसमें न सिर्फ लंबा समय लगेगा, बल्कि नक्सली-पुलिस के बीच भीषण मुठभेड़ भी देखने को मिलेगी.

### खास बातें

- सूत्रों के अनुसार ऑपरेशन 11 अक्टूबर से शुरू हुआ है
- पुलिस बल को जंगल में छिपे नक्सलियों के गढ़ में भेजा गया

### आओ जानें

**2023 में अभी तक कितनी हुई हत्याएं**

| | | | |
|---|---|---|---|
| गुमला | 55 | पलामू | 90 |
| लोहरदगा | 16 | रांची | 102 |
| चतरा | 61 | साहिबगंज | 36 |
| गढ़वा | 83 | दुमका | 32 |
| कोडरमा | 39 | चाईबासा | 78 |
| खूंटी | 35 | बोकारो | 52 |
| रामगढ़ | 29 | लातेहार | 37 |
| पाकुड़ | 20 | जामताड़ा | 12 |
| धनबाद | 77 | सरायकेला | 34 |
| गिरिडीह | 90 | सिमडेगा | 32 |
| हजारीबाग | 79 | देवघर | 66 |
| जमशेदपुर | 53 | गोड्डा | 35 |

## बुधवार शाम से ही 8 वर्षीय बच्चा हुआ था गायब

# पलामू में बच्चे का शव कुएं में मिला, आरोपी को जमकर पीटा

संवाददाता । पलामू

जिले के हरिहरगंज थाना क्षेत्र के पिपरा घाघरा गांव में 12 घंटे से लापता आठ वर्षीय बच्चे का शव गांव के एक कुएं में मिला. उसकी पहचान लंगुराही गांव निवासी संदीप कुमार के रूप में हुई. आक्रोशित ग्रामीणों ने गांव के ही एक युवक पर हत्या का आरोप लगाकर उसकी जमकर पिटायी कर दी. युवक को गंभीर स्थिति में एमएमसीएच मेदिनीनगर रेफर कर दिया गया. बताया जाता है कि बुधवार की शाम पड़ोस में ही रहने वाला पिपरा घाघरा गांव निवासी 22 वर्षीय संदीप भुइयां संदीप कुमार को बहला-फुसलाकर साथ ले गया था. देर शाम तक घर नहीं लौटने के बाद स्वजनों ने उसकी खोजबीन शुरू की. इसी बीच आसपास के लोगों ने कुएं में कुछ गिरने की आवाज सुनाई देने की बात कही. ग्रामीणों ने पंप के सहारे रात में ही कुएं का पानी निकाला. घंटों मशक्कत के बाद गुरुवार सुबह शव निकाला गया.

शव देखने के बाद ग्रामीण आक्रोशित हो गए और बच्चे को साथ ले गये युवक की जमकर पिटाई कर दी. सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक की जान बचाई तथा शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए हुसैनाबाद भेज दिया. पुलिस ने आरोपित को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद एमएमसीएच मेदिनीनगर रेफर कर दिया.

## लोगों ने शव के साथ मेकॉन गेट किया जाम

**रांची।** मेकॉन कॉलोनी के सुरक्षागार्ड द्वारा मारपीट की घटना के बाद रामनाथ महतो की मौत हो गई थी. इस घटना के बाद गुरुवार को स्थानीय लोगों ने रामनाथ महतो के शव के साथ मेकॉन गेट को जाम कर दिया. इसके बाद से आवागमन पूरी तरह से ठप हो गया है.

रामनाथ के शव को मेकॉन गेट के समक्ष रखकर नारेबाजी की जा रही है. इधर, सूचना मिलने के बाद डोरंडा पुलिस मौके पर पहुंची. लोगों को समझा-बुझाकर सड़क जाम हटाया. बता दें कि मेकॉन खटाल बस्ती में रहने वाले रामनाथ टुकटुक का ड्राइवर था. सोमवार को टुकटुक चलाने के क्रम में मेकॉन कॉलोनी में उनकी टुकटुक एक कार से टकरा गई. कार की महिला चालक से टुकटुक चालक ने माफी मांगी, महिला ने उसे गरीब आदमी समझ छोड़ दिया. इस घटना के कुछ घंटे बाद मेकॉन के गार्डों ने रामनाथ का टुकटुक को अपने साथ लेकर आ गए. रामनाथ ने अपनी गाड़ी की मांग की तो गार्ड ने उसे मना कर दिया और कहा कि 50 हजार दो वरना तुम्हारी गाड़ी तुम्हें नहीं मिलेगी. इस बात को सुन रामनाथ अपने घर चले गए. वापस फिर गाड़ी मांगने के लिए गार्ड के पास पहुंचे और अपनी गाड़ी मांगने लगे. जिसके बाद रामनाथ को गार्डों के द्वारा रूम में बंद कर पिटाई की गई. जिसके बाद उसे गुरुनानक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान रामनाथ की बुधवार को मौत हो गई.

### आपत्तिजनक फोटो सोशल मीडिया पर वायरल करने वाला आरोपी धराया

**साहिबगंज।** पुलिस ने यौन शोषण और आपत्तिजनक तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल करने के आरोपित को गिरफ्तार कर गुरुवार को जेल भेज दिया. मामला राजमहल थाना क्षेत्र के एक गांव का है. गत आठ सितंबर को राजमहल थाना क्षेत्र निवासी पीड़िता ने यौन शोषण व आपत्तिजनक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल करने की शिकायत दर्ज कराते हुए थाना क्षेत्र के मकुसद टोला निवासी सुफी शेख को नामजद आरोपित बनाया था. फोटो वायरल होने से आहत पीड़ित महिला 21 सितंबर को राजमहल घाट गंगा नदी में कूद गयी थी. हालांकि, स्थानीय लोगों ने नाविकों की मदद से पीड़ित को बचा लिया था. बताया जाता है कि पीड़ित महिला के पति की मौत 2015 में हो गयी थी. वह तीन बच्चों के साथ ससुराल में रह रही थी. इसी दौरान सूफी शेख ने उसे प्रेमजाल में फंसाकर उसका यौन शोषण किया.

## धनसार में व्यवसायी से मारपीट व छिनतई का प्रयास, शिकायत

संवाददाता । धनबाद

धनसार थाना क्षेत्र के अनुग्रह नगर में रहने वाले व्यवसायी सुशील पोद्दार के साथ गुरुवार को सुबह बदमाशों ने मारपीट व छिनतई का प्रयास किया. इस संबंध में सुशील पोद्दार ने धनसार थाने में लिखित शिकायत की है. थाने में दिए आवेदन में उन्होंने कहा है कि सुबह करीब 3.40 बजे वह अपने आवास पर थे. तभी किसी ने दरवाजा खटखटाया. थोड़ी देर बाद वह अपनी दुकान जाने के लिए निकले, तो घर के मुख्य दरवाजे के बाहर मनीष सिंह व दो अन्य युवक खड़े मिले. उनलोगों ने दुर्गा पूजा का चंदा के नाम पर रंगदारी की मांग की. मना करने पर तीनों युवकों ने पहले थप्पड़ व जूते से उनकी पिटाई की. फिर, वहां रखे बांस से भी हमला किया. वह किसी तरह घर में भागे और अंदर से दरवाजा बंद कर दिया. इसके बाद उनलोगों मारवाड़ी समाज के नाम पर भद्दी गालियां दी. पूरी घटना घर के बाहर लगे सीसीटी कैमरे में कैद हो गई है.

## सख्त कार्रवाई : विचाराधीन कैदी को फोन पर करायी थी बात

# एसपी ने किया पुलिसकर्मी को निलंबित

संवाददाता । बोकारो

जिले के तेनुघाट कारा में बंद विचाराधीन कैदी का मोबाइल फोन में बात करने के वायरल वीडियो मामले में बोकारो एसपी प्रियदर्शी आलोक ने कैदी को लाने वाले सिपाही को निलंबित कर दिया है. आरोपित पुलिसकर्मी पर विभागीय कार्रवाई भी होगी. विचाराधीन कैदी का फोन पर बात करते हुए वीडियो वायरल हुआ था.

वायरल विडियो की सूचना मिलने पर बोकारो एसपी प्रियदर्शी आलोक ने जांच कर 24 घंटे के अंदर रिपोर्ट की मांगी थी. रिपोर्ट मिलने के बाद आरोपी पुलिसकर्मी को निलंबित कर दिया गया है. बोकारो के सेक्टर चार में ठेला लगाने वाले से पुलिस द्वारा दारु मांगने, मुर्गा बनवाने, पैसा मांगने पर पिटाई का वीडियो वायरल हो गया. इस वीडियो में पुलिसकर्मी शराब पीते दिख रहे हैं. उनके साथ दो अन्य लोग और है. वीडियो वायरल होने के बाद बोकारो एसपी पूरे मामले की जांच के आदेश डीएसपी को दिए हैं. जांच में दोषी पाये जाने वाले पुलिसकर्मी पर भी कार्रवाई की जाएगी.

### 62.12 लाख से जेल की सुरक्षा होगी मजबूत

**रांची।** मंडल कारा लातेहार की सुरक्षा व्यवस्था 62.12 लाख की लागत से मजबूत की जायेगी. गृह विभाग ने राशि स्वीकृत कर दी है. इस राशि से जेल में पांच वॉच टॉवर, बाउंड्री मरम्मत और बाउंड्री का निर्माण कराया जायेगा. वर्तमान मे लातेहार जेल में कई बड़े अपराधी और नक्सली बंद है. ऐसे में जेल की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना अति आवश्यक है. गृह विभाग ने जारी आदेश में कहा है कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जिम्मेवारी संयुक्त रूप से संबंधित काराधीक्षक और एजेंसी की होगी. संबंधित एजेंसी उच्च गुणवत्ता युक्त मानक स्तर का कार्य सुनिश्चित करायेंगे. यह उनकी व्यक्तिगत जवाबदेही होगी. कार्य की गुणवत्ता में कमी पाये जाने पर अथवा कार्य मानक स्तर का नहीं पाये जाने पर संबंधित एजेंसी सीधे तौर पर इसके लिए उत्तरदायी होंगे. ऐसी स्थिति में उनके खिलाफ विधि सम्मत कार्रवाई की जायेगी.

## साइबर ठगी के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

संवाददाता । जमशेदपुर

जमशेदपुर के सिदगोड़ा पुलिस ने साइबर ठगी के आरोपी को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपी का नाम नवजीत बारी है वह बिरसानगर के जोन नंबर 8 का रहने वाला है. इस मामले में भुईयांडीह ग्वाला बस्ती निवासी सागर कुमार के बयान पर सिदगोड़ा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी. सागर ने पुलिस को बताया था कि वह बारीडीह बजरंग चौक पर साइबर कैफे का संचालन करता है. बीते कुछ दिनों से नवजीत उसकी दुकान पर आता और किसी अन्य के अकाउंट से पैसे ट्रांसफर करवाकर नकद ले जाता था. पहली बार उसने 20 हजार, दूसरी बार 15 हजार और तीसरी बार 20 हजार रुपये लिए. कुछ दिनों पूर्व बैंक द्वारा उसके बैंक खाते को फ्रीज कर दिया गया. बैंक से जानकारी मिली कि खाते में साइबर ठगी का पैसा आ रहा है. बुधवार को भी नवनीत 40 हजार लेने आया था जिसके बाद उसे पकड़ लिया.

**कोलकाता से मंगाता था रुपये :** इधर, नवनीत ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि कोलकाता से सौरभ सिंह नामक युवक खाते में रुपये भेजता था. इन रुपये को वह नकद करवाकर शुभोदीप नाम के युवक के खाते में भेज देता था. इसके लिए उसे 10 प्रतिशत कमीशन भी मिलता था. इधर, पुलिस शुभोदीप और सौरभ की तलाश में जुट गई है.

### खास बातें

- गिरफ्तार आरोपी का नाम नवजीत बारी है
- आरोपी बिरसानगर के जोन नंबर 8 आ रहनेवाला है

### लोहरदगा में भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद चार आरोपी गिरफ्तार

**लोहरदगा ।** पुलिस ने भारी मात्रा में अवैध विस्फोटक बरामद किया है. इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है. एसपी हरिश बिन जमां को गुप्त सूचना मिली थी कि सदर थाना क्षेत्र के रामपुर गांव में अवैध रूप से विस्फोटक रखे गए हैं. इसके बाद एसपी ने लोहरदगा पुलिस की एक टीम गठित कर छापेमारी का निर्देश दिया.

सदर थाना प्रभारी पुलिस निरीक्षक अनिल उरांव के नेतृत्व में सदर थाना क्षेत्र के रामपुर गांव में पुलिस की टीम ने छापेमारी की. इसके बाद गांव के इम्तियाज अंसारी, शमशाद अंसारी, सफीउल्लाह अंसारी और आरिफ अंसारी के घर से 1079 पीस डेटोनेटर, 2294 पीस सेफ्टी फ्यूज, 16.5 किलो अमोनियम नाइट्रेट, विस्फोटक में इस्तेमाल किए जाने वाला 224 पेस पावर जेल सहित अन्य सामान बरामद किए गए हैं.

## छापेमारी में तीन हाइवा और 16 हजार सीएफटी बालू जब्त

संवाददाता । चाकुलिया

अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण को लेकर बुधवार रात श्यामसुंदरपुर थाना क्षेत्र में चाकुलिया सीओ उपेंद्र कुमार के नेतृत्व में छापेमारी अभियान चलाया गया. इस दौरान एनएच 18 पर अवैध बालू लदे तीन हाइवा जब्त किया गया. वहीं, बड़ागड़ियास के पास से भी अवैध रूप से भंडारण किये गये 16000 सीएफटी बालू को जब्त किया गया है. थाना प्रभारी दिलीप कुमार बिलुम ने बताया कि बालू के चालान को जिला खनन पदाधिकारी के पास जांच के लिए भेजा गया है. बालू का अवैध भंडारण किसने किया है, इसका पता अभी नहीं चल पाया है. श्यामसुंदरपुर थाना की पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है. बता दें कि श्यामसुंदरपुर थाना क्षेत्र के चंदनपुर स्थित स्वर्णरेखा नदी घाट पर बड़े पैमाने पर पर अवैध रूप से बालू का खनन होता है. बालू को ट्रैक्टरों से लाकर भंडारण किया जाता है और फिर हाईवे से अन्यत्र भेजा जाता है.

### जिले के 803 लोगों को भेजा गया धारा 107 के तहत नोटिस

**जमशेदपुर ।** जमशेदपुर में जिस तेजी से त्योहारों के मौसम की गर्मी तेज हो रही है, उससे भी कहीं अधिक तेजी से आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों पर नकेल कसा जाने लगा है. जिले भर में अब तक 803 लोगों पर धारा 107 तहत कार्रवाई की जा रही है. धारा 107 के तहत नोटिस वैसे लोगों को भेजी जाती है जो आपराधिक प्रवृति के लोग होते हैं.

ऐसे लोगों की पहचान कर पुलिस धारा 107 व अन्य धाराओं के तहत नोटिस भेजती है. ऐसे लोगों से पुलिस एक बॉन्ड भी भरवाती है ताकि पूजा के दौरान किसी तरह का उपद्रव ना किया जाए. इसमें सबसे ज्यादा मुसाबनी से कुल 144 लोगों नोटिस भेजा जा चुका है वहीं बागबेड़ा, परसुडीह, मानगो, आजादनगर, पटमदा, बोड़ाम, कमलपुर, श्यामसुंदरपुर, मउभंडार, डुमरिया, पोटका और बरागोड़ा से एक भी नोटिस नहीं भेजा गया है.

## नक्सली सक्रिय | निर्माण में लगे वाहनों में आगजनी कर पहुंचा रहे हैं नुकसान, पुलिस ने बढ़ाई दबिश

# लेवी के लिए कुछ भी कर सकते हैं नक्सली संगठन

सौरभ सिंह । रांची

झारखंड में पुलिस की दबिश के बावजूद नक्सली और उग्रवादी संगठन लेवी दिए बगैर विकास कार्य रोक रहे हैं. ऐसा लगता है कि उनका लेवी दिये बगैर विकास का कार्य संभव ही नहीं हैं. क्योंकि नक्सली संगठन लेवी के लिए कुछ भी कर सकते हैं. हाल के महीनों में झारखंड में सक्रिय अलग-अलग नक्सली संगठन द्वारा लेवी के लिए वाहनों में आगजनी कर रहे है. हालांकि झारखंड पुलिस नक्सलियों के खिलाफ लगातार अभियान चला रही है. नक्सल विरोधी अभियानों की वजह से नक्सली संगठन बैकफुट पर आ गये हैं. वर्तमान में नक्सली संगठन अपने अस्तित्व के संकट से जूझ रहे हैं. इसके बाद भी लेवी के लिए नक्सली संगठनों द्वारा वाहनों में आगजनी की घटना को अंजाम दिया जा रहा है.

### लेवी के लिए निर्माण कार्य में लगे वाहनों में कर रहे आगजनी

**12 अक्टूबर 2023 :** हजारीबाग जिले के कटकमसांडी थाना क्षेत्र के शाहपुर हेसा कुंदर गांव के पास माओवादियों ने चार वाहनों को फूंक दिया. इसमें एक पेलोडर, दो हाइवा और एक पिकअप वाहन शामिल हैं.

**25 सितंबर 2023 :** रांची के मैक्लुस्कीगंज में केइसी कंपनी की रेलवे साइट पर नक्सलियों ने एक पोकलेन, एक हाइवा, डीजी सेट मशीन सहित एक कार में आग लगा दी.

**07 अप्रैल 2023 :** बोकारो, रामगढ़ और लोहरदगा में नक्सलियों ने 12 वाहनों को आग के हवाले कर दिया.

**21 मार्च 2023 :** पलामू जिले में टीपीसी उग्रवादियों ने जमकर तांडव मचाया. उग्रवादियों ने पलामू के नवाबाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत कंडा घाटी में कई वाहनों में आग लगा दी, जिनमें तीन वाहन जलकर खाक हो गये.

**14 फरवरी 2023 :** पूर्व मध्य रेल के मोहम्मदगंज-सतबहिनी स्टेशन के बीच भीम चूल्हा टनल निर्माण स्थल पर नक्सलियों ने उत्पात मचाया. नक्सलियों ने निर्माण स्थल पर फायरिंग की और वहां मौजूद कर्मियों के साथ गाली-गलौज की. वहीं एक बोलेरो को आग के हवाले कर दिया.

**13 जनवरी 2023 :** चाईबासा के नक्सल प्रभावित इलाके में सड़क निर्माण कार्य में लगी पांच गाड़ियों को नक्सलियों ने फूंक डाले.

**15 जनवरी 2023 :** लातेहार जिला के चंदवा में थर्ड रेल लाइन निर्माण में लगी कंपनी की साइट पर जेपीसी उग्रवादियों का उत्पात मचाया. उग्रवादियों द्वारा साइट पर खड़े कैंपर वाहन को भी क्षतिग्रस्त किया गया.

**19 जनवरी 2023 :** सिमडेगा जिले के ओड़गा रेलवे स्टेशन के पास पीएलएफआई उग्रवादियों ने रेलवे दोहरीकरण का कार्य कर रही ठेका कंपनी के दो वाहनों को जलाकर राख कर दिया.

## गिरिडीह में सड़क पार करते युवक को टैंकर ने रौंदा, मौत

संवाददाता । गिरिडीह

डुमरी थाना अंतर्गत आईबीपी मोड़ के पास बुधवार देर रात सड़क पार करते युवक को टैंकर ने कुचल दिया. युवक की मौके पर ही मौत हो गयी. गेंदो सिंह (21 वर्षीय) विष्णुगढ़ थाना अंतर्गत बड़ीखरना गांव का रहने वाला है. लेकिन पिता दुलार सिंह की मौत के बाद वह डुमरी में अपनी बहन के घर पर रहता था. गेंदो सिंह वहां मजदूरी का काम करता था. सूचना पर पहुंची डुमरी पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया. समाचार लिखे जाने तक मृतक के शव के पोस्टमार्टम की तैयारी की जा रही थी. बताया जाता है कि बुधवार देर रात गेंदो काम करके बहन के घर डुमरियाटांड़ लौट रहा था. मीना हॉस्पिटल के सामने जब वह सड़क पार कर रहा था, उसी समय रांची की ओर से आ रही टैंकर ने उसे बीच सड़क पर कुचल दिया.

# बाल विवाह से आजादी अभियान को धर्म गुरुओं का भी समर्थन

संवाददाता। कोडरमा

## खास बातें

- कोडरमा में आयोजित हुआ धर्मगुरुओं का सम्मेलन
- बाल विवाह के खिलाफ लिया गया एकजुट होने का निर्णय

बाल विवाह से आज़ादी अभियान को विभिन्न धर्म गुरुओं ने भी अपना समर्थन दिया और बाल विवाह प्रथा को समाप्त करने के लिए समाज से आगे आने की अपील की. उक्त निर्णय होली फैमिली सभागार में आयोजित मीटिंग में सर्व सम्मति से लिया गया. बाल विवाह से आजादी के लिए आयोजित इस सम्मेलन में हिन्दू, मुस्लिम, सिख एवं ईसाई धर्म के प्रतिष्ठित धर्म गुरु शामिल हुए एवं बाल विवाह मुक्त भारत अभियान में तेजी लाने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव भी दिया. मीटिंग को सम्बोधित करते हुए मौलाना मोजाहिद अंसारी ने कहा कि "तालीम (शिक्षा) एवं जागरूकता से ही हम लोग बाल विवाह और बाल श्रम जैसी बुराइयों को समाप्त कर सकते हैं. इसके लिए गांव के स्तर पर छोटे-छोटे समूह बनाकर बच्चों की निगरानी कर उनकी शिक्षा और सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए. गुरुद्वारे से आये श्री हरभजन सिंह ने बाल विवाह से आज़ादी के अभियान के लिए कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन्स फॉउंडेशन की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों की सुरक्षा हम सभी धर्मों का नैतिक कर्तव्य है, जिसे हम सभी लोगों को मिलकर पूरा करना चाहिए.

सिख समुदाय बाल विवाह जैसे सामाजिक अपराध को जड़ से समाप्त करने के लिए सभी के साथ मिलकर कार्य करेगा. उन्होंने कहा कि 16 अक्टूबर के कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने की आवश्यकता है, तभी समाज में जागरूकता आएगी. ईसाई धर्म से, होली फैमिली की सिस्टर लीला जोसे ने कहा कि कम उम्र में शादी से बच्चों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है. बच्चों के स्वास्थ्य की रक्षा करना हम सभी का फर्ज है.

प्रसिद्ध मंदिर ध्वजाधारी से आये पंडित प्रदीप पांडेय ने कहा कि बच्चे ईश्वर के उपहार होते हैं, बाल विवाह जैसे सामाजिक बुराई से बचाव के लिए समाज में लोगों को जागरूक करना होगा. यदि इस मामले में हमारे मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे और गिरजाघर से सन्देश जायेगा तो समाज पर उसका व्यापक असर होगा. वहीं मीटिंग को सम्बोधित करते हुए कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन्स फाउंडेशन के वरीय निदेशक ओमप्रकाश पाल ने देश में व्याप्त बाल विवाह की समस्या और उसके समाधान के लिए 'बाल विवाह से आज़ादी' अभियान के उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला.

## आओ जानें

### फन कैसल वाटर पार्क

| | |
|---|---|
| परिचय | झारखंड का सुप्रसिद्ध पर्यटन स्थल, जो विशेषकर बच्चों के बीच अत्यंत लोकप्रिय है. |
| स्थान | रांची नगर से 10 किलोमीटर दूर पश्चिम स्थित रातू में में यह वाटर पार्क अवस्थित है. फन कैसल पार्क रांची में घूमने की बेहतरीन जगहों में से एक है. इस पार्क को रातू पार्क के नाम से भी जाना जाता है. |
| विशेषता | यहां पर मल्टीलेन है जो कि काफी कम हाईट में स्थित है. साथ ही यहां पर बच्चों के लिए ड्रैगन झूले, नाउ झूले, मछली झूला जो जमीन से 20 फीट की ऊंचाई पर है, कार रेस ,घोड़ा रेस ,बंजी जंपिंग जैसी चीजें खासकर बच्चों के लिए उपलब्ध है. फन कैसल पार्क में स्विमिंग पूल और वाटर एक्टिविटी की भी व्यवस्था है, लेकिन जिस मौसम में टूरिस्टों की संख्या कम होती हैं, इन सुविधाओं को बंद रखा जाता है. अक्टूबर से मार्च के बीच में जब यहां पर अधिक टूरिस्ट आते हैं तो उस समय पर ज्यादातर झूले चालू रहते हैं. गर्मियों में वाटर एक्टिविटी अधिक होती है, इसलिए गर्मियों में पानी वाले झूले चालू रहते हैं. अपने परिवार के साथ पिकनिक मनाने के लिए भी यह जगह बहुत ही बेहतरीन है. यहां पर शांत माहौल वाले इलाके भी हैं, जहां पर आप अपने परिवार और दोस्तों के साथ जाकर शांति महसूस कर सकते हैं, शहर की भीड़भाड़ के बीच में यह स्थान लोगों को बहुत राहत देता है. |
| खुलने का समय | पार्क के खुलने और बंद होने का समय दोपहर 1:00 और रात्रि 8:00 बजे तक है. |

## राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

**मेष** मौसमी रोग परेशानी का कारण बनेगा. दौड़धूप अधिक रहेगी. बुरी खबर मिल सकती है. वाणी पर नियंत्रण रखें. दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं. समाज में आपके कार्यों की आलोचना होगी. राजकीय सहयोग मिलेगा.

**वृषभ** सही कार्य नहीं होने से कुछ बदनामी हो सकती है. मेहनत से सफलता मिलेगी. कार्य की प्रशंसा होगी. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. ऐश्वर्य के साधन मिलेंगे. विद्यार्थियों को प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी. व्यापार अच्छा चलेगा.

**मिथुन** कोई पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी. उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी. स्वाभिमान बना रहेगा. नौकरी में मनचाही पदोन्नति मिलने के योग बनेंगे. स्वास्थ्य की ओर ध्यान दें. रुका धन मिलेगा. व्यापार में नए अनुबंध होंगे.

**कर्क** किसी वरिष्ठ से मुलाकात होगी. समय अनुकूल है. अप्रत्याशित लाभ हो सकता है. जोखिम न उठाएं. प्रसन्नता रहेगी. धर्म के कार्यों में रुचि आपके मनोबल को ऊंचा करेगी. आर्थिक स्थिति में सुधार की संभावना है. व्यय में कमी करनी चाहिए.

**सिंह** आय होगी. शारीरिक कष्ट संभव है. दूसरों पर अतिविश्वास न करें. वस्तुएं संभालकर रखें. आपकी मिलनसारिता व धैर्यवान प्रवृत्ति आपके जीवन में आनंद का संचार करेगी. स्थायी संपत्ति में वृद्धि होगी. व्यापार अच्छा चलेगा.

**कन्या** समय उत्तम है. मानसिक संतुष्टि होगी. व्यवसाय ठीक चलेगा. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. प्रसन्नता रहेगी. सार्वजनिक कार्यों में समय व्यतीत होगा. संतान की ओर से शुभ समाचार मिलेंगे. स्वास्थ्य अच्छा रहेगा.

**तुला** योजना फलीभूत होगी. नए अनुबंध होंगे, प्रयास करें. प्रसन्नता रहेगी. उत्तम मनोबल आपकी सभी समस्याओं को हल कर देगा. प्रतिष्ठित जनों से मेलजोल बढ़ेगा. व्यापार में नए प्रस्ताव मिलेंगे. सूर्य को बल दें.

**वृश्चिक** व्यवसाय ठीक चलेगा. निवेश शुभ रहेगा. शनि को खुश रखें, जिससे प्रसन्नता रहेगी. अपनी वस्तुएं संभालकर रखें. जीवनसाथी से मतभेद. व्यवहार-कुशलता से समस्या का समाधान हो सकेगा. वाहन सावधानी से चलाएं.

**धनु** किसी वरिष्ठ से मुलाकात होगी. विवाद को बढ़ावा न दें. कुसंगति से हानि होगी. आय कम होगी. नए संबंध लाभदायी सिद्ध होंगे. व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता का विशेष योग है. व्यापारिक निर्णय जल्दबाजी में न लें.

**मकर** प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी. व्यवसाय ठीक चलेगा. चिंता रहेगी. प्रमाद न करें. परेशानियों का मुकाबला करके भी लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे. शिक्षा व ज्ञान में वृद्धि होगी. अधूरे पड़े काम पूरे होने के योग हैं.

**कुंभ** समय अनुकूल है. शत्रु परास्त होंगे. बेरोजगारी दूर होगी. यात्रा, नौकरी व निवेश लाभदायक रहेंगे. व्यापार में कर्मचारियों पर अधिक विश्वास न करें. आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी. संतान की शिक्षा संबंधी समस्या रह सकती है.

**मीन** रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे. व्यवसाय ठीक चलेगा. प्रसन्नता बनी रहेगी. आय में अधिक व्यय से मनोबल कमजोर पड़ सकता है. कार्य, व्यवसाय के क्षेत्र में विभिन्न बाधाओं से मन अशांत रहेगा. अन्न का दान करें.

## डांडिया नृत्य वर्कशॉप का समापन

**धनबाद।** धनबाद की सूर्या हाइलैंड सिटी में चार दिवसीय डांडिया नृत्य वर्कशॉप का समापन गुरुवार को हुआ. वर्कशॉप में सैकड़ों महिलाओं ने फिल्मी गानों पर हाथो में डांडिया लेकर नृत्य किया. उन्हें अमन डांस अकादमी के डायरेक्टर अमन गुप्ता ने प्रशिक्षण दिया. यह आयोजन दुर्गा पूजा को लेकर किया गया था. अमन गुप्ता ने बताया कि वर्कशॉप में बेहतर नृत्य की प्रस्तुति देने वाली महिलाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया.

## सिद्धपीठ : भैरवी संगम पर पहली बार होगी नौ दिनों तक आरती

# रजरप्पा मंदिर को दिया जाएगा दक्षिणेश्वर काली मंदिर का रूप

संवाददाता । रांची/रामगढ़

देश के प्रसिद्ध सिद्धपीठ रामगढ़ जिले के रजरप्पा मंदिर में शारदीय नवरात्रि को लेकर मंदिर न्यास समिति की ओर से तैयारी शुरू हो गई है. मंदिर परिसर को आकर्षक फूलों से सजाने के लिए कोलकाता से कारीगरों की टीम पहुंच चुकी है. मंदिर परिसर स्थित सभी हवन कुंडों की सफाई की जा रही है. दामोदर भैरवी नदी के संगम स्थल पर पहली बार गंगा आरती लगातार नौ दिनों तक की जाएगी. शारदीय नवरात्रि में मंदिर को फूलों से भव्य रूप देने की तैयारी मंदिर न्यास समिति की ओर से शुरू कर दी गई है. बंगाल से आई 40 कारीगरों की टीम इस बार दक्षिणेश्वर काली मंदिर का प्रारूप देंगे. षष्ठी तक हाइड्रेंजस, पियोनिया, लिली, एंथुरियम, फल, फूल, पक्षी आदि विभिन्न फूलों फलों से मंदिर को आकर्षक तरीके से सजाया जाएगा, जिसकी छटा देखने लायक होगी.

इस बार सिद्ध पीठ में नवरात्रि के दौरान नौ दिन तक लगातार गंगा आरती भी होगी. रजरप्पा के इतिहास में पहली बार नौ दिनों तक गंगा आरती आयोजित की जाएगी. साथ ही सभी गाड़ियों को ऊपर ही रोक दिया जाएगा, ताकि किसी तरह का कोई हादसा न हो. मां छिन्नमस्तिका मंदिर में देश के कोने-कोने से भक्त पहुंचते हैं और आराधना करते हैं. यहां साधक नौ दिनों के नवरात्र में पाठ के लिए भी पहुंचते हैं और नौ दिनों तक मंदिर परिसर के अलग-अलग हवन कुंडों में साधक पूजा पाठ हवन करते हैं. परिसर के सभी हवन कुंडों की साफ-सफाई और रंग रोगन किया जा रहा है, जिससे साधकों व मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की परेशानी न हो.

हिंदू पंचांग के अनुसार, नवरात्रि अश्विन मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से नवमी तक मनाई जाती है. पूरे नौ दिनों तक मां आदिशक्ति जगदंबा के अलग-अलग स्वरूपों की पूजा की जाती है. इस बार नवरात्रि महापर्व की शुरुआत रविवार 15 अक्टूबर से होगी. 23 अक्टूबर को नवरात्रि समाप्त होगी जबकि 24 अक्टूबर को विजयादशमी या दशहरा मनाया जाएगा.

### भव्य तरीके से होगा रावण दहन समारोह

**रामगढ़ ।** सार्वजनिक दशहरा एवं सूरज हॉल समिति की एक बैठक समिति के अध्यक्ष रोशन लाल चौधरी की अध्यक्षता में सिद्धू कान्हु खेल मैदान में संपन्न हुई. बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि इस बार धूमधाम से रावण दहन समारोह का आयोजन समिति के द्वारा किया जाएगा. समारोह के दौरान विशाल रावण के पुतले के साथ-साथ कुंभकरण और मेघनाथ का भी पुतला दहन किया जाएगा. बैठक में कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर भी विचार विमर्श किया गया. रोशन लाल चौधरी ने कहा कि इस बार का रावण दहन समारोह अपने आप में ऐतिहासिक होगा. बैठक में अध्यक्ष रोशन चौधरी के अलावा सचिव महावीर प्रसाद अग्रवाल कोषाध्यक्ष राजेश गोयंका, संरक्षक योगेश बेदिया ,मनोज महतो ,विमल बुधीया, रविंद्र सिंह छाबड़ा, दिनेश शर्मा ,दिनेश प्रसाद, धीरज साहू, मुरारी शर्मा, सतीश कुमार ,टीकू कुमार ,गंगा भगत, राजेश गुप्ता सहित दर्जनों लोग उपस्थित थे.

### पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर का आयोजन, 51 यूनिट रक्त संग्रह हुआ

**जमशेदपुर।** बर्मामाइंस स्थित उत्सव भवन में स्वर्गीय सविता वर्मा की पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर का आयोजन परिवारजनों द्वारा किया गया. इसमें परिवार के सदस्यों सहित कई गणमान्य लोगों ने रक्तदान किया. गुरुवार को आयोजित इस शिविर में कुल 51 यूनिट रक्त संग्रह किया गया. साथ ही रक्तदान किये लोगों को प्रमाण पत्र दिया गया. कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ अनीश श्रीवास्तव, मदन मोहन प्रसाद, राकेश वर्मा, रामबाबू तिवारी, मनोज श्रीवास्तव, रितेश झा, रोहित वर्मा, यशराज, सौरव श्रीवास्तव, सुमित श्रीवास्तव, रविजेंट सिंह, योगेंद्र श्रीवास्तव दिलीप श्रीवास्तव, नीरज श्रीवास्तव, रविजेंट सिंह व अन्य लोग उपस्थित थे.

### आकाशवाणी जमशेदपुर महिषासुर मर्दिनी का विशेष प्रसारण कल

**आदित्यपुर।** शनिवार 14 अक्तूबर को महालया के शुभ अवसर पर आकाशवाणी जमशेदपुर के प्राइमरी चैनल एफएम 102.4 पर प्रातः 4 बजकर 27 मिनट से विशेष संगीतमय कार्यक्रम 'महिषासुर मर्दिनी' का प्रसारण हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी किया जाएगा. इस बात की जानकारी आकाशवाणी के प्रोग्राम अधिशासी राकेश रमन ने दी. उन्होंने बताया कि दशहरा के दौरान के देवी दुर्गा के आगमन पर जमशेदपुर और आसपास के श्रद्धालु इस कार्यक्रम की साल भर प्रतीक्षा करते हैं, जिनके लिए आकाशवाणी परिवार हर वर्ष इस भक्तिमय और संगीतमय कार्यक्रम का प्रसारण करता है.

## मनाया अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस, निकाली गई रैली

संवाददाता । कोडरमा

सृजन महिला विकास मंच ने पथलडीहा गांव में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया, जिसमें परियोजना कार्यक्षेत्र के 17 गांव के 300 से अधिक किशोरियों ने भाग लिया. कार्यक्रम में अतिथि के रूप में जिला परिषद उपाध्यक्ष निर्मला देवी, जिला परिषद सदस्य महेंद्र यादव और शांति प्रिया, पथलडीहा पंचायत की मुखिया वैजन्ती देवी, संस्था सचिव नर्गिस खातून, परियोजना समन्वयक ललिता सांगा व अन्य लोग मौजूद रहे. बालिका सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के लिए बाल विवाह, बाल मजदूरी, बच्चियों को हिंसा मुक्त करने और उनके अधिकारों को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से रैली निकाली गई.

किशोरियों ने फैंसी ड्रेस, चम्मच रेस, सुई धागा रेस, फुटबॉल मैच, भाषण, क्विज प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया. इस मौके पर संस्था की सचिव नर्गिस खातून ने बताया कि कार्यक्रम का पूरा अरेंजमेंट किशोरी मंच की बच्चियों ने की है. जिला परिषद सदस्य शांति प्रिया ने कहा कि मुझे सृजन महिला विकास मंच के कार्यक्रमों में शामिल होने में हमेशा ख़ुशी होती है. इसका पूरा श्रेय संस्था की सचिव नर्गिस खातून की कठिन मेहनत व लगन को जाता है. जिला उपाध्यक्ष निर्मला देवी ने कहा कि लड़कियों को परिवार व समाज से मौका नहीं मिलता है, अगर उन्हें मौका दें तो वे हमारा सर कहीं झुकने नहीं देंगी. परियोजना समन्वयक ललिता सांगा ने धन्यवाद ज्ञापन किया.

## लातेहार में श्रीरामचरितमानस पाठ और महायज्ञ की कलश यात्रा कल

संवाददाता। लातेहार

श्रीरामचरित मानस नवाह्न परायण पाठ व महायज्ञ का 50वां अधिवेशन 14 अक्टूबर से कलश यात्रा के साथ शुरू होगा. यज्ञ महासमिति के मीडिया प्रवक्ता चंद्रप्रकाश उपाध्याय ने इस बात की जानकारी दी. उपाध्याय ने बताया कि कलश यात्रा सुबह सात बजे महायज्ञ परिसर से निकलेगी. शहर का भ्रमण करने के बाद यह कलश यात्रा चटनाही स्थित औरंगा नदी घाट पहुंचेगी. यहां वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच कलशों मे जल भरा जायेगा. इसके बाद कलश यात्रा पुनः मंदिर परिसर पहुंचेगी.

**श्रीरामचरित मानस पाठ व महायज्ञ की मनायी जा रही स्वर्ण जयंती :** चंद्रप्रकाश उपाध्याय ने बताया कि शारदीय नवरात्र के पहले दिन कलश स्थापना कर पूजा अर्चना प्रारंभ की जायेगी. नवमी तिथि तक प्रतिदिन प्रातः आठ बजे से दोपहर दो बजे श्रीरामचरित मानस का सस्वर पाठ किया जायेगा. संध्या साढ़े छह से आठ बजे तक आरती व कीर्तन का आयोजन किया जायेगा. रात्रि साढ़े आठ से मथुरा से आये वन धार्मिक रामलीला मंडली रामलीला का मंचन करेगी. 24 अक्टूबर को दशमी तिथि को पूर्णाहुति, हवन, महाप्रसाद का वितरण और प्रतिमा विसर्जन किया जायेगा. उन्होंने सभी कार्यक्रमों में सपरिवार भाग लेने और पुण्य का भागी बनने की अपील की है. बता दें कि श्रीरामचरित मानस नवाह्न परायण पाठ महायज्ञ का इस वर्ष स्वर्ण जयंती वर्ष मनाया जा रहा है और इसकी तैयारियां अंतिम चरण में है.

## शाकद्वीपीय ब्राह्मण महासभा का हुआ चुनाव

संवाददाता। रांची

सार्वभौम शाकद्वीपीय ब्राह्मण महासभा की झारखंड प्रदेश की इकाई के तत्वावधान में गुरुवार को प्रांतीय चुनाव कार्य संपन्न हुआ. यह चुनाव महासभा के संरक्षकों की 29 अगस्त को हुई बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार आयोजित किया गया। संरक्षक सह चुनाव प्रभारी पंडित वसंत व्यास के निर्देशन में सर्वसम्मति से महासभा के विभिन्न पदों के लिए पदाधिकारियों का निर्वाचन हुआ. महासभा के प्रवक्ता मनोज कुमार पुटू ने बताया कि सभी पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्य निर्विरोध निर्वाचित किये गए.

चुनाव से पूर्व भगवान भास्कर का सामूहिक पूजन संपन्न हुआ. इसके बाद महासभा की रांची ईकाई की कार्यकारिणी की बैठक हुई, जिसमें महासभा के राज्य स्तरीय चुनाव में रांची इकाई द्वारा सहभागिता देने का निर्णय लिया गया. चुनाव में रांची के अलावे खूंटी, लोहरदगा, गुमला, गढ़वा, डालटनगंज, हजारीबाग, कोडरमा, बोकारो, चतरा, गिरिडीह, धनबाद सहित कई जिलों से आए महासभा के प्रतिनिधियों ने भाग लिया. आम सभा के अंत में धन्यवाद ज्ञापन विजयानन्द सरस्वती ने किया. सर्वसम्मत हुए चुनाव में अध्यक्ष अमिताभ कुमार पांडेय, उपाध्यक्ष कृष्ण बिहारी मिश्र, उपाध्यक्ष बंशीधर मिश्र, मंत्री रवींद्र कुमार मिश्र( रवि), सहमंत्री डॉ. आशुतोष पांडेय, सहमंत्री श्रवण कुमार पाठक, कोषाध्यक्ष शशिकांत मिश्र, संगठन मंत्री विनायक शर्मा, प्रवक्ता पंकज कुमार पाठक निर्विरोध निर्वाचित किये गये, वहीं संरक्षक विजयानंद सरस्वती, अवधमणि पाठक, आचार्य मिथिलेश कुमार मिश्र, बसंत कुमार पाठक, उदय शंकर मिश्र चुने गये.

### हाजरा में दुर्गापूजा के लिए बन रहा राजशाही मंदिर

**मनोहरपुर ।** सार्वजनिक दुर्गापूजा कमेटी, हाजरा परिसर मनोहरपुर में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी कमेटी के अध्यक्ष एवं युवा कर्मठ समाजसेवी विजय यादव के नेतृत्व में भव्य तरीके से दुर्गापूजा का आयोजन किया जाएगा. कमिटी इस वर्ष दुर्गा पूजा पंडाल के रूप में भव्य व आकर्षक राजशाही मंदिर का प्रारूप तैयार करवा रही है. हाजरा दुर्गापूजा कमेटी द्वारा भव्य पंडाल, इंटिरियर डेकोरेशन, भव्य प्रतिमा, विद्युत साज-सज्जा,सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि के अलावे 25 अक्टूबर को प्रतिमा विसर्जन आदि कार्यक्रमों पर करीब 20 लाख रुपये खर्च होने की संभावनाएं व्यक्त की जा रही हैं. मनोहरपुर हाजरा परिसर स्थित दुर्गापूजा पूरे मनोहरपुर व आनंदपुर अंचल व आस-पास क्षेत्र का सबसे बड़ा एवं भव्य पूजा पंडाल आकर्षण का केन्द्र होता है. इस बार भी यहां भव्य और आकर्षक पंडाल बनाया जा रहा है.

## विमर्श झरिया के प्रदूषण विषय पर जागरूकता सेमिनार वायु मित्र कार्यक्रम का आयोजन

# कोयला क्षेत्र में हो रहे भ्रष्टाचार को रोकना होगा: सरयू

संवाददाता । धनबाद

ग्रीन लाइफ एवं युथ कॉन्सेप्ट के संयुक्त तत्वावधान में धनबाद नगर निगम के सहयोगी गैर सरकारी संस्था असर के सहयोग से पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छ वायु एवं झरिया के प्रदूषण विषय पर गुरुवार को झरिया के अग्रवाल धर्मशाला में जागरूकता सेमिनार वायु मित्र कार्यक्रम का आयोजन किया गया. जिसमे मुख्य अतिथि के तौर पर पर्यावरणविद सरयू राय, विशिष्ट अतिथि विजय झा, मारवाडी सम्मेलन के अध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल और मुख्य वक्ता पर्यावरणविद डॉ प्रमोद पाठक उपस्थित थे. इस दौरान सरयू राय ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि झरिया में बढ़ते प्रदूषण को कम करने के लिए कोयला क्षेत्र में हो रहे भ्रष्टाचार और आउटसोर्सिंग कम्पनियों के माध्यम से कराए जा रहे कोयला तस्करी को रोकना होगा, जो सिर्फ बीसीसीएल के वरीय अधिकारी ही कर सकते है. आउटसोर्सिंग कंपनियां झरिया की समस्याओं का मुख्य कारण है. जो कंपनियां सिर्फ अपना लाभ देखती है उसे जनता की समस्याओं से कोई मतलब नही है. उन्होंने कहा कि झरिया की समस्याओं से निदान पाने के लिए झरिया की जनता व सरकारी तंत्र में इच्छाशक्ति होनी चाहिए तभी झरिया की प्रदूषण एवं कोयलांचल का पर्यावरण में सुधार सम्भव है. जिम्मेदार लोगों को तो पता ही नही है कि समस्या का मुख्य कारण क्या है और पैसा कहाँ खर्च करना है. वही विशिष्ट अतिथि विजय झा व राजकुमार अग्रवाल ने कहा कि प्रदूषण का मुख्य कारण बीसीसीएल का आउट सोर्सिंग से कोयला खनन व ट्रांसपोर्टिंग है. मानक के विरुद्ध खनन हो रहा है. कोयला ट्रांसपोर्टिंग का सही साधन रोपवे ही थ. इसके उपयोग से प्रदूषण को रोका जा सकता है.

### कार्यशैली में सुधार कर प्रदूषण कम कर सकते हैं : पाठक

वही मुख्य वक्ता पर्यावरणविद डॉ प्रमोद पाठक ने कहा कि अपनी कार्यशैली में सुधार ला कर हम प्रदूषण को कम कर सकते हैं. आज लोग अर्थयुग में जी रहे हैं और पैसे कमाने की होड़ में अपना स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं. कार्यक्रम में सभी उच्च विद्यालय एवं मध्य विद्यालय से चयनित बाल संसद के पर्यावरण मंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री को वायु मित्र के रूप में मेडल दे कर सम्मानित किया गया. कार्यक्रम में मंच संचालन ग्रीन लाइफ के संयोजक डॉ मनोज सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन युथ कॉन्सेप्ट के संयोजक अखलाक अहमद ने किया.

# चादरपोशी कर लौटा यात्रियों का जत्था

रेहान अहमद। रांची

देश भ्रमण के लिए झारखंड और बिहार से निकला 50 लोगों का जत्था वापस लौट गया. बस से धार्मिक यात्रा निकले जत्थे ने अपनी मन्नत-मुराद के लिए दिल्ली, यूपी, आगरा, अजमेर, जयपुर आदि के मजारों में चादरपोशी की तथा अपनी मन्नतें मांगीं. इस जत्थे में महिलाएं एवं बच्चे भी शामिल थे. किसी ने अपनी मां की अच्छी सेहत के लिए, किसी ने बहन की शादी के लिए, किसी ने औलाद के लिए, किसी ने कारोबार के लिए, किसी ने तरक्की के लिए, किसी ने आपसी मिल्लत के लिए तो किसी ने दुनिया में अमन चैन प्यार मोहब्बत कायम रहने के लिए चादरपोशी के साथ दुगा मांगी.

हिंदपीढ़ी निवासी मो. मंसूर आलम ने बताया कि अलग-अलग राज्य के करीब 15 मजारों में लोग अपनी मन्नत मुराद के लिए गये थे. 10 अक्टूबर को हम लोग अपने राज्य वापस आ गये. बिहार के लोग यहां पहुंच कर अपने घर की ओर चले गये. उथियों ने कहा कि इस जत्थे में मजारों में जा कर सच्चे मन से मन्नत मांगने से वह पूरी हो जाती है. तो हम अपने अम्मी-अब्बू की अच्छी सेहत और घर में खुशहाली की मन्नत ले कर मजारों में बाबा के दर पर चादरपोशी की है. मजार के जत्थे में मो. मनसूर आलम, मो. बेचन, मो. फिरोज, मो. पप्पु, मो तनवीर, मो. छोटू, मूनीर अहमद, जावेद अहमद, मो. जनसार, मो. आमिर, मो. कुरबान, मो. साहिल, मो. साबिर समेत बड़ी संख्या में महिलाएं एवं बच्चे भी शामिल थे.

### इन मजारों पर तीर्थ यात्रियों ने की चादरपोशी

| मजार | कहां |
|---|---|
| कच्छौछा शरीफ | उत्तर प्रदेश |
| कलयर शरीफ | उत्तर प्रदेश |
| बरेली शरीफ | उत्तर प्रदेश |
| निजामुद्दीन | दिल्ली |
| अजमेर शरीफ | जयपुर |
| शालवार शरीफ | आगरा |
| बिछु बाबा मजार | उत्तर प्रदेश |
| देवा शरीफ | उत्तर प्रदेश |
| तारागढ़ पहाड़ | अजमेर |

इन दिनों देश में भ्रष्ट नेताओं के खिलाफ आयकर, सीबीआई और ईडी की छापेमारी चल रही है. इस छापेमारी के शिकार ज्यादातर विपक्षी दलों के नेता ही हो रहे हैं. इसलिए यह आरोप लगाए जा रहे हैं कि आगामी चुनाव को देखते हुए ये छापेमारी केन्द्र सरकार के इशारे पर विपक्षी दलों के नेताओं को सबक सीखने के लिए की जा रही है. यानी केन्द्र सरकार राजनीतिक फायदे के लिए जांच एजेंसियों पर दबाव डाल कर यह कार्रवाई करवा रही है. विपक्षी दलों के नेता कह रहे हैं कि सरकार की मंशा ठीक नहीं है. इसलिए वह केन्द्रीय जांच एजेंसियों का दुरूपयोग कर रही है. जबकि सरकार का मानना है कि भ्रष्टाचार पर शिकंजा कसने के लिए देशभर में ये छापेमारी चल रही है. गौर करने वाली बात यह है कि इस कार्रवाई से भाजपा के भ्रष्ट नेता मुक्त हैं. यानी उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं हो रही. इसलिए लोग यह सवाल उठा रहे हैं कि क्या भाजपा के नेता दूध के धुले हैं. क्या इनके नेता भ्रष्टाचार में लिप्त नहीं हैं. जांच एजेंसियां तो स्वतंत्र होती हैं. फिर यह दोहरे चरित्र की कार्रवाई क्यों हो रही है. उनका कहना है कि इससे जाहिर होता है कि कहीं न कहीं इन जांच एजेंसियों पर केन्द्र सरकार का दबाव है. तभी ऐसा हो रहा है. सरकार को इन जांच एजेंसियों का राजनीतिक दुरुपयोग नहीं करना चाहिए. इससे देश और जनता का भला नहीं हो सकता है. सरकार को चाहिए कि इन्हें अपना काम करने दें. तभी जांच में निष्पक्षता और पारदर्शिता आएगी. जो इस समय देश के लिए बहुत जरुरी है. **शुभम संदेश की टीम ने इस मामले में लोगों से बात की है. पेश है रिपोर्ट.**

## एजेंसियों को स्वतंत्र रूप से काम करने दे सरकार, तभी जांच में निष्पक्षता और पारदर्शिता आएगी

# जांच एजेंसियों का राजनीतिक दुरूपयोग बंद हो

1 विपक्षी नेताओं पर राजनीतिक फायदे के लिए सरकार के इशारे पर हो रही है यह कार्रवाई

02 केन्द्र सरकार पर लग रहा जांच एजेंसियों को दबाव डालकर कार्रवाई करवाने का आरोप

03 सरकार का मानना है भ्रष्टाचार पर शिकंजे के लिए देशभर में छापेमारी

विपक्षी दलों के नेताओं का कहना है कि सरकार की मंशा ठीक नहीं है

### घाटशिला : एजेंसियां नहीं करें एकपक्षीय कार्रवाई : पूर्णिमा

घाटशिला टुमांगडुंगरी निवासी गृहिणी पूर्णिमा कर्मकार ने कहा कि सरकारी जांच एजेंसियों को एकपक्षीय कार्रवाई नहीं करनी चाहिए. क्योंकि अंततः न्यायालय में जांच एजेंसियों के अधिकारी को ही जवाब देना होगा. झारखंड की बात करें तो पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा सरकार में रहते हुए किए गए घोटाले के सारे सबूत पेश किए गए, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई. वहीं दूसरी और विपक्ष के नेताओं के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है. चुनाव के समय इस प्रकार की कार्रवाई कहीं से भी ठीक नहीं है. सरकारी एजेंसियों की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े होते हैं. निष्पक्ष होकर कार्रवाई करनी चाहिए.

### केंद्रीय जांच एजेंसियां सबूत पर करती हैं कार्रवाई : माला दे



घाटशिला निवासी गृहिणी माला दे ने कहा कि केंद्रीय जांच एजेंसियों द्वारा नियमानुसार ही कार्रवाई की जाती है. भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों के खिलाफ कार्रवाई होती है. इसका राजनीतिक दलों द्वारा राजनीतीकरण किया जा रहा है. पूर्व की सरकारों में भी केंद्रीय जांच एजेंसी द्वारा कार्रवाई होती रही है, तब भी जांच एजेंसी के ऊपर सवाल उठाए जाते थे. सवाल के डर से जांच एजेंसियां कार्रवाई न करें तो फिर भ्रष्टाचार पर अंकुश कैसे लग पाएगा. केंद्रीय जांच एजेंसियां सबूत के आधार पर ही कार्रवाई करती हैं.

### चाईबासा : एजेंसियों पर किसी तरह का दबाव नहीं होना चाहिए : बालाय मुंडुईया

गुटुसाइ गांव की महिला बालाय मुंडुईया में कहा कि सरकार को गंभीरता से विचार कर वैसे एजेंसी पर ही दबाव देना चाहिए जो सरकार के अधीन है. लेकिन स्वतंत्रता से काम करने वाले जांच एजेंसी पर किसी तरह का दबाव नहीं होनी चाहिए. सरकार बदले की राजनीति करती है जो एक गलत है. किसी भी सत्ता में आने के लिए जनता का चुनाव होता है. जनता ही उसे चुनकर सत्ता पर लाती है. लेकिन उस सत्ता का दुरुपयोग किया जाता है. यह एक गंभीर मामला है. इस पर जांच एजेंसी को पूरी तरह से स्वतंत्रता करनी चाहिए.

### विपक्ष के नेताओं को परेशान करने में लगी है केन्द्र सरकार : पार्वती गोप

महिला पार्वती गोप ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी को बड़ा दिल दिखाते हुए जांच एजेंसी पर किसी तरह का दबाव नहीं देना चाहिए. पार्टी अपने इशारे पर जांच एजेंसी से जांच करवा रही है. विपक्ष के नेताओं को परेशान करने में लगी है. लेकिन इस तरह से नहीं करना चाहिए. सरकार को अन्य मामलों पर ध्यान देना चाहिए. जैसे महंगाई, रोजगार जोर देना चाहिए. न कि एक दूसरे को फंसाने में समय बर्बाद करना चाहिए. सत्ता कभी भी किसी की स्थाई नहीं होती है, इसका अहंकार किसी भी राजनेता को नहीं होना चाहिए. आज सत्ता में है तो कल नहीं होंगे. यह हमेशा याद रखने की जरूरत है.

### बदले की भावना से होने वाली कार्रवाई सही नहीं, इससे दुर्भावना बढ़ेगी : शालू गोप



झिकपानी की शालू गोप ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा जिस तरह से जांच एजेंसी पर दबाव बनाया जा रहा है. इससे साफ जाहिर हो रहा है कि बदले की राजनीति हो रही है. झारखंड के अलावा अन्य प्रदेश में ईडी की छापामारी विपक्ष के नेताओं के यहां की जा रही है. इससे ऐसा लगता है कि विपक्ष के नेता ही भ्रष्टाचार में से पूरी तरह लिप्त हैं. सत्ता पक्ष के नेताओं में भ्रष्टाचार नहीं है. इस तरह से आने वाले दिनों में एक दूसरे के खिलाफ दुर्भावना बढ़ती जाएगी, जो सही नहीं है. इसलिये सरकार को चाहिए कि जांच एजेंसियां पूरी तरह दबाव मुक्त हो. ताकि वे अपना काम सही तरीके से कर सके.

### लातेहार : केंद्रीय जांच एजेंसियां स्वतंत्र होती है, दखल ठीक नहीं : सिमरन सिंह



नौकरी करने वाली सिमरन सिंह कहतीं हैं कि केंद्रीय जांच एजेंसियां स्वतंत्र रूप से काम करती है. वह अपना काम खुद करती है. सबूत व तथ्यों पर ही ये एजेंसियां अपना काम करती है. उनके कामों में दखल अंदाजी की गुंजाइश नहीं है.पूर्वाग्रह या राजनीतिक द्वेष की भावना से उनका इस्तेमाल नहीं होना चाहिए. हालांकि पिछले पांच-छह सालों से केंद्रीय जांच एजेंसियों की सक्रियता बढ़ी है. केंद्रीय जांच एजेंसियों की कार्रवाई आज अक्सर देखने को मिलती है. कारण देश में भ्रष्टाचार बढ़ा है तो जांच एजेंसियों ने अपनी कार्रवाई भी तेज कर दी है. यह देश हित के लिए जरुरी भी है.

### भ्रष्टाचार पर कार्रवाई आवश्यक,देश हित में ऐसा करना जरुरी है : कंचन कुमारी

दुर्गा वाहिनी की जिला संयोजक कंचन कुमारी ने कहा कि भ्रष्टाचार पर कार्रवाई आवश्यक है. भ्रष्टाचार से देश खोखला हो रहा है. आज देश की काली कमाई विदेशों में जा रही है, ऐसे लोगों पर कार्रवाई आवश्यक है. केंद्रीय जांच एजेंसियां ऐसे ही मामलों पर कार्रवाई कर रही है. केंद्रीय जांच एजेंसियां स्वतंत्र रूप से काम करती है. उनके कामों में दखल अंदाजी की गुंजाइश नहीं रहती है और न ही रहनी चाहिए. सरकार को भी ऐसी कोशिश करनी चाहिए कि इन जांच एजेंसियों का मनोबल बना रहे ताकि वे और तेजी से अपना का निपटा सके.

### दवाब में काम नहीं करतीं केंद्रीय जांच एजेंसिंयां, लोगों को है भरोसा : निशा

गृहणी निशा ने कहा कि केंद्रीय जांच एजेंसियां दवाब में काम नहीं करती है. एजेंसियां निपष्क्ष जांच करती हैं. सबूतों के आधार पर काम करती है. केंद्रीय जांच एजेंसियों के काम करने का तरीका कुछ और ही होता है. अक्सर जब बड़ी घटनाएं होती हैं तो इन एजेंसियों से जांच कराने की मांग उठती है. इसका मतलब है कि इन एजेंसियों पर लोगों को भरोसा है.अब तक भ्रष्टाचार के जितने मामले सामने आ रहे हैं इस उजागर करने में जांच एजेंसियों की महत्वपूर्ण भूमिका है. सरकार की कोशिश होनी चाहिए कि इन जांच एजेंसियों का मनोबल बना रहे ताकि ये और भी बेहतर काम कर सके.

### बहरागोड़ा : जांच एजेंसियों को और अधिक स्वतंत्रता देनी चाहिए : पियाली मंडल

बहरागोड़ा निवासी छात्रा पियाली मंडल ने कहा कि जांच एजेंसियों को सरकार की ओर से और अधिक स्वतंत्रता देनी चाहिए. इससे वे निष्पक्ष जांच कर पाएंगी. साथ ही इन एजेंसियों के ऊपर उच्च पदाधिकारी व राजनीतिक दबाव नहीं बनाया जाना चाहिए. सरकारी सिस्टम में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई की भी आवश्यकता है. जब यह जांच एजेंसियां और अधिक मजबूत होंगी, तभी जाकर लोग भ्रष्टाचार करने से डरेंगे. इसलिए इस समय जांच एजेंसियां जिस तरह से कार्रवाई कर रही है, उससे अपराध,भ्रष्टाचार खत्म करने में सहूलियत मिलेगी. सरकार एजेंसियों को सहयोग करे.

### देश में भ्रष्टाचार चरम पर, जितनी जल्दी हो इसे खत्म करना जरूरी : नंदिनी साहू



गृहिणी नंदिनी साहू ने बताया कि देश में भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है. इसलिए जांच एजेंसियों को त्वरित कार्रवाई करते हुए भ्रष्टाचारियों को जल्द से जल्द न्यायालय से सजा दिलानी चाहिए. भ्रष्टाचार से हुई काली कमाई को जब्त कर देश सेवा के कार्य में लगाना चाहिए. भ्रष्टाचार को खत्म करना जरूरी है. वहीं जांच एजेंसियां स्वतंत्र रूप में कार्य करें, क्योंकि देश के आमजनों का काफी भरोसा उन पर होता है.इसलिए सरकार को चाहिए कि इसे बिना किसी दबाव के काम करने देना चाहिए. इससे जांच का काम भी अच्छा होगा. साथ ही इसकी साख भी नहीं रहेगी. इसमें सरकार को सहयोग करने की जरुरत है.

### जांच एजेंसियों पर प्रमुख जिम्मेदारी,उन्हें अपना काम करने दें : निरूपमा कुमारी



निरुपमा कुमारी का कहना है कि जांच एजेंसी भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्य करती है. इसलिए इन एजेंसियों को स्वतंत्र होकर कार्य करना चाहिए. साथ ही भ्रष्टाचारियों को न्यायालय में सजा दिलाने में इनका अहम योगदान रहता है. जांच एजेंसी का राजनीतिक दुरुपयोग नहीं होना चाहिए. यह तभी संभव है जब सरकार के नियंत्रण में जांच एजेंसी काम नहीं करे. इस दिशा में सरकार को भी सोचने की जरूरत है.जांच एजेंसियों पर देश की प्रमुख जिम्मेवारी होती है. ये एजेंसियां अपने तरीके से काम करती हैं. इस पर दबाव डालने से जांच प्रभावित हो सकती है और उसकी साख भी गिरती है.

### जमशेदपुर : एजेंसियां राजनीतिक दबाव में काम नहीं करती, भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई जरुरी : पूजा सिंह



पोलेटिकल साइंस की छात्रा पूजा सिंह का कहना है कि उन्हें नहीं लगता कि केंद्रीय एजेंसी राजनीतिक दबाव में काम करती है. क्योंकि सीबीआई हो या ईडी सभी स्वतंत्र रुप से कार्य कर रही है. प्रधानमंत्री ने सीबीआई की पीठ थपथपाते हुए उसे "न्याय का एक बड़ा ब्रैंड" कहा था. पहले के नेता सीबीआई को "पिंजरे में बंद तोता" का नाम देते थे और कहते थे कि सीबीआई तो कुछ करती ही नहीं है, पर आज जब सीबीआई कुछ कर रही है तो वही नेता परेशान हो गए हैं. पूजा का मानना कि वर्तमान सरकार ने भ्रष्टाचार के खिलाफ नेताओं को गिरफ्तार करने का जो अभियान चलाया है,उससे सरकार की पकड़ राजनीति में काफी मजबूत हो गई है.

### अपराध करने वालों में डर का माहौल,पता चल रहा कि भ्रष्टाचार कितना है: प्रियंका



गृहणी प्रियंका अग्रवाल ने बताया कि केंद्रीय एजेंसियां दबाव में काम नहीं करती. सीबीआई और ईडी को जिस तरह से गुप्त जानकारियां मिलती है वह उसी तरीके से काम करती है. जिस तरह से ईडी और आईटी की रेड हो रही है, उससे गबन करने वालों में डर का माहौल है. इसलिए कई राजनितिक पार्टियां इस तरह की बातें कर रही है कि इन एजेंसियों को केंद्र द्वारा मनमाने ढंग से इस्तेमाल किया जा रहा है. हाल के दिनों में कइयों के यहां छापेमारी देखने को मिली है. इससे पता चलता है कितने लोग भ्रष्टाचार में लिप्त हैं.

### दबाव नहीं तो भ्रष्ट भाजपा नेताओं के खिलाफ भी हो कार्रवाई : सुषमा सरकार

बागबेड़ा की सुषमा सरकार कहती है कि पहले इस तरह की छापेमारी काफी कम होती थी पर भाजपा की सरकार आने पर इस तरह की छापेमारी बढ़ गई है. वहीं विपक्षी पार्टी के नेताओं और उनसे जुड़े लोगों को ही निशाना बनाया जा रहा है जो कहीं न कहीं यह दर्शाता है कि केंद्र के इशारे में ही सारी एजेंसियां काम कर रही है. केंद्र सरकार अपने नेताओं के घर ऐसी छापेमारी क्यों नहीं करवा रही है. अगर ये एजेंसियां राजनीतिक दबाव में कार्य नहीं कर रही तो भाजपा नेताओं के घर भी छापेमारी करें.

### चुनाव नजदीक आ रहा, तो जांच एजेंसियों पर दबाव बनेगा ही : ममता कुमारी

गृहणी ममता कुमारी कहती है कि कहीं न कहीं ये सारी एजेंसियां दबाव में आकर ही अपना काम कर रही है. सत्ता पक्ष के लोग तो अपने उपर लगे आरोपों को तो निराधार बताएंगे ही. जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आता है वैसे ही ये एजेंसियां एक्टिव हो जाती है और विपक्षी दलों में दबाव बनाने का काम शुरु कर देती है. भाजपा सरकार द्वारा अपने प्रतिद्वंदियों को दबाने के लिए इन एजेंसियों को सामने कर दिया जाता है. जिससे डरकर विपक्षी पार्टियां दबाव में आ जाती है और सरकार के इशारे पर काम करती है.

### गिरिडीह : कार्य से जनता खुश : भारती लोहानी

गृहणी भारती लोहानी ने कहा कि केंद्रीय जांच एजेंसियों द्वारा भ्रष्टाचार के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है . उनके इस कार्य से जनता काफी खुश है . भ्रष्टाचार में शामिल नेता,अधिकारी और उद्योगपति जब जांच के दायरे में आते हैं तो उन्हें लगता है कि केंद्रीय जांच एजेंसियां केंद्र सरकार के दबाव में काम कर रही है. जबकि सच्चाई यह कि केंद्रीय जांच एजेंसियां शुरू से ही स्वतंत्र रूप से काम कर रही है. सरकार को भी चाहिए कि इनके कार्य में दखल न डाले.

### एजेंसियों की जिम्मेदारी बढ़ गई है : अनुपमा देवी



गृहणी अनुपमा देवी ने कहा कि पूरे देश में भ्रष्टाचार काफी बढ़ गया है. इस स्थिति में केंद्रीय जांच एजेंसियों की जिम्मेदारी बढ़ गई है. उनके काम करने के दायरे का विस्तार हुआ है . उनके ऊपर जिम्मेदारियां बढ़ी है . इस स्थिति में जांच के दायरे में आने वाले लोगों को अपनी बुराई कम और केंद्र सरकार व जांच एजेंसियों की खामियां ज्यादा दिखाई देती हैं. उन्होंने कहा कि भ्रष्ट नेता,अधिकारी और उद्योगपति के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए. ऐसा नहीं होने पर देश का विकास रुक जायेगा.

### आदित्यपुर : मोदी ने केंद्रीय एजेंसियों के बंधे हाथ खोल दिए, जो विपक्षियों को नागवार : दुर्गा दास



आदित्यपुर निवासी सोशल वर्कर सह गृहिणी दुर्गा दास कहती हैं कि देश में ईडी और सीबीआई ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध जो कार्रवाई शुरू की है, मैं उसका पूर्ण समर्थन करती हूं. इसके पूर्व भी केंद्र में कई सरकारें बनीं, लेकिन भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के लिए इन एजेंसियों का इस्तेमाल नहीं किया. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने इनके बंधे हाथ खोल दिये हैं, जो विपक्षियों को नागवार लग रहा है. ईडी और सीबीआई जैसी एजेंसियां पर देशवासियों का विश्वास बना रहे. ईडी और सीबीआई जैसी केंद्रीय एजेंसियों का दुरूपयोग नहीं होना चाहिए. इन दोनों एजेंसियों पर जो सत्तासीन दल के इशारे पर दुरुपयोग करने का आरोप लग रहे हैं, वह सही नहीं है.

### केंद्रीय एजेंसियों पर देशवासियों को भरोसा है : नैना कुमारी



आदित्यपुर निवासी छात्रा नैना कुमारी कहती हैं कि सीबीआई और ईडी जैसी केंद्रीय एजेंसियां पर देशवासियों को भरोसा है. वर्तमान में देश के कुछ लोगों के विरुद्ध जो कार्रवाई की गई है, वह सही है. इस पर प्रश्न चिह्न नहीं उठाया जाना चाहिए. वे कहती हैं कि मेरी सरकार से मांग है कि इन केंद्रीय एजेंसियों को पीएमओ कार्यालय से मुक्त कर और भी भ्रष्टाचारियों के विरुद्ध कार्रवाई होनी चाहिए. ईडी को सत्तापक्ष के लोगों के विरुद्ध भी कार्रवाई करनी चाहिए.

### धनबाद : एजेंसियों पर राजनीतिक दबाव नहीं होता है : गीता देवी

तांतरी गांव निवासी समाजसेवी गीता देवी ने बताया कि केंद्रीय जांच एजेंसियों पर कोई राजनीतिक दबाव नहीं होता है. वह स्वतंत्रता होती हैं और जहां उनको शंका होता है वहां जाकर वह जांच करते हैं. लेकिन जहां तक मेरी जानकारी है कि केंद्रीय जांच एजेंसी अपने कार्यों में किसी प्रकार का हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं करती हैं.

### एजेंसियों पर कोई राजनीतिक दबाव नहीं होता है : प्रीति श्रीवास्तव



तोपचांची निवासी गृहणी प्रीति श्रीवास्तव ने कहा कि केंद्र में चाहे बीजेपी की सरकार हो या कांग्रेस की सीबीआई, ईडी और इनकम टैक्स पर दबाव में काम करने का आरोप लगाता रहा है. लेकिन छापेमारी में बरामद हो रहे अरबों रुपए और दस्तावेज बताते हैं कि कहीं न कहीं दाल में कुछ काला है. बात सही या गलत है तो सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खुला हुआ है.

### राजनीतिक दबाव में काम नहीं करना चाहिए : रूबी कुमारी



तोपचांची निवासी एमए की छात्रा रूबी कुमारी ने कहा कि केंद्रीय एजेंसियां को राजनीतिक दबाव में काम नहीं करना चाहिए. केंद्रीय एजेंसियां स्वतंत्र होकर काम करने से लोगों का केंद्रीय एजेंसियों पर विश्वास बढ़ता है. वर्तमान में केंद्रीय एजेंसियां जिस प्रकार से छापेमारी कर रही है इससे कहीं न कहीं राजनीतिक दबाव की बू आती है.

### स्वतंत्र रुप से काम करती हैं : सोनी सिन्हा

गृहणी सोनी सिन्हा ने कहा कि केंद्रीय जांच एजेंसियां स्वतंत्र रूप से काम करती है . उनके कार्रवाई करने का तरीका अलग है . भ्रष्टाचार में शामिल नेता, अधिकारी और उद्योगपति के खिलाफ कार्रवाई तय है . जांच के दायरे में आने के बाद भ्रष्टाचारियों को सरकार और जांच एजेंसियों में कमी दिखाई देने लगती है . उन्होंने कहा कि जांच एजेंसियां पहले भी स्वतंत्र रूप से काम करती थी और आने वाले समय में भी स्वतंत्र रूप से काम करेगी.

### हजारीबाग: जांच एजेंसियों पर दबाव बनाना ठीक नहीं : डॉ. अवंतिका कुमारी

केबी महिला महाविद्यालय हजारीबाग की व्याख्याता डॉ. अवंतिका कुमारी ने कहा कि जांच एजेंसियों पर दबाव बनाना उचित नहीं है. अक्सर यह आरोप लगता है कि सरकार विपक्षियों के खिलाफ इन जांच एजेंसियों का इस्तेमाल करती है. जांच एजेंसियों को स्वतंत्र रहने देना चाहिए. जांच एजेंसियों का राजनीतिक दुरुपयोग नहीं होना चाहिए. यह तभी संभव है जब सरकार के नियंत्रण में जांच एजेंसियां काम नहीं करे.

### निष्पक्ष काम करे जांच एजेंसियां,ताकि जनता का भरोसा बना रहे : डॉ. मारग्रेट लकड़ा



विनोबाभावे विश्वविद्यालय की सेवानिवृत्त राजनीति विज्ञान की विभागाध्यक्ष डॉ. मारग्रेट लकड़ा कहती हैं कि जांच एजेंसियां सत्ता पक्ष के प्रभाव में नहीं आए. स्वविवेक, सही तरीके और निष्पक्ष भाव से एजेंसियों को काम करने की जरूरत है. वह सीबीआई हो या ईडी, इनकम टैक्स डिपार्टमेंट हो या फिर अन्य गठित जांच एजेंसियां. अगर सत्ता पक्ष इसका दुरुपयोग करेगा, तो जनता का विश्वास इन एजेंसियों से भी हट जाएगा. अब तक लोगों में यकीन है कि इन एजेंसियों को जांच मिलेगी, तो न्याय मिलेगा.

### केन्द्र के इशारे पर काम करती हैं जांच एजेंसियां, प्रभाव तो पड़ेगा : मनीषा टोप्पो



कांग्रेस नेत्री मनीषा टोप्पो कहती हैं कि जांच एजेंसियों को स्वविवेक से काम करने देना चाहिए. सभी को पता है कि जांच एजेंसियां निष्पक्ष जांच नहीं करती हैं. सब कुछ सत्ता पक्ष के इशारे पर होता है. अगर यही हाल रहा, तो वह दिन दूर नहीं, जब वास्तविक न्याय लोगों से कोसों दूर चली जाएगी. ऐसे में न्याय की उम्मीद नहीं रह जाएगी. उस पर दबाव बनाने से जांच प्रभावित होना तय है.

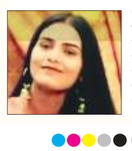

### केन्द्रीय जांच एजेंसियों को स्वतंत्र रह कर काम करने देना चाहिए : साक्षी आर्या



यूनिवर्सिटी लॉ कॉलेज हजारीबाग की छात्रा साक्षी आर्या का कहना है कि जांच के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की जाती है. बदले की भावना से काम किया जाता है. सत्ता पक्ष विपक्षियों के खिलाफ जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करती है. ऐसे में पहले से लोगों को जांच के परिणाम की भनक हो जाती है कि क्या खुलासा होने वाला है. निष्पक्ष जांच के लिए सरकार को इन जांच एजेंसियों को पूरी तरह छूट देनी चाहिए. नियंत्रण के नाम पर जांच एजेंसियों पर दबाव बनाकर किसी के खिलाफ इस्तेमाल करना कहीं से उचित नहीं है.

### जांच एजेंसियों पर दबाव डालना देश हित में नहीं, सोचने की जरुरत : मीनाक्षी कुमारी



शिक्षिका मीनाक्षी कुमारी का कहना है कि सत्ता पक्ष के प्रभाव में आकर दुर्भावना से जांच होती है. जांच एजेंसियां वही रिजल्ट देती है, जो केंद्र सरकार चाहती है. सिर्फ दिखावे के लिए जांच एजेंसियां काम करती हैं. ऐसे में विपक्षियों में भय का वातावरण तैयार किया जाता है कि अगर वह सत्ता पक्ष के खिलाफ हुआ, तो सीबीआई, ईडी और इनकम टैक्स की जांच बैठा दी जाएगी. इससे देश का हित नहीं होने वाला है. इसके लिए सबको मिलकर आत्ममंथन और चिंतन करने की जरूरत है.

### पाठक जातीय जनगणना पर अपनी राय दें

बिहार में जातीय जनगणना कराए जाने के बाद अब झारखंड में भी जातीय जनगणना कराने की मांग जोर पकड़ रही है. झारखंड में झामुमो सहित की राजनीतिक पार्टियों ने जातीय जनगणना की वकालत की. जातीय जनगणना को लेकर झारखंड में सियासत में भी हलचल है. झारखंड में जातीय जनगणना कराना जरूरी या है नहीं, इस पर राजनीतिक-सामाजिक संगठनों के साथ ही साथ आम लोग, विभिन्न समाज के अगुवा अपनी राय भेज सकते हैं.

**नोट** पाठक 50 से 75 शब्दों में अपनी राय नाम, रंगीन पासपोर्ट साइज फोटो के साथ वाट्स एप नंबर 8102917469 पर भेजें. आपकी राय 14 अक्टूबर के अंक में प्रकाशित की जाएगी.

## ब्रीफ खबरें

### वन अधिकार समिति गठित, मनोज बने अध्यक्ष

**बालूमाथ (लातेहार)।** प्रखंड के बसिया पंचायत के पिंडारकोम सामुदायिक भवन में ग्राम प्रधान रामकुमार यादव की अध्यक्षता में ग्रामीणों की बैठक की गयी. बैठक में डीसी लातेहार के पत्रांक 1597 के आलोक में अबुआ वीर दिशोम अभियान- 2023 के क्रियान्वयन को लेकर वन अधिकार समिति का पुनर्गठन किया गया. 15 सदस्यीय वन समिति के सदस्यों का सर्वसम्मति से चयन किया गया. चयनित सदस्यों में मनोज यादव, गंगेश्वर यादव, सोमन यादव, सुरेश यादव , मनोज राम, मनोज यादव, सुरेंद्र यादव, उपेंद्र यादव, प्रयाग गंझू ,उमेश राम व फूलमती देवी का नाम शामिल है.

### विकास भवन के रिकॉर्ड रूम में लगी आग

**धनबाद।** झरिया के बस्ताकोला क्षेत्र अंतर्गत बीसीसीएल एरिया 9 के क्षेत्रीय कार्यालय विकास भवन के रिकॉर्ड रूम में गुरुवार को अचानक आग लगने से क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई. कार्यालय में कार्यरत सभी कर्मी बाहर निकल गए. कुछ कर्मियों ने कार्यालय में रखे सीजफायर यंत्र से आग पर काबू पाने का काफी प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं हुए. इसके बाद अधिकारियों ने आग लगने की सूचना बस्ताकोला स्थित माइंस रेस्क्यू स्टेशन व झरिया फायर विभाग को फोन पर दिया. सूचना मिलते ही माइनस रेस्क्यू की टीम व दमकल की 4 गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने की प्रक्रिया में जुट गई .

### समाजसेवी चरित्र चंद्रवंशी का निधन

**पांडू।** पलामू पांडू प्रखंड के समाजसेवी चरित्र चंद्रवंशी का निधन हो गया. उनकी कमर की हड्डी टूट गई थी. बीते एक महीने से रांची के गोल्ड मोहर अस्पताल में डॉक्टर अंचल कुमार की देखरेख में उनका इलाज चल रहा था. उनका ऑपरेशन भी हुआ था. ऑपरेशन सफल रहा, लेकिन मंगलवार को अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई और निधन हो गया. वह 90 साल के थे. उनके निधन की खबर को सुनकर पांडू क्षेत्र में शोक की लहर है. मौके पर पांडू बाजार के शिवम खाद भंडार के शिवनाथ प्रसाद गुप्ता, पांडू पंचायत की मुखिया प्रियंका कुमारी, पांडू प्रखंड प्रमुख नीतू सिंह, जिला परिषद सदस्य मीना देवी, डॉक्टर हीरालाल कश्यप, राधेश्याम गुप्ता, रिजवान मोबाइल, श्याम नारायण साहू समेत बाजार के सभी व्यापारियों ने शोक व्यक्त किया.

एलबीएसएम में टाटा मोटर्स क्वेस कॉर्प के माध्यम से अप्रेंटिसशिप का किया गया आयोजन

# एलबीएसएम कॉलेज के 72 विद्यार्थी हुए शार्टलिस्टेड

संवाददाता । जमशेदपुर

कार्यक्रम को संबोधित करते अतिथि.

जमशेदपुर के करनडीह स्थित लाल बहादुर शास्त्री मेमोरियल (एलबीएसएम) कॉलेज में टाटा मोटर्स क्वेस कॉर्प एचआर के माध्यम से अप्रेंटिसशिप का आयोजन किया गया. इसमें मुख्य अतिथि के रूप में पोटका विधानसभा क्षेत्र के विधायक संजीव सरदार उपस्थित थे. उन्हें कॉलेज के प्राचार्य डॉ एके झा ने अंगवस्त्र और पौधा भेंट कर सम्मानित किया. संजीव सरदार ने कहा कि कॉलेज लगातार प्रगति के पथ पर अग्रसर है. उन्होंने प्राचार्य की दृढ़ इच्छाशक्ति की सराहना की. उन्होंने कॉलेज में बड़े पैमाने पर रोजगार मेला का आयोजन करने की बात कही. उन्होंने सरकार की योजनाओं की जानकारी देते हुए इसका लाभ छात्र-छात्राओं तक पहुंचाने के उपायों की चर्चा की. उन्होंने छात्रों से कहा कि वे लक्ष्य निर्धारित कर पढ़ाई पढ़ाई करें.

टाटा मोटर्स क्वेस कॉर्प के अधिकारी सुमित दत्ता ने कहा कि छात्र अप्रेंटिसशिप के दौरान लर्न के साथ अर्न भी करेंगे. छात्रों को माइक्रोट्रॉनिकस की पढ़ाई कराई जायेगी. इस दौरान छात्रों को कंपनी की ओर से सारी सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी. कॉलेज के प्राचार्य डॉ अशोक कुमार झा ने खुशी जताते हुए टाटा मोटर्स के अधिकारी और प्लेसमेंट को-ऑर्डिनेटर प्रो अरविंद पंडित, प्रो सुष्मिता धारा तथा जया कच्छप की सराहना की. उन्होंने बताया कि आने वाले समय में रोजगार मेला और कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन किया जाएगा.

प्रो अरविंद पंडित ने बताया कि 72 छात्र-छात्राओं को शॉर्टलिस्टेड किया गया है, जिन्हें कंपनी आवश्यकता के अनुसार एक सप्ताह के अंदर ऑफर लेटर भेजेगी. इस अवसर पर डॉ विनय कुमार गुप्ता, प्रो विनोद कुमार, डॉ अजेय वर्मा, प्रो पुरुषोत्तम प्रसाद, डॉ विजय प्रकाश, प्रो अरविंद पंडित, प्रो संतोष राम, डॉ मौसमी पॉल, डॉ सुष्मिता, डॉ जया कच्छप, डॉ प्रशांत, प्रो प्रमिला, प्रो सलोनी, रंजनी, डॉ सुधीर कुमार, प्रो मोहन साहू, डॉ संतोष कुमार समेत सभी शिक्षक मौजूद थे.

**छात्र प्रसन्न**

- पोटका विधायक को पौधा भेंट देकर सम्मानित किया
- विद्यार्थी अप्रेंटिसशिप के दौरान अर्न भी करेंगे

## आओ जानें

### सामान्य ज्ञान

- झारखंड विधानसभा का प्रथम उपाध्यक्ष – बागुन सुम्ब्रई
- किस राज्य में नीर महल जल महोत्सव का आयोजन हुआ – त्रिपुरा
- छठी शताब्दी ईसा पूर्व में अमीर किसानों को क्या कहा जाता था – गहपति
- मृगावानी राष्ट्रीय उद्यान किस प्रदेश में है – तेलंगाना
- भारत ने किस देश से रक्षा संबंधों को बढ़ावा देने के लिए समझौता किया – इटली
- मनुष्य को प्रतिदिन कितनी मात्रा में आयोडीन मिलनी चाहिए – 80 ग्राम
- किस वाकाटक राजा ने सम्राट की उपाधि धारण की थी – प्रवरसेन
- गायों में मैड काऊ रोग का कारक कौन है – प्रिऑन
- किस बैंक ने ओएनडीसी नेटवर्क गिफ्ट कार्ड लॉन्च किया – यस बैंक
- झारखंड में घासी सिंह किस पीर का नेता था – गुमला पीर

आईआईटी आईएसएम में कौशल दीक्षांत समारोह का सीधा प्रसारण

# आईआईटी आईएसएम के 27 लाभार्थी हुए सम्मानित

संवाददाता। धनबाद

कौशल दीक्षांत समारोह का वसंत कुंज, नई दिल्ली से आईआईटी (आईएसएम) में समारोह के दौरान आईआईटी (आईएसएम) द्वारा संचालित सहायक खान सर्वेक्षक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के 27 लाभार्थियों को सम्मानित किया गया. कौशल दीक्षांत समारोह- वार्षिक कौशल दीक्षांत समारोह की लाइव स्ट्रीमिंग गुरुवार 12 अक्टूबर को सुबह 11 बजे से एआईसीटीई ऑडिटोरियम वसंत कुंज, नई दिल्ली से आईआईटी (आईएसएम) के स्वर्ण जयंती व्याख्यान थियेटर में प्रोफेसर धीरज कुमार, उप निदेशक की उपस्थिति में आयोजित की गई. इसमें डीन मीडिया और ब्रांडिंग प्रोफेसर रजनी सिंह, प्रोफेसर डीपी मिश्रा, प्रमुख खनन इंजीनियरिंग विभाग और प्रोफेसर सुनील कुमार उपस्थित थे.

कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई 4.0) के तहत आयोजित सहायक खान सर्वेक्षक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के 16वें सप्ताह के कुल 27 लाभार्थियों को भी सम्मानित किया गया और उन्हें प्रमाण पत्र सौंपे गए. भूली निवासी अनीश कुमार सहायक खान सर्वेक्षक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के लाभार्थियों में से एक हैं, ने भी एआईसीटीई ऑडिटोरियम वसंत कुंज, नई दिल्ली में आयोजित कौशल दीक्षांत समारोह- वार्षिक कौशल दीक्षांत समारोह के दौरान प्रमाण पत्र प्राप्त किया.

बता दें कि युवाओं की रोजगार क्षमता को बढ़ाने के लिए पीएमकेवीवाई 4.0 के तहत राष्ट्रीय कौशल विकास निगम द्वारा "सहायक खान सर्वेक्षक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम" के लिए आईआईटी (आईएसएम) को नोडल केंद्र के रूप में चुना गया है. संस्थान का लक्ष्य युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान करना है. 2023-24 के दौरान 300 उम्मीदवार थे. 330 घंटे का 16 सप्ताह का प्रशिक्षण, जिसका उद्घाटन इस वर्ष 17 अप्रैल को किया गया था. 20 से 45 वर्ष की आयु के 10 2 या समकक्ष शैक्षिक योग्यता वाले किसी भी बेरोजगार युवा और कॉलेज छोड़ने वाले युवाओं के लिए है. प्रशिक्षण के पहले सत्र के लिए संस्थान को प्राप्त 78 आवेदनों में से 53 को कार्यक्रम के लिए चुना गया, जिन्हें तीन अलग-अलग बैचों में प्रशिक्षण प्रदान किया गया. प्रशिक्षण के अगले सत्र का संभावित सत्र 06 नवंबर 2023 से 15 फरवरी 2024 तक है.

**समारोह संपन्न**

- संस्थान में 2023-24 के दौरान 300 उम्मीदवार थे
- संस्थान को मिले 78 आवेदनों में से 53 को चुना गया

### घर में युवक-युवती का मिला शव, जांच शुरू

**रांची।** बरियातू थाना क्षेत्र के चिरौंदी में गुरुवार सुबह एक घर से युवक-युवती का शव बरामद हुआ है. घर मालिक ने मामले की जानकारी बरियातू थाना पुलिस को दी. सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने घटना के संबंध घर मालिक व आसपास के लोगों से पूछताछ कर जानकारी ली. एफएसएल की टीम को भी मौके पर बुलाया गया. एफएसएल टीम ने भी घर से साक्ष्य इकट्ठा कर सैंपल लिया. घर के जिस कमरे से युवक और युवती के शव मिले हैं, वह अंदर से बंद था. मृत युवती की पहचान गुमला की रहने वाली अन्नू टोप्पो के रूप में हुई है, जबकि खबर लिखे जाने तक युवक की पहचान नहीं हो सकी थी. पुलिस हर पहलु पर जांच कर रही है. जानकारी के मुताबिक, युवती अन्नू चिरौंदी में रंजन सोरेन नामक व्यक्ति के घर में किरायेदार के रूप में पिछले चार महीने से रह रही थी.

## बच्ची के दोनों पैरों का मंत्री जोबा ने रिम्स में कराया ऑपरेशन

अजय सिंह । मनोहरपुर

रिम्स रांची में एक अबोध बच्ची के आपस में जड़े दो पैरों का सफल ऑपरेशन गुरुवार को हुआ. का सर्जिकल ऑपरेशन महिला कल्याण, बाल विकास सह सामाजिक सुरक्षा विभाग की मंत्री जोबा माजी के प्रयास से संभव हुआ है. पीड़ित बच्ची पश्चिम सिंहभूम जिला अंर्तगत मनोहरपुर पूर्वी पंचायत के गांव बांधटोली के रहने वाले सच्चिदानंद नायक की पौने दो साल की बच्ची दीपिका नायक है.

शिशु अवस्था में ही दीपिका के दोनों पैर जल गये थे, जिसके कारण उसके दोनों पैर आपस में जुड़ गये थे. बच्ची के माता-पिता ने अपने स्तर से मनोहरपुर सीएचसी एवं राउरकेला आरजीएच अस्पताल में उसका इलाज कराया. पैर का जख्म तो ठीक हो गया पर जलने से पीड़ित बच्ची के दोनों पैर आपस में जुड़े हुए थे. बच्ची के पिता की आर्थिक माली हालात अच्छी नहीं है. इसके चलते बड़े अस्पताल में बच्ची का इलाज कराना संभव नहीं हो पा रहा था. ऐसे में मनोहरपुर के स्थानीय झामुमो कार्यकर्ता मो उमर और अजहर अली ने उस बच्ची का इलाज के लिए मंत्री जोबा माजी से बात की.

## अमृत कलश भर मेरी माटी मेरा देश का संदेश दिया

संवाददाता। हजारीबाग

गौतम बुद्ध शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, मुकुंदगंज के एनएसएस कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को रैली निकाल कर ग्रामीणों में देशप्रेम का जज्बा भरा. आजादी के अमृत महोत्सव के तहत निकाली गई रैली में आजादी के महानायकों एवं वीर शहीदों के अविस्मरणीय योगदान को याद कर उन्हें नमन किया गया. वहीं अमृत कलश में गांव की मिट्टी भर मेरी माटी मेरा देश का संदेश भी बिखेरा.तत्पश्चात, अमृत कलश को कॉलेज में बनी अमृत वाटिका में सुरक्षित रखा गया. इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. अरविंद कुमार ने कहा कि मातृभूमि की सेवा और रक्षा में प्राण न्यौछावर करने का सौभाग्य देश के हर नागरिकों के मन में होना चाहिए. जिन वीर सेनानियों के कारण हम आज आजादी की खुली हवा में सांस ले रहे हैं, उनके हम आजीवन ऋणी हैं. अंत में प्रशिक्षुओं को प्राचार्य ने पंच प्रण की शपथ दिलाई. मौके पर सहायक प्राध्यापिका बसुंधरा कुमारी, कुमारी अंजलि, डॉ. पुष्पा कुमारी मौजूद थे.

### एसयूसीआई ने अंचल कार्यालय को सौंपा ज्ञापन

**आदित्यपुर।** सोशलिस्ट यूनिटी सेंटर ऑफ इंडिया (कम्युनिस्ट) आदित्यपुर नगर कमेटी के प्रतिनिधिमंडल ने प्रखंड सह अंचल कार्यालय गम्हरिया में गुरुवार को ज्ञापन सौंपा. ज्ञापन में राशन कार्डधारियों को हो रही समस्या के संदर्भ में 10 सूत्री मांग सौंपा गया है. ज्ञापन में कहा गया है कि आदित्यपुर की घनी आबादी वाले क्षेत्र में 80% गरीब और मेहनतकश परिवार रहते हैं. इन्हें विगत वर्ष से राशन में अनियमितता और नए आवेदित जरूरतमंदों को राशन कार्ड नहीं मिलने से राशन नहीं मिल रहा है. एसयूसीआई (कम्युनिस्ट) पार्टी इसे गंभीरता से लेते हुए जनता की ओर से 10 सूत्री मांग पत्र सौंपा है. मांग पत्र में कहा गया है कि जन वितरण प्रणाली के तहत मिलने वाले अनाज हर गरीब कार्डधारियों को हर माह नियमित तथा पूरा राशन देने की गारंटी दी जाए. फिंगर स्कैन/बायोमेट्रिक करने के साथ-साथ तुरंत राशन का वितरण होना चाहिए.

## अनाज कटौती की शिकायत के बाद एमओ ने की जांच

**शुभम संदेश इंपैक्ट**

संवाददाता। तिसरी (गिरिडीह)

तिसरी प्रखंड अंतर्गत सिंघो पंचायत के गोसाईमहरी गांव में डीलर पर कम अनाज देने का आरोप लगा था. इसके बाद प्रखंड खाद्यान्न आपूर्ति पदाधिकारी पवन सिन्हा ने इसकी जांच की. इस दौरान डीलर को पूरा अनाज देने का निर्देश दिया गया. इस दौरान सिंघो मुखिया मो. हासिमुद्दीन की उपस्थिति में स्थानीय डीलर इनायत अली के द्वारा कार्डधारियों के बीच प्रत्येक यूनिट पांच किलो अनाज का वितरण किया गया. इसे लेकर शुभम संदेश ने खबर प्रकाशित की थी. इसके बाद एमओ हरकत में आए.

## उच्च विद्यालय में 10 छात्राएं बेहोश

संवाददाता । बहरागोड़ा

बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के कुम्हारडुबी उच्च विद्यालय में गुरुवार को कक्षा नौवीं और 10वीं की 10 छात्राएं अचानक बेहोश हो गईं. सभी को फौरन स्कूल के शिक्षक और ग्रामीणों ने पुलिस वाहन तथा एम्बुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहरागोड़ा पहुंचाया. वहां सभी का इलाज चल रहा है. सभी छात्राएं खतरे से बाहर हैं. विद्यालय के प्रधानाध्यापक अविनाश पांडे ने बताया कि एक छात्रा बेहोश हो गई थी. उसे बेहोश देश अन्य नौ छात्राएं डर से बेहोश हो गईं. जब यह घटना घटी तब कक्षा नौवीं में अंग्रेजी व 10वीं में बंगाली और संस्कृत की कक्षाएं चल रही थीं. छात्राएं बेहोश हुईं तो तुरंत उन्होंने एएनएम को बुलाकर स्वास्थ्य जांच कराया गया. अभिभावक तथा जिला शिक्षा पदाधिकारी को इस संदर्भ में सूचना दी गई. सूचना मिलते ही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष सरोज महापात्र पहुंचे और सभी का हाल-चाल जाना. वहीं झामुमो के केंद्रीय सदस्य आदित्य प्रधान मौके पर पहुंचकर विटामिन का वितरण किया. स्कूल की कोयल प्रामाणिक, उर्मिला मुंडा, रिश्ना साव, कृष्णा, पायल बिसाई, सरस्वती पोलाई, अष्टमी नायेक, संगीता मंडल आदि छात्राएं अस्पताल में भर्ती हैं.

**इलाज जारी**

- सभी को एंबुलेंस से बहरागोड़ा सीएचसी लाया गया
- एक छात्रा को बेहोश होते देखकर बाकी बेहोश हो गई

**कोयलांचल** बीसीसीएल की नगदा माइंस पर कब्जा कर बड़े पैमाने पर अवैध कोयले का उत्खनन करा रही है जोड़ी

# कोयले के अवैध कारोबार में दुबे-अंसारी बने हैं नंबर वन

मिथिलेश। धनबाद

एक तरफ कोयलांचल में बीसीसीएल कोयला उत्पादन में हर साल नए कीर्तिमान बना रहा है, तो दूसरी ओर यहां बीसीसीएल और जिला प्रशासन के तमाम प्रयासों के बावजूद कोयले का अवैध कारोबार खूब फल-फूल रहा है. इस कारोबार में दो नया नाम जुड़ चुका है, जिनकी चर्चा धनबाद जिला ही नहीं पूरे राज्य में होने लगी है. धनबाद के बाघमारा क्षेत्र में इन दोनों की जोडी को लोग दुबे और अंसारी के नाम से जानते हैं. बंद खदानों से अवैध कोयला की निकासी से लेकर कोयले की ढुलाई का का धंधा दोनों मिल कर कर रहे हैं. बताया जाता है कि विगत कुछ ही सालों में महुदा क्षेत्र के बंद नगदा खदान के अलावा कतरास के छाताटांड़ और सोनारडीह में इनका अवैध कारोबार तेजी से आगे बढ़ा है.

**रांची रिंग रोड किनारे एक एकड़ जमीन खरीदी :** सूत्रों के अनुसार, दुबे और अंसारी की जोड़ी अवैध कोल तस्करी से करोड़ों रुपये की संपत्ति अर्जित कर चुकी है. दोनों ने रांची रिंग रोड में एक एकड़ जमीन खरीदी है. इस जमीन पर मॉल भी बनाया जा रहा है. कभी समान्य जिंदगी जीने वाले दुबे के पास स्कार्पियो, थार समेत कई महंगी गाड़ियां हैं. हाल हीं में दुबे ने मटकुरिया रोड में एक फ्लैट खरीदकर किसी को गिफ्ट किया है. चंद माह में उसने करोड़ों की संपत्ति बना ली है. दुबे का इन दिनों जीटी रोड के एक रिसॉर्ट में ही ठिकाना है.

**दोनों ऐसे बने अवैध करोबार के बादशाह :** जानकारों की माने तो दुबे मूलतः बिहार का रहने वाला है, वहीं अंसारी महुदा क्षेत्र के कुंजी गांव का रहने वाला है. ये दोंनो मुख्य रूप से गणेश यादव के लिए काम करते हैं. इनके अलावा इस काम में गुडडू, बाबा, कमल मुखिया, प्रदीप आदि भी शामिल हैं. मजदूरों के दिहाडी से लेकर कोयले के जाली कागाजात बनाने का काम ये लोग करते हैं. अवैध कोयले को 18 चक्का ट्रक से बिहार व उत्तर प्रदेश की अलग -अलग मंडियों में भेजा जाता है. प्रतिदिन 20 से 25 ट्रक कोयला यह गैंग निकाल रहा है.

**सब में बंटती है बराबर की हिस्सेदारी**

पुलिसिया सख्ती के बावजूद बीसीसीएल की नगदा माइंस पर कब्जा कर दुबे व अंसारी बड़े पैमाने पर अवैध कोयले का उत्खनन करा रहे हैं. दर्जनों मजदूरों के साथ-साथ जेसीबी से दिन रात नगदा की बंद माइंस का मुहाना खोलकर कोयला निकाला जा रहा है. एक तरह दोनों इस माइंस का मालिक बन बैठे हैं. इसके अलावा इनकी सोनारडीह में तीन अवैध माइनिंग स्पॉट चल रही है. कतरास के छाताटांड़ में एक अवैध माइंस चल रहा है. बीसीसीएल, सीआईएसएफ और जिला प्रशासन द्वारा इनके खिलाफ कभी सख्त कार्रवाई नहीं की जाती है. बाताया जाता है दुबे व अंसारी ने तो अब धनबाद के अलावा गिरिडीह जिला में भी सबको सेट कर रखा है.

## पेज 1 का शेष...

### जाति न पूछो साधु की...

60 के दशक में पिछड़ों के बारे में काका कालेलकर समिति की रिपोर्ट कांग्रेस की कृपा से ही आई थी और उसी की कृपा से अलमीरा में बंद हो गयी. फिर आई मंडल कमीशन की रिपोर्ट. विस्तृत अध्ययन और सिफारिशों के साथ. कांग्रेस ने उसे भी लागू नहीं किया. तब विश्वनाथ प्रताप सिंह भी कांग्रेस में ही थे. लेकिन जब उन्होंने बोफोर्स दलाली कांड का बवंडर खड़ा कर राजीव गांधी की रोड रोलर बहुमतवाली सरकार की चूलें हिला दीं और भाजपा व वाम मोर्चा के बाहरी समर्थन से प्रधानमंत्री बन गए, तब उन्होंने दो बड़े काम किए. एक मंडल कमीशन की सिफारिशें लागू कर दीं और दूसरा मोहम्मद साहब के जन्मदिन पर सार्वजनिक अवकाश की घोषणा कर दी. ये दोनों घोषणाएं निखालिस सियासी थीं. ये घोषणाएं उन्होंने चौधरी देवीलाल की बगावत को भुस्स करने के लिए की थी. लेकिन उनकी सरकार औंधे मुंह गिर गयी. मंडल कमीशन की सिफारिशें लागू होने से देश में बवाल मच गया. बिहार और उत्तर प्रदेश में राजनीति की नई नर्सरियां तैयार हो गयीं. लेकिन अगले आम चुनाव (1991) में वीपी सिंह का जनता दल साफ हो गया. वीपी सिंह खुद अप्रासंगिक हो गए और फिर जनता दल भी खंड-खंड होकर अलग-अलग नेताओं की जागीर बन गया. तब कांग्रेस ने अल्पमत की सरकार बनाई, जुगाड़ से चलाई भी और भाजपा की सीटें पहली बार 100 पार कर गयीं.

अब आइए बिहार पर. 1990 से आज तक बिहार का शासन सूत्र दो महान पिछड़े नेताओं लालू प्रसाद और नीतीश कुमार के हाथों में है. फिर भी यदि बिहार में पिछड़ों की स्थिति नहीं सुधरी है और बिहार की गिनती अराजक राज्यों में हो रही है, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है ? क्या लालू अपने परिवार के बाहर और नीतीश कुमार किसी दूसरी पिछड़ी जाति के नेताओं के लिए सत्ता छोड़ेंगे ? अगर बिहार में 14 फीसदी यादव हैं, तो वर्तमान सरकार में उनकी हिस्सेदारी करीब 30 फीसदी क्यों है ? ये सवाल उठेंगे और उठ रहे हैं. पौने तीन प्रतिशत आबादी वाले कुर्मी के नेता नीतीश कुमार किसी कोइरी, धानुक, बनिया के लिए कुर्सी कब खाली करेंगे ? कांग्रेस ने तो कभी किसी खांटी पिछड़े को प्रधानमंत्री नहीं बनाया. देवगौड़ा को बनाया भी, तो सिर्फ नौ महीने में गिरा दिया. सीताराम केसरी को कितना बेइज्जत कर कांग्रेस अध्यक्ष पद से हटाया गया, यह जग जाहिर है. कांग्रेसी अपने एकछत्र शासनकाल के समय के मुख्यमंत्रियों की सूची जारी कर बताते क्यों नहीं कि उन्होंने पिछड़ों के साथ कितना न्याय किया है ? दरअसल पिछड़ों का सवाल संसोपा ( संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी ) उठाया करती थी. संसोपा ने बांधी गांठ, पिछड़ा पावै सौ में साठ का नारा डॉ राममनोहर लोहिया का था. प्रसोपा ( प्रजा सोशलिस्ट पार्टी ) भी इसकी हिमायती थी. वामपंथी सदैव अमीर-गरीब की बात करते थे. शायद आज भी करते हैं. लेकिन अब वे लगभग बिला गए हैं और समाजवाद का झंडा घोर कुनबापरस्तों और खांटी जातिवादियों ने उठा लिया है. इसलिए सब गड्डमड्ड हो गया है. क्या ही अच्छा होता कि अगले चुनाव में नरेंद्र मोदी बनाम नीतीश कुमार हो जाए ? वैसे भी इंडी गठबंधन में नीतीश कुमार, अखिलेश यादव और स्टालिन ही पिछड़े नेता हैं. इससे नीतीश की अतृप्त आत्मा भी शांत हो जाएगी, लालू प्रसाद भी अपने चश्मे चिराग को मुख्यमंत्री बना लेंगे और यह साफ भी हो जाएगा कि पिछड़ों का नेता आखिर है कौन ? कबीरदास कह गए हैं -जाति न पूछो साधु की, पूछ लीजिए ज्ञान. लेकिन यहां तो बात सियासत की है और सियासत तवायफ का दुपट्टा है, जो किसी के आंसुओं से नम नहीं होता है.

### नेतन्याहू की फिलिस्तीन...

इसके अलावा, श्नाइडर कहते हैं, " ऐसा ही संदेश दक्षिणपंथी टिप्पणीकारों ने भी दोहराया था, हो सकता है कि उन्हें इस पर ब्रीफिंग मिली हो या उनकी लिकुड पार्टी के उच्चाधिकारियों से बात हुई हो, जिससे उन्होंने नेतन्याहू के संदेश को समझा हो. " नेतन्याहू के कुछ विश्वासपात्रों ने भी ऐसा ही कहा है, जैसा कि बाहरी विशेषज्ञों ने भी माना है.

इन सब बातों पर गौर करें, तो ये बातें एक बड़ी कहानी बताती हैं कि हमास का हमला नेतन्याहू की दक्षिणपंथी सरकार की बड़ी रणनीतिक विफलता है. यह धारणा कि इज़राइल फ़िलिस्तीनियों को बांट कर, उन्हें जीत कर, उन्हें कुचल कर एक प्रकार के औपनिवेशिक शासक के रूप में अधीन करके अपने नागरिकों को सुरक्षा दे सकता है. ऐसी धारणा अनैतिक और प्रतिकूल दोनों है.

**सुरक्षा का धुर दक्षिणपंथी सिद्धांत विफल हो गया**

बता दें कि 2017 में, इजराइल के दक्षिणपंथी सांसद बेजेलेल स्मोट्रिच ने इजराइल-फिलिस्तीनी संघर्ष को समाप्त करने के लिए एक " महत्वपूर्ण योजना" का प्रस्ताव रखा था. ट्रिच, जो अब नेतन्याहू के मंत्रिमंडल में वित्त मंत्री हैं, ने तर्क दिया था कि संघर्ष की जड़ दो अलग-अलग राष्ट्रीय समूहों द्वारा एक ही भूमि पर दावे को लेकर है. स्मोट्रिच ने दावा किया कि ये महत्वाकांक्षाएं अतुलनीय हैं. दिलचस्प यह है कि इजरायलियों और फिलिस्तीनियों के बीच कभी भी कोई समझौता नहीं हो सकता. ऐसे में शून्य-हानि संघर्ष करके एक पक्ष को जीतना होगा है और दूसरे को हारना. उन्होंने अपने प्रस्ताव में कहा कि इजराइल को जीत दिलाने की सबसे आसान कुंजी है, फिलिस्तीनियों की भावना को तोड़ो.

## ब्रीफ खबरें

### चिकित्सक नहीं होने से महिला की मौत

**नवादा ।** नवादा जिले के रजौली अनुमंडलीय अस्पताल के कुव्यवस्था का शिकार मरीजों को होना पड़ रहा है. इस कड़ी में समय पर इलाज नहीं होने की वजह से एक महिला मरीज की गुरुवार को मौत हो गयी है. जिसके बाद परिजन ने अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ नाराजगी जताई है. जमकर हाल हंगामा किया जमकर हल्ला-हंगामा किया. मिली जानकारी के अनुसार गंभीर स्थिति में अस्पताल पहुंची महिला का करीब 40 मिनट तक इलाज नहीं हो पाया. चिकित्सक ड्यूटी से फरार थे. परिजन डॉक्टर के आने का इंतजार करते रह गये.

### खेलने के दौरान पैर फिसला, दो की मौत

**सुपौल ।** सुपौल में दो अलग-अलग स्थानों पर डूबने से दो बच्चों की मौत हो गई. पहली घटना त्रिवेणीगंज और दूसरी घटना करजाइन थाना क्षेत्र में घटित हुई. हरिहरपट्टी पंचायत स्थित बहेंड़वा नदी में डूबने से एक आठ वर्षीय बच्चे और करजाइन पंचायत स्थित नहर में नहाने के दौरान छह वर्षीय मासूम की मौत हो गई. इससे परिजनों में कोहराम मच गया. सूचना पर पुलिस पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया. दोनों घटनाओं में परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है.

### भारी मात्रा में अवैध सामान बरामद

**अररिया ।** फारबिसगंज थाना पुलिस ने गुरुवार को छुआपट्टी में राजेंद्र साह उर्फ टुनटुन के घर में छापेमारी कर भारी मात्रा में नौसादर और छुआ गुड़ बरामद किया. पुलिस ने अवैध रूप से कारोबार करने वाले राजेंद्र साह उर्फ टुनटुन साह के पुत्र सोनू कुमार साह को भी हिरासत में लिया है.पुलिस ने छापेमारी छुआपट्टी के आरएन दत्ता रोड वार्ड संख्या-16 स्थित उनके घर में ही बने गोदाम में मारी, जहां से 112 बोरा नौसादर और 28 टीन छुआ गुड़ बरामद किया. मुख्य रूप से नौसादर और छुआ गुड़ का इस्तेमाल देशी शराब के निर्माण में किया जाता है.

**ट्रेन हादसे के बाद स्टेशन पर भयावह मंजर**

## आओ जानें

### 2019-20 में उच्च शिक्षण संस्थान की स्थिति

| | |
|---|---|
| विश्वविद्यालयों की संख्या | 35 |
| अंगीभूत महाविद्यालयों की संख्या | 277 |
| स्वायत शोध संस्थानों की संख्या | 15 |
| मान्यता प्राप्त महाविद्यालयों की संख्या | 588 |
| भाषा अकादमिकों की संख्या | 7 |
| कृषि,वन पशु एवं मत्स्य महाविद्यालयों की संख्या | 13 |
| अभियंत्रण महाविद्यालयों की संख्या | 34 |
| पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों की संख्या | 61 |
| विधि महाविद्यालयों की संख्या | 17 |
| चिकित्सा महाविद्यलय की संख्या | 14 |
| दंत चिकित्सा महाविद्यालयों की संख्या | 3 |
| सरकारी बीएड महाविद्यालयों की संख्या | 60 |
| राष्ट्रीय महत्व के संस्थान | 5 |
| राज्यस्तरीय खुला विवि | 1 |
| डीम्ड विवि | 1 |

**बक्सर ट्रेन हादसा : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जताया शोक**

# मृतकों के परिजनों को दिए जाएंगे 14 लाख, घायलों को 50-50 हजार

संवाददाता । पटना

बक्सर के रघुनाथपुर में हुए ट्रेन हादसे के बाद लगातार राहत बचाव का कार्य जारी है. जिला प्रशासन से लेकर रेलवे की टीम मुस्तैदी से जुटी है. घटना के बाद घायलों को छोड़कर स्पेशल ट्रेन से अन्य यात्रियों को भेजा गया. इस बीच रेलवे की ओर से मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये मुआवजा देने की बात कही गई है. घायलों को 50-50 हजार दिए जाएंगे. वहीं बिहार सरकार की ओर से मरने वाले लोगों के परिवारों को 4-4 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी जबकि घायलों को 50-50 दिए जाएंगे. हादसे को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दुख जताया है. मृत लोगों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की. मुख्यमंत्री ने घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है.

दरअसल, जहां रेल हादसा हुआ है वह दानापुर रेल मंडल में आता है. मौके पर दानापुर रेल मंडल के डीआरएम जयंत चौधरी भी पहुंचे. उन्होंने कहा कि रघुनाथपुर रेलवे स्टेशन के पास सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से कुछ घायलों को पटना एम्स और पीएमसीएच रेफर किया गया है. कुछ अभी भी इस अस्पताल में हैं. कई घायलों को डिस्चार्ज कर दिया गया. मौके पर डीआरएम जयंत चौधरी ने बताया कि इस हादसे में 20 डिब्बे पटरी से उतरे हैं. दो बोगियां पलटीं हैं. रेल मंत्रालय की ओर से दुर्घटना की जांच के आदेश दिए गए हैं. जांच टीम रेल मंत्रालय को रिपोर्ट सौंपेगी. जांच के बाद पता चलेगा कि घटना कैसे हुई. हादसे के बाद रेलवे ने अपना काम शुरू कर दिया है. जल्द यातायात व्यवस्था दुरुस्त होगी. हालांकि हादसे की वजह साफ नहीं हो सकी है. ट्रेन की रफ्तार 100 से 120 किमी प्रति घंटा बताई जा रही है.

**क्रेन के माध्यम से मलवा हटाने का काम जारी :** ट्रैक पर डिरेल हुई नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस की बोगियों को क्रेन के माध्यम से हटाने का काम चल रहा है. इसमें कुछ वक्त लग सकता है. इसके चलते कई ट्रेनों के मार्ग बदले गए हैं. कुछ को कैंसिल भी किया गया है. बक्सर रेल हादसे के बाद गुरुवार की सुबह पूर्व मध्य रेलवे की ओर प्रेस विज्ञप्ति जारी कर चार लोगों की मौत और 30 घायल की पुष्टि की गई है. इसी विज्ञप्ति के तहत जानकारी दी गई है कि मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख दिया जाएगा. वहीं घायलों को 50-50 हजार रुपये दिए जाएंगे. रेलवे की ओर से यह भी बताया गया है कि 30 लोगों में 5 गंभीर रूप से जख्मी हैं जबकि 25 साधारण रूप से घायल हैं. बताया गया कि घायलों का इलाज रघुनाथपुर, बक्सर, आरा और पटना में चल रहा है.

**घायलों को पटना रेफर किया जा रहा है : डीएम**

इससे पहले हादसे के बाद बक्सर के डीएम अंशुल अग्रवाल ने कहा था कि करीब 80 से 100 लोग घायल हुए हैं. इसमें से कुछ यात्रियों को पटना रेफर किया गया था. वहीं जिन चार लोगों की मौत हुई है उनकी लिस्ट जारी की गई है. चारों की पहचान हो गई है. घटना के बाद सबसे पहले आसपास के लोग ही मौके पर पहुंचे. स्थानीय लोगों ने भी राहत बचाव में मदद की. इसके बाद जिला प्रशासन की टीम के साथ एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीम भी जुट गई.

### हादसे के बाद 22 ट्रेन का बदला रूट.. 13 कैंसिल

बताया जा रहा है कि नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस की 21 बोगियां बेपटरी हो गई. हादसे में कई लोगों की मौत हो गई है तो कई लोग जख्मी हैं. रेलवे प्रशासन के तरफ तमाम राहत कार्य किया जा रहा है. हालांकि यह घटना डीडीयू पटना रेल खंड पर हुई है जिसके कारण 13 ट्रेनों को रद्द किया गया है और 19 ट्रेनों का मार्ग परिवर्तन किया गया है. गुरुवार को पटना से वाराणसी जाने वाली ट्रेन 15124 जनशताब्दी को रद्द कर दिया गया है. वाराणसी पटना पैसेंजर 15125 को रद्द कर दिया गया है. 03230 पटना पूरी स्पेशल को रद्द किया गया है. 03620 सासाराम आरा पैसेंजर को रद्द किया गया है. 03617 आरा बीबीयू को रद्द किया गया है .03203 पटना डीडीयू पैसेंजर रद्द रहेगी. 03375 पटना बक्सर पैसेंजर रद्द रहेगा.

# स्वर्ण व्यवसायी के बेटे का अपहरण

**20 लाख मांगी फिरौती, 3 लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया**

संवाददाता । बेतिया

पैसों के लिए बदमाशों ने बेतिया में एक 14 साल के छात्र का अपहरण कर लिया है. मामला बेतिया के कुमारबाग ओपी क्षेत्र का है. रानीपुर रमपुरवा निवासी स्वर्ण व्यवसायी नगनारायण साह का पुत्र आशीष कुमार पढ़ने के लिए बुधवार को स्कूल गया था लेकिन लौटा नहीं. अपहरण के बाद बदमाशों ने छात्र के पिता के मोबाइल पर फोन कर 20 लाख रुपये की फिरौती मांगी. फिरौती नहीं देने पर अंजाम भुगतने की धमकी भी दी है. इस मामले में छात्र की बरामदगी को लेकर एसडीपीओ समेत कई थाने की पुलिस छापेमारी कर रही है. एसपी डी अमरकेश मामले की खुद मॉनिटरिंग कर रहे हैं. पिता नगनारायण ने बताया कि उनका बेटा आशीष बुधवार को कुमारबाग हाई स्कूल गया था. छुट्टी के बाद घर नहीं आया. काफी खोजबीन की गई लेकिन कुछ पता नहीं चला.

बताया जा रहा है कि आशीष का बैग और साइकिल स्कूल में मिला है. छात्र जब स्कूल से नहीं लौटा तो शाम के करीब सात बजे के आसपास एक नंबर से आशीष के पिता के मोबाइल पर फोन आया. फोन करने वाले ने धमकाते हुए कहा कि उनका बेटा उन लोगों के कब्जे में सुरक्षित है. यह भी कहा कि गुरुवार (12 अक्टूबर) 12 बजे तक 20 लाख रुपये का प्रबंध कर लिया जाए. पैसों का इंतजाम हो जाने पर बताई गई जगह पर उसे पहुंचाना है. कुछ ही देर के अंदर में चार-पांच बार फोन किया गया था.

गुरुवार की सुबह एसपी कुमारबाग ओपी पहुंचे. बेतिया एसपी ने बताया कि छात्रों द्वारा बताया गया कि आशीष दीवार से फांद कर भाग गया है. एसडीपीओ महताब आलम ने बताया कि मामले की जांच चल रही है.

### छत पर सोए दो लोगों की गला रेतकर हत्या

**रोहतास ।** बड्डी ओपी थाना इलाके के आलमपुर गांव में दो लोगों की हत्या कर दी गई. मृतकों की पहचान नन्हक पासवान और सज्जन राय के रूप में की गई है. नन्हक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि घायल सज्जन राय को लोग इलाज के लिए सासाराम सदर अस्पताल लेकर गए जहां उसने भी दम तोड़ दिया. मंदिर की छत की छत पर ये दोनों सोए थे. जानकारी के मुताबिक, ये लोग ज्यादातर मंदिर में ही रहते थे और यहां की व्यवस्था एवं साफ-सफाई का काम देखते थे.

**जमीन विवाद में युवक को गोली मारी**

# गुस्साए लोगों ने आरोपी को पीट-पीटकर मार डाला

**खगड़िया ।** खगड़िया में जमीन विवाद में हत्या का मामला थामने का नाम नहीं ले रहा है. दो दिन के भीतर दो लोगों की मौत से गांव में दहशत है. दरअसल मंगलवार को एक युवक की गोली मारकर हत्या हुई थी. बुधवार को आक्रोशित ग्रामीणों ने आरोपी की जबरदस्त पिटाई कर दी. जिससे उसकी इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई. सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की तफ्तीश में जुट गई. मृत अरोपी मुंगेर जिला के टीकारामपुर गांव का रहने वाला है. गोगरी डीएसपी ने कहा कि पुराने जमीन को लेकर दो भाइयों में पूर्व से ही विवाद चल रहा था. इसी को लेकर हत्या की आशंका जताई जा रही है. बहरहाल पहले वीर प्रकाश की हत्या और उसके बाद पकड़े गए आरोपी की ग्रामीणों द्वारा पिटाई के बाद मौत की घटना से इलाके में दहशत है.

## कारोबार

### थेरेप्यूटिक्स के साथ लाइसेंसिंग समझौता

**नयी दिल्ली ।** ग्लेनमार्क फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली शाखा इचनोस साइंसेज ने सूजन तथा प्रतिरक्षा रोगों के वास्ते इस्तेमाल की जाने वाली उसकी ओएक्स40 के लिए एस्ट्रिया थेरेप्यूटिक्स के साथ एक विशेष विश्वव्यापी लाइसेंसिंग समझौते पर हस्ताक्षर किए है. समझौते के तहत उसे 32 करोड़ अमेरिकी डॉलर मिलेंगे. ग्लेनमार्क द्वारा शेयर बाजार को दी जानकारी में इचनोस साइंसेज ने कहा कि इस समझौते के निष्पादन के साथ इचनोस ने सूजन और प्रतिरक्षा संबंधी बीमारियों के लिए अपनी दो दवाओं का लाइसेंस दिया है.

### जेएसडब्ल्यू एनर्जी से परियोजना का मिला ठेका

**नयी दिल्ली ।** एनविजन एनर्जी को जेएसडब्ल्यू एनर्जी से 653.4 मेगावाट की पवन परियोजना का ठेका मिला है. एनविजन एनर्जी की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, इस परियोजना के 2024 के अंत तक चरणबद्ध तरीके से शुरू होने और स्वच्छ ऊर्जा की 2,200 गीगावाट (जीडब्ल्यूएच) इकाइयों का उत्पादन करने की उम्मीद है. यह भारत के शुद्ध-शून्य उत्सर्जन लक्ष्यों को प्राप्त करने में योगदान देगी. कंपनी ने कहा कि जेएसडब्ल्यू एनर्जी के साथ साझेदारी कर्नाटक और महाराष्ट्र में नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी.

### डेटा सेंटर में होगा 10 अरब डॉलर का निवेश

**नयी दिल्ली ।** इंटरनेट तक पहुंच में भारी उछाल आने के साथ स्टोरेज क्षमता के लिए बढ़ती मांग को देखते हुए अगले तीन साल में डेटा सेंटर में 10 अरब डॉलर का निवेश होने की संभावना है. उद्योग मंडल सीआईआई और कोलियर्स इंडिया ने बृहस्पतिवार को मुंबई में आयोजित सम्मेलन रियल एस्टेट क्षेत्र में प्रौद्योगिकी के दौरान जारी रिपोर्ट 'इंडिया डेटा सेंटरः एंटरिंग क्वांटम ग्रोथ फेज' में यह बात कही है. रिपोर्ट में कहा गया, कोविड महामारी के बाद भारत के डेटा सेंटर बाजार में अच्छी वृद्धि हुई है. इसमें 2020 के बाद कुल सात अरब डॉलर का निवेश हुआ है.

**स्पेस इकोनॉमी में भारत का हिस्सा 10% तक पहुंच जाने का अनुमान है**

# लगातार बढ़ रही है भारत की स्पेस इकोनॉमी

एजेंसी । नई दिल्ली

समय के साथ उत्पाद की मांग बढ़ती है. जिसकी मांग सबसे अधिक होती है उत्पादक उसी पर अपना ध्यान केंद्रित करता है. इसमें सिर्फ ऊर्जा, वाहन और खाद्य पदार्थ का ही क्षेत्र नहीं आता है, बल्कि अंतरिक्ष भी है. जो व्यवसायिक दृष्टिकोण से अहम माना जा रहा है. स्पेस इकोनॉमी का आकार बहुत ही तेजी से बढ़ रहा है और भारत की उपस्थिति इसमें तेजी से बढ़ रही है.

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, साल 2010 में दुनिया की स्पेस इकॉनमी करीब 277 अरब डॉलर थी. यह साल 2022 में बढ़कर 546 अरब डॉलर हो गई थी. स्पेस इकॉनमी में भारत का हिस्सा दशक के अंत तक 10 फीसदी तक पहुंच जाने का अनुमान है. स्पेस कंपनियों के सामने टेक्नोलॉजी और संसाधनों की मांग और उपलब्धता में अंतर के साथ फंडिंग की कमी जैसी चुनौतियां भी हैं.

इस सेक्टर का पूरा फायदा लेने के लिए इन चुनौतियों से निपटना जरूरी है. स्पेस सेक्टर देश की सुरक्षा को तो मजबूत करेगा ही, इसमें कृषि समेत पूरी अर्थव्यवस्था और चिकित्सा क्षेत्र को भी मजबूती देने की क्षमता है. बता दें कि भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र वर्तमान में 8.4 अरब डॉलर से बढ़कर अगले दशक में 44 अरब डॉलर तक पहुंचने की क्षमता रखता है. स्पेस इकॉनमी को कैसे बढ़ाया जाए इस पर अंतरिक्ष विभाग की ओर से एक पत्र जारी किया गया है. इसमें कहा गया है कि सही सार्वजनिक-निजी भागीदारी के साथ भारत 2033 तक 11 अरब डॉलर के निर्यात के साथ 8% वैश्विक बाजार हिस्सेदारी हासिल कर सकता है.

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आईएन-एसपीएसी-ई के अध्यक्ष पवन गोयनका ने बताया है कि 44 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था हासिल करने के लिए एक सक्षम नीति वातावरण और निजी क्षेत्र के बड़े दांव की जरूरत होगी. उनके मुताबिक, भारतीय अंतरिक्ष नीति पहले ही आ चुकी है और एफडीआई नीति जारी होने वाली है. इसरो ने विशेषज्ञता के साथ निजी क्षेत्र को संभालना शुरू कर दिया है. अब हमें अंतरिक्ष क्षेत्र में बड़े दांव लगाने के लिए स्टार्टअप की जरूरत है, पुरानी कंपनियों को केवल इसरो के लिए आपूर्तिकर्ता बनने से आगे बढ़ना होगा, प्रौद्योगिकी और प्रणालियों के साथ एक बड़ी भूमिका निभाने के लिए.

### अपार संभावनाएं

- 2010 में स्पेस इकॉनमी 277 अरब डॉलर थी
- भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र 8 .4 अरब डॉलर है

इसरो के चेयरमैन एस सोमनाथ के मुताबिक, चंद्रयान-3 की सफलता ने निजी क्षेत्र के लिए कई और रास्ते खोल दिए हैं. उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नई अंतरिक्ष नीति निजी क्षेत्र को अंतरिक्ष क्षेत्र में किसी भी प्रौद्योगिकी में निवेश करने से नहीं रोकती है. उनके मुताबिक, चंद्रमा पर और अधिक मिशन शुरू कर सकते हैं और अन्य ग्रहों पर मानव भेजने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है. हम शुक्र, मंगल और अन्य ग्रहों पर मिशन जैसे वैज्ञानिक विस्तार पर विचार कर रहे हैं. स्पेस इकोनॉमी बढ़ाने के लिए जो जिम्मेदार कारक है, उन सभी कारकों में भारत के पास अपार संभावनाएं हैं. भारत की सबसे बड़ी खासियत ये है कि इसरो की वाणिज्यिक इकाई के जरिए कमर्शियल सैटेलाइट लॉन्चिंग की लागत विकसित देशों की तुलना में काफी कम है.

**नोट बदलने के लिए आपाधापी**

नई दिल्ली में भारतीय रिजर्व बैंक कार्यालय में अपने 2000 रुपये के नोट बदलने का इंतजार करते स्थानीय लोग। इस दौरान लंबी कतार देखी गई। फोटो : पीटीआई

**आईटीए ने कहा : बढ़ते उत्पादन के साथ कीमत का तालमेल नहीं**

# चाय उद्योग वित्तीय संकट से गुजर रहा है

एजेंसी । कोलकाता

चाय बागान मालिकों के प्रमुख संगठन इंडियन टी एसोसिएशन (आईटीए) ने बृहस्पतिवार को कहा कि उद्योग गंभीर वित्तीय संकट के दौर से गुजर रहा है और कीमतें बढ़ती उत्पादन लागत के साथ तालमेल नहीं बैठा पा रही हैं. आईटीए ने अपने स्थिति पत्र चाय परिदृश्य 2023 में कहा कि पिछले दशक में चाय की कीमतें लगभग चार प्रतिशत की

चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ी हैं. इस दौरान कोयला और गैस जैसी महत्वपूर्ण चीजों की लागत नौ से 15 प्रतिशत की सीएजीआर से बढ़ी. स्थिति पत्र में कहा गया कि 2022 में चाय निर्यात में सुधार के कुछ संकेत दिखे और यह 23.1 करोड़ किलोग्राम तक पहुंच गया, लेकिन 2023 में जनवरी से जुलाई के बीच इसमें 26.1 लाख किलोग्राम की गिरावट आई. उद्योग जगत ने उच्च निर्यात लागत को कम करने और निर्यातकों को प्रतिस्पर्धी बने रहने में सक्षम बनाने के लिए सरकार से उच्च गुणवत्ता वाली सीटीसी, 'ऑर्थोडॉक्स' और दार्जिलिंग चाय के निर्यात उत्पादों पर शुल्क या करों में छूट की प्रोत्साहन सीमा बढ़ाने पर विचार करने का आग्रह किया है.

**अनुमान** सीबीआरई की एक रिपोर्ट में कहा गया, 16.5 करोड़ वर्ग फुट जगह उपलब्ध होने का अनुमान

# नए कार्यालय क्षेत्र में अधिक योगदान बेंगलुरु, हैदराबाद का

एजेंसी । नयी दिल्ली

देश के सात प्रमुख शहरों में तीन साल के दौरान नए कार्यालय क्षेत्रों में सबसे अधिक 49 प्रतिशत का योगदान बेंगलुरु और हैदराबाद का होगा. इस दौरान दफ्तरों के लिए 16.5 करोड़ वर्ग फुट से अधिक नई जगह उपलब्ध होने का अनुमान है. सीबीआरई की एक रिपोर्ट में यह कहा गया है. रियल एस्टेट के बारे में परामर्श देने वाली सीबीआरई साउथ एशिया ने बृहस्पतिवार को अपनी नई रिपोर्ट ऑफिस मिथ्स डिबंक्ड जारी की. रिपोर्ट के अनुसार सात प्रमुख शहरों में कार्यालयों की उपलब्धता 2023-2025 के बीच 16.5 करोड़ वर्ग फुट से अधिक होने का अनुमान है. यह 2020-2022 में 14.2 करोड़ वर्ग फुट था. सीबीआरई के भारत, दक्षिण-पूर्व एशिया, पश्चिम एशिया व अफ्रीका के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अंशुमन मैगजीन, भारत में कार्यालय क्षेत्र में अच्छी वृद्धि देखी जा रही है. 2023-2025 में भारत के शीर्ष शहरों में दफ्तर के लिये तैयार जगह की उपलब्धता 16.5 करोड़ वर्ग फुट से अधिक होने का अनुमान है. यह कार्यालय क्षेत्र के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण का संकेत है. उन्होंने कहा, अगले तीन साल यानी 2023 से 2025 के दौरान इस वृद्धि में 15-18 प्रतिशत की और तेजी आने की उम्मीद है. इसकी वजह मांग और कंपनियों की विस्तार योजनाएं हैं. कार्यालय क्षेत्र की उपलब्धता में बेंगलुरु और हैदराबाद हावी रहेंगे. 2023-2025 के बीच कुल कार्यालय क्षेत्र में बेंगलुरु का 29 प्रतिशत यानी 4.78 करोड़ वर्ग फुट और हैदराबाद का 20 प्रतिशत यानी 3.3 करोड़ वर्ग फुट योगदान होगा. इसके बाद दिल्ली-एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) का 17 प्रतिशत यानी 2.8 करोड़ वर्ग फुट, पुणे का 12 प्रतिशत यानी 1.98 करोड़ वर्ग फुट, चेन्नई का 11 प्रतिशत यानी 1.81 करोड़ वर्ग फुट, मुंबई का नौ प्रतिशत 1.48 करोड़ वर्ग फुट और कोलकाता का दो प्रतिशत यानी 33 लाख वर्ग फुट योगदान होगा.

# डीएआरई ने 34,886 वर्ग फुट जगह खाली कराई

**10.35 लाख रुपये का राजस्व किया अर्जित**

एजेंसी । नयी दिल्ली

कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग (डीएआरई) ने एक महीने के विशेष अभियान के पहले सप्ताह में 34,886 वर्ग फुट जगह खाली कराई और 10.35 लाख रुपये का राजस्व अर्जित किया है. यह अभियान दो अक्टूबर को शुरू किया गया था और 31 अक्टूबर तक चलेगा. इस दौरान कुल 3326 विशेष अभियान चलाए जाएंगे जिसमें से अभी तक 690 अभियानों को अंजाम दिया जा चुका है.

कृषि मंत्रालय के अधीन काम करने वाले डीएआरई ने अभियान के तहत समीक्षा करने के लिए 19,843 भौतिक फाइलों और 4,717 ई-फाइलों की पहचान की है. डीएआरई की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, इनमें से अभी तक 6,279 भौतिक फाइल की समीक्षा की जा चुकी है, जबकि 4,171 भौतिक फाइल को हटा दिया गया है. करीब 4,717 इलेक्ट्रॉनिक फाइल की भी समीक्षा की गई है और 1,465 को बंद करने के लिए चिन्हित किया गया है. बयान में कहा गया, करीब 34,886 वर्ग फुट जगह खाली कराई गई है और 10,35,731 रुपये का राजस्व अर्जित किया गया है. डीएआरई के सचिव हिमांशु पाठक ने संबंधित अधिकारियों को लंबित मामलों का 31 अक्टूबर तक पूर्ण निपटान (शून्य पर लाने) करने का निर्देश दिया है.

# अंतरविरोधी सच्चाइयां

खरबपतियों की बढ़ती संख्या और बेरोजगारी की उछाल मारती संख्या के बीच क्या कोई गहरा अंतरसंबंध है? बहुत से लोग मान सकते हैं कि पहली बात देश के विकास और समृद्धि की ओर इशारा कर रही है और दूसरी बात जो बेराजगारी के बारे में फैलायी जा रही है, उसमें अतिशयोक्ति ज्यादा है. इस तरह का तर्क हर दिन सुनने को मिल जाता है. खरबपतियों के हितों और उसके उभार के पक्ष की नीतियां ज्यादातर अनुत्पादक आर्थिक नीति की ओर इशारा करती हैं. यानी भारतीय अर्थव्यवस्था एक ऐसे दौर से गुजर रही है, जिसमें यह जरूरी नहीं है कि खरबपति बनने वाले उत्पादकता बढ़ाने वाले कारोबार के हिस्सेदार भी हों. भारत में एक साल में एक हजार करोड़ रुपये से अधिक धन वाले व्यक्तियों की संख्या 216 बढ़ गई. 2023 में भारत में खरबपति व्यक्तियों की संख्या 1,319 तक पहुंच गई है. उसके पहले यह संख्या 1,103 थी. 2021 में पहली बार खरबपतियों की संख्या ने 1000 का आंकड़ा पार किया था. ताजा हुरुन इंडिया रिच लिस्ट का निष्कर्ष है कि भारत में खरबपतियों की संख्या स्थिर गति से बढ़ रही है. चूंकि अब धन का संग्रहण मुख्य रूप से शेयर बाजार, ऋण बाजार, बॉन्ड मार्केट आदि में निवेश से होता है, इसलिए धन बढ़ने का यह अनिवार्य अर्थ नहीं होता कि उसका निवेश वास्तविक अर्थव्यवस्था में होगा, जिससे रोजगार पैदा होंगे और देश में कुल उपभोग एवं जीवन स्तर में बढ़ोतरी होगी.

> नतीजा यह है कि एक तरफ देश में खरबपतियों की संख्या बढ़ रही है, दूसरी तरफ हालत यह है कि आम उपभोग घटता जा रहा है. इस बात की पुष्टि एफएमसीजी कंपनियों की रिपोर्ट से हर महीने होती है.

वैसे भी गुजरे कुछ वर्षों से भारत के सबसे धनी-मानी उद्योगपति विकसित बाजारों में निवेश करने में ज्यादा दिलचस्पी दिखाने लगे हैं. एक रिपोर्ट में बताया गया था कि पिछले वित्त वर्ष में लगभग आठ लाख करोड़ रुपये का निवेश भारत से विदेश गया. नतीजा यह है कि एक तरफ देश में खरबपतियों की संख्या बढ़ रही है, दूसरी तरफ हालत यह है कि आम उपभोग घटता जा रहा है. इस बात की पुष्टि एफएमसीजी कंपनियों की रिपोर्ट से हर महीने होती है. इस सवाल को पूछने से अक्सर परहेज किया जा रहा है कि नियमित वेतन वाले रोजगार की संख्या क्यों घटी. पीरियॉडिक लेबर फोर्स सर्वे (पीएलएफएस) की ताजा सर्वे रिपोर्ट पर गौर करना चाहिए. इस रिपोर्ट से सामने आए इस विवरण पर गौर कीजिए कि भारत में जिन लोगों को रोजगार में माना जा रहा है, उन्हें दरअसल किस तरह का रोजगार हासिल है. सरकार ने जो आंकड़े दिए हैं, उसके मुताबिक कुल रोजगार प्राप्त लोगों में 57.3 प्रतिशत स्वरोजगार श्रेणी में आते हैं. 2018-19 में (यानी कोरोना महामारी के पहले) यह संख्या 52.1 प्रतिशत थी. अब नियमित वेतन मिलने वाले रोजगार की श्रेणी में 20.9 प्रतिशत लोग हैं. 2018-19 में यह संख्या 22.8 प्रतिशत थी. बाकी लोग कैजुअल यानी अनियमित रोजगार की श्रेणी में है.

## सुभाषित

**मात्रा समं नास्ति शरीरपोषणं चिन्तासमं नास्ति शरीरशोषणं।**
**मित्रं विना नास्ति शरीर तोषणं विद्यां विना नास्ति शरीरभूषणं॥**

संतुलित जीवन के समान शरीर का पोषण करने वाला दूसरा नहीं है, चिंता के समान शरीर को सुखाने वाला दूसरा नहीं है, मित्र के समान शरीर को आनंद देने वाला दूसरा नहीं है और विद्या के समान शरीर का दूसरा कोई आभूषण नहीं है.

# इजराइल फिलस्तीन का विवाद नया नहीं

**इजराइल का कहना है कि हम हमास के नेतृत्व को नेस्तनाबूद कर देंगे, पर यह काम आसान नहीं है. साबित यह हो रहा है कि फिलिस्तीन के सवाल को ज्यादा देर तक अधर में रखने से अशांति बनी रहेगी. उसका निपटारा होना चाहिए. यह सवाल जरूर है कि फिलिस्तीनियों का प्रतिनिधि कौन है ? कौन उनकी तरफ से बात करेगा? फतह, हमास या कोई और? इस हमले का एक उद्देश्य यह साबित करना भी है कि हमास ही वास्तविक प्रतिनिधि है.**



• देश-काल



प्रमोद जोशी

हमास के अचानक हमले ने इजराइल समेत सारी दुनिया zको हैरत में डाल दिया है. यह हमला, जिस समय और जितने सुनियोजित तरीके से हुआ है, उससे कुछ सवाल खड़े हुए हैं. साफ है कि हमले का उद्देश्य राजनीतिक है, सामरिक नहीं. इरादा सऊदी अरब और इजराइल के बीच संभावित करार में खलल डालना है. भारत के नज़रिए से पश्चिम एशिया कॉरिडोर के खेल को बिगाड़ना. जिस समय पश्चिम एशिया में सऊदी अरब और इजराइल के बीच समझौते की बातें हो रही हैं, यह हमला उसी वक्त होने का मतलब साफ है. यह योजना केवल हमास ने बनाई होगी, इसे लेकर संदेह है. हमला यह मान कर हुआ है कि इसकी वजह से शांति-प्रक्रिया और भारत-अरब कॉरिडोर पर आगे बात रुक जाएगी. इजराइल का कहना है कि हम हमास के नेतृत्व को नेस्तनाबूद कर देंगे, पर यह काम आसान नहीं है. साबित यह हो रहा है कि फिलिस्तीन के सवाल को ज्यादा देर तक अधर में रखने से अशांति बनी रहेगी. उसका निपटारा होना चाहिए. यह सवाल जरूर है कि फिलिस्तीनियों का प्रतिनिधि कौन है ? कौन उनकी तरफ से बात करेगा? फतह, हमास या कोई और? इस हमले का एक उद्देश्य यह साबित करना भी है कि हमास ही वास्तविक प्रतिनिधि है. तीस साल पहले ओस्लो समझौते के बाद शुरू हुआ फिलिस्तीनी अथॉरिटी का प्रयोग विफल हो गया है. आम फिलिस्तीनी के मन में अल-फतह और हमास दोनों के प्रति नाराज़गी बढ़ रही है. कोई वैकल्पिक नेतृत्व उभरता हुआ दिखाई नहीं पड़ रहा है. समझौता होने की नौबत आए भी तो कौन किससे समझौता करेगा? सवाल यह भी है कि हम जिस 'टू स्टेट समाधान' की बात कर रहे हैं, क्या वह हमास को स्वीकार है? जवाबी इजराइली कार्रवाई से हमास का भारी नुकसान होगा, फिर भी उसने यह जोखिम उठाया. यह 'सेना के स्तर' का हमला है, मामूली आतंकी छापामारी नहीं. यह काम काफी तैयारी से किया गया है. उसने हमला ही नहीं किया, बल्कि क्रूर-हिंसा की वीडियोग्राफी की और उन्हें सोशल मीडिया पर अपलोड किया. इन बातों से हमास न तो इजराइल को बेदखल करेगा और न लंबे समय तक सीधी लड़ाई को झेल पाएगा. उसकी छापामारी जारी रहेगी. इसराइली सेना भी सीमित अभियान ही चला सकती है. अंतरराष्ट्रीय समुदाय उसे बड़े स्तर पर दमन की अनुमति देगा नहीं. फिलहाल जवाबी हवाई हमलों से नागरिकों के हो रहे भारी नुकसान की जिम्मेदारी हमास के मत्थे जरूर मढ़ी जाएगी. हमास साबित करना चाहता है कि हम शांतिपूर्ण-बातचीत के जरिए जीत नहीं सकते. हमें हिंसक लड़ाई लड़नी होगी. बर्बरता और क्रूरता बाकी दुनिया को गलत लगती होगी, उसके समर्थकों को नहीं. इससे उनका उत्साह बढ़ता है. हालांकि 2021 में हुई 11दिन की लड़ाई से उसका भारी नुकसान हुआ था, पर युद्धविराम के बाद ऐसा जश्न मना था, जैसे उसकी जीत हुई हो. उसका उद्देश्य महमूद अब्बास के फतह गुट की तुलना में फिलिस्तीनियों के बीच अपनी लोकप्रियता बढ़ाना भी है.

महमूद अब्बास बातचीत से समाधान चाहते हैं. गाज़ा पट्टी में हमास का प्रभाव है और वह 2005 में इस इलाके में हुए चुनाव में फतह गुट को हराकर काबिज़ हुआ था. उसके बाद चुनाव हुए ही नहीं. हुए भी तो हमास ही जीतेगा. क़रीब 25 मील लंबी और 6 मील चौड़ी गाज़ा पट्टी में करीब 22 लाख लोग रहते हैं. यह दुनिया की सबसे घनी आबादी है. इसके आकाश और समुद्री तट पर इजराइल का नियंत्रण है, पर प्रशासन हमास का है. दूसरी ओर जॉर्डन नदी के पश्चिमी तट पर महमूद अब्बास के फिलिस्तीन-प्राधिकरण का शासन है. पश्चिमी देश उसे ही मान्यता देते हैं. फिलिस्तीनी गाज़ा पट्टी और जॉर्डन नदी के पश्चिमी किनारे के अलावा इजराइल की मुख्य भूमि पर भी रहते हैं. उनकी हालत कहीं बेहतर है. 2019 में इजराइल में रहने वाले फिलिस्तीनियों की औसत आय 36,500 डॉलर थी, जो पश्चिमी किनारे वालों की तुलना में आठ गुना और गाज़ा पट्टी वालों से 30 गुना ज्यादा थी. सवाल यह भी है कि मुस्लिम देशों का रुख इस मामले में क्या होगा. वे इजराइल की निंदा करेंगे, पर वे इससे ज्यादा और कर भी क्या सकते हैं ? ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्ला अली खामनेई के सलाहकार रहीम सफवी ने हमास के हमले का समर्थन किया है. उन्होंने कहा, हम फिलिस्तीनी लड़ाकों को बधाई देते हैं. यरूशलम और फिलिस्तीन की आजादी तक हम फिलिस्तीनी लड़ाकों के साथ हैं. हिज़्बुल्ला ने लड़ाई में शामिल होने का इरादा भी व्यक्त कर दिया है. मुस्लिम देश, खासतौर से अरब संशय में हैं. तुर्की, सऊदी अरब और मिस्र आर्थिक गतिविधियां बढ़ाना चाहते हैं, पर अमन पर पानी फिर रहा है. क्या इसके पीछे रूस और चीन हैं, जो यूक्रेन से ध्यान हटाकर पश्चिमी देशों को दूसरे मोर्चे पर उलझाना चाहते हैं? उन्होंने ईरान का सहारा लिया है? इन सवालों का फिलहाल कोई जवाब नहीं है. टकराव ऐन उस मौके पर हुआ है, जब लग रहा था कि पश्चिम एशिया में स्थायी शांति के आसार हैं. अरब देशों का इजराइल के प्रति कठोर रुख बदलने लगा है. चार देशों ने इजराइल को मान्यता दे दी है और संभावना इस बात की है कि सऊदी अरब भी उसे स्वीकार कर लेगा. इस हिंसा से उस प्रक्रिया को धक्का लगेगा. उन अरब देशों को भी दिक्कत होगी, जिन्होंने हाल में इजराइल से रिश्ते बनाए हैं. अल-फतह और हमास के बीच की प्रतिद्वंद्विता भी इसके पीछे है. हमास सुन्नी मुसलमानों का संगठन है, पर उसे ईरान का समर्थन हासिल है. उसके पास जो हथियार हैं, उनमें काफी ईरान से मिले हैं. उसने गाज़ा पट्टी में महमूद अब्बास के फतह को पस्त कर दिया है, जिससे इजराइल से समझौता मुश्किल हो गया है. फिलिस्तीनियों को कहीं से भी रास्ता नज़र नहीं आ रही है, इसलिए उनके भीतर नाराज़गी बढ़ती जा रही है, जो हिंसा के रूप में प्रकट हो रही है. महमूद अब्बास ने 2007 में अपनी संसद को स्थगित किया और 2018 में उसे भंग कर दिया. हाल में एक सर्वे से पता लगा है कि 77फीसदी फिलिस्तीनी चाहते हैं कि महमूद अब्बास इस्तीफा दे दें.

• बोधि-वृक्ष | डॉ. सत्यकेतु संजय



## लक्ष्मण की वीरता के रहस्य

लंका से वापसी के बाद श्री रामचंद्र के राजतिलक के अवसर पर महर्षि अगस्त्य ने मेघनाद के वध के लिए लक्ष्मण की सराहना की तो राम ने कहा कि आवश्यक शर्तों का पालन लक्ष्मण ने कैसे किया. तब लक्ष्मण ने कहा 'भैया! भाभी को कभी भी उनके चरणों के ऊपर देखा ही नहीं. उनके अतिरिक्त मैंने वनवास के समय शूर्पणखा एवं बालि की भार्या देवी तारा को ही देखा था, किन्तु एक तो वे अनायास ही मेरे समक्ष आ गयी थीं और दूसरे वे दोनों पूर्ण मनुष्य नहीं थीं. शूर्पणखा राक्षसी थी और तारा वानर जाति की. जब आप और माता एक कुटिया में सोते थे, मैं रात भर बाहर धनुष पर बाण चढ़ाए पहरेदारी में खड़ा रहता था. निद्रा ने मेरी आंखों पर कब्जा करने का प्रयास किया तो मैंने निद्रा को अपने बाणों से बेध दिया था. तब निद्रा देवी ने हार स्वीकार करते हुए मुझे वचन दिया कि वह चौदह वर्ष तक मुझे स्पर्श नहीं करेगी, किन्तु जब आपका अयोध्या में राज्याभिषेक हो रहा होगा तब वह मुझे घेरेगी. आपको याद होगा, राज्याभिषेक के समय जब मैं आपके पीछे छत्र लेकर खड़ा था, तब निद्रा के कारण मेरे हाथ से छत्र गिर गया था. निद्रा देवी को दिया वचन के कारण ही मैं आपका राजतिलक भी नहीं देख सका था, क्योंकि मैं सो गया था. अब निराहारी रहने की बात भी सुनिए. मैं जो फल-फूल लाता था, माता उसके तीन भाग करती थीं. आप सदैव एक भाग मुझे देकर कहते थे लक्ष्मण फल रख लो. आपने कभी फल खाने को नहीं कहा. फिर बिना आपकी आज्ञा के मैं उसे खाता कैसे? मैंने उन्हें संभाल कर रख दिया. सभी फल उसी कुटिया में अभी भी रखे होंगे. गुरु विश्वामित्र से मैंने एक अतिरिक्त विद्या का ज्ञान लिया था-बिना आहार किए जीने की विद्या. उसके प्रयोग से मैं चौदह साल तक अपनी भूख को नियंत्रित कर सका.' श्रीराम ने चकित होकर कहा- तो क्या सारे वनवास काल के फल वहीं हैं?' तब लक्ष्मण ने कहा 'नहीं भैया, उनमे सात दिन के फल कम होंगे.' तब श्रीराम ने कहा 'इसका अर्थ है कि तुमने सात दिन तो आहार लिया था?' इसपर लक्ष्मण ने कहा 'भैया सात दिन के फल कम इस कारण है क्योंकि उन सात दिनों में फल आए ही नहीं.'

# फौरी शांति आज की दुनिया की जरूरत

• देशांतर

बी. आर. मेघवाल

बिहमास ने आखिर इजरायल के विरुद्ध व्यापक व गहरे युद्ध का समय अभी क्यों चुना? दुनिया के दो ध्रुवों के मध्य तीव्र होते समय में इस कार्यवाही के क्या निहितार्थ हैं और कौन-सी शक्तियां नए अंतर्विरोध पैदा करने में जी जान से जुटी हुई है. इन सवालों की पड़ताल से पहले हम वर्तमान वैश्विक घटनाक्रम के सबसे मुख्य बिंदु की पृष्ठभूमि को जरा संक्षिप्त में समझने की कोशिश करें. रूस के साथ यूक्रेन को लेकर पश्चिम व नाटो के युद्ध को दो वर्ष होने जा रहे है. 24 फरवरी 22 को रूस ने यूक्रेन के पूर्व भाग के रूसी मूल के निवासियों को नरसंहार से बचाने को लेकर स्पेशल ऑपरेशन शुरू किया था. वैसे लोकतांत्रिक मीडिया इस युद्ध को रूस यूक्रेन युद्ध बता रहा है, मगर यूक्रेन के साथ और उसके पीछे मुख्य लड़ाई नाटो देश लड़ रहे हैं, जिसकी अगुवाई अमेरिका कर रहा है. ऑपरेशन शुरू किया था तब अमेरिका व नाटो ने रूस पर सख्त आर्थिक प्रतिबंध लगाने शुरू किए थे व युद्ध की शुरूआत में ही रूस के आधे अमेरिकन मुद्रा को अमेरिका ने फ्रिज कर दिया था यह रकम लगभग 300 बिलियन डॉलर थी. इससे भी खराब बरताव अमेरिका ने इराक व लीबिया का किया था. 2010-11 से शुरू हुई नीली क्रांति से खाड़ी व मध्यपूर्व के अरब देश तो ट्यूनीशिया, लीबिया, यमन, मिस्त्र व सीरिया की उठापटक व अमेरिका-पश्चिम की करतूतों से भीतर तक कांप गए थे. वे तबसे भयभीत थे तथा सोच रहे थे कि पश्चिम के विरुद्ध उनसे कोई मजबूत शक्ति उनका सहारा बने व उन्हें भरोसा दे. वास्तव में तो अरब के शासक पश्चिम व विशेषकर अमेरिका से पिंड छुड़ाना चाहते थे. वे देख तथा समझ रहे थे कि रूस रक्षा शक्ति है तो चीन आर्थिक शक्ति बनकर उभरा है और ये देश नई पहलकदमी करें तो धीरे धीरे वे इनके साथ जा सकें. रूस के द्वारा यूक्रेन में स्पेशल ऑपरेशन शुरू होते ही दुनिया ने नई करवट ली. जब रूस का अमेरिकी मुद्रा भंडार फ्रिज हुआ व सख्त प्रतिबंध लगे तो खाड़ी देशों ने खुले तौर पर कहना शुरू किया कि अगर किसी युद्धक विवाद व मानव अधिकारों के नाम पर उनपर पश्चिम ने प्रतिबंध लगाये व अमेरिकी डॉलर ,जिसे पेट्रो डॉलर भी कहते हैं, वह फ्रिज हुआ तो 6 अरब देश सीधे बर्बाद हो जाएंगे व उनका अमेरिकन रिजर्व निवेश व ऋण सब डूब जाएगा. इनके सामने विकल्प तब दिखा जब रूस चीन वैकल्पिक मुद्रा में अपना व्यापार करने लगे. उन्हें लगा कि ब्रिक्स का रक्षा कवच उन्हें मिल जाय तो अमेरिका के चंगुल से बाहर निकला जा सकता है. उन्हें यह भी समझ में आने लगा कि ब्रिक्स की वैकल्पिक मुद्रा नए अवसर लेकर आ रही है. खाड़ी देशों को दिखा की दो घटनाएं एक साथ घट रही है. एक तो रूस यूक्रेन में नाटो की शक्ति को चुनोती देते हुए उनकी रक्षा शक्ति का घमंड चूर कर रहा है तो दूसरा ब्रिक्स एक आर्थिक शक्ति के रूप उभर रहा है. चीन ने इन सब हालातों को गहराई व विभिन्न आयाम से खाड़ी देशों व ईरान को समझाया तो वे अपनी दूरियों को नजदीकियों में बदलने को राजी हो गए. उधर रूस नाटो से टक्कर ले रहा था, जिससे खाड़ी व अफ्रीकी लुटे पिटे क्षेत्र के देशों की जनता मिस्त्र, यमन, ट्यूनीशिया, लीबिया व उत्तर मध्य अफ्रीका में खुशी से झूम रही थी. यह सब हालात पश्चिम के दबदबे के अंत की शुरुआत की घण्टी बजा रहे थे. इस वर्ष अगस्त में ब्रिक्स सम्मेलन अफ्रीका में हुआ, जिसमें 6 देशों को नया सदस्य बनाने का प्रस्ताव आया, जिनमें ईरान, सऊदी अरब व संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं. इन देशों को 1 जनवरी 24 से ब्रिक्स सदस्य के रूप में कार्य करना है. अगर ईरान व सऊदी ब्रिक्स में साथ काम करने लग जायेंगे व दुबई विश्व का सबसे प्रमुख व्यापारिक केंद्र बन जायेगा, तब इसी के साथ अमेरिका के पेट्रो डॉलर की शक्ति का भी अंत हो जाएगा. यह बात अमेरिका भली भांति समझ रहा था. ऐसी साफ स्थिति में अमेरिका के लिए समय था कि वह जनवरी से पहले ईरान-सऊदी की दोस्ती को दुश्मनी में कैसे बदले व ब्रिक्स से सऊदी को दूर कैसे रखे. उसके लिए यह महत्वपूर्ण लक्ष्य हासिल करने के साथ साथ रूस के प्रति सुन्नियों व शियाओं की हमदर्दी को खत्म करने की भी चुनौती थी. सबके लिए अमेरिका को किसी पुराने ऐसे ज्वलंत मुद्दे को युद्ध में तब्दील करना था, जिससे ईरान-सऊदी लड़े, ब्रिक्स बिखर जाय, रूस को मुस्लिम समर्थन में कमी आ जाय व खाड़ी क्षेत्र में अमेरिका का 2001 से पहले वाला दबदबा पुनः कायम हो जाय.

> वास्तव में तो अरब के शासक पश्चिम व विशेषकर अमेरिका से पिंड छुड़ाना चाहते थे. वे देख तथा समझ रहे थे कि रूस रक्षा शक्ति है तो चीन आर्थिक शक्ति बनकर उभरा है और ये देश नई पहलकदमी करें तो धीरे धीरे वे इनके साथ जा सकें. रूस के द्वारा यूक्रेन में स्पेशल ऑपरेशन शुरू होते ही दुनिया ने नई करवट ली.

# बच्चों के समग्र विकास में विलंब

• मनोविज्ञान

पूजा मिश्रा

ग्लोबल डेवलपमेंट डिले में, जहां ग्लोबल का अर्थ है वैश्विक और डेवलपमेंट का अर्थ है विकास एवं डिले का अर्थ है देरी अर्थात वैश्विक विकास में देरी. यहां बात बच्चों के समग्र विकास यानी शारीरिक एवं मानसिक विकास के बारे में हो रही है. सामान्यतः बच्चों का विकास जन्म से प्रत्येक हफ्ते होता है, जो विकास चरण से तीसरे महीने में ही नजर आना शुरू हो जाता है. प्रत्येक दिन बढ़ते बच्चों में विकास का आधार उनमें चीजों या व्यक्तियों को देखकर उसके प्रति की गई प्रतिक्रिया से लगाया जाता है. जैसे तीन महीने का बच्चा माता-पिता की आवाज सुनकर हंसना शुरू कर देता है. यानी सामाजिक प्रतिक्रिया करना सीखने लगता है. वहीं 6 महीने का बच्चा सामान उठाना, फेंकना, खड़ा होना, लोगों के बात पर हाव-भाव बनाना जैसी चीजों को समझना शुरू कर देता है, उससे पता चलता है कि बच्चे का विकास सामान्य तौर पर हो रहा है और यदि बच्चे के विकास पर शारीरिक और मानसिक तौर पर कहीं भी रुकावट या कमी देखी जाती है तो इसका संबंध ग्लोबल डेवलपमेंट डिले से है बच्चों के कौशल विकास, संज्ञानात्मक विकास एवं सामाजिक व्यवहार से है जिन बच्चों के शारीरिक वा मानसिक विकास में देरी होती है, वे अपने साथ जन्मे या खेलने वाले बच्चों के मुकाबले बहुत सुस्त नजर आते हैं. उन बच्चों के चलने, बोलने, लोगों के भाव को समझ पाने जैसे गतिविधियों में समस्या आती है. वैश्विक विकास में बच्चों को एक से अधिक क्षेत्र में विकास संबंधी देरी देखा जाता है, अर्थात किसी बच्चे को बोलने और चलने उठने- बैठने के साथ हंसने-रोने में भी समस्या आती है. वह अपने भावनाओं में तालमेल नहीं बिठा पाते हैं .हालांकि बच्चों का देर से चलना या बोलना या अन्य कोई शारीरिक या मानसिक विकास में देरी होना हर बार किसी बीमारी के कारण नहीं होता और यदि इनमें से केवल एक ही क्षेत्र में समस्या है तो यह ग्लोबल डेवलपमेंट डिले के अंतर्गत नहीं आता है. यदि शारीरिक व मानसिक विकास दोनों में से किसी एक प्रक्रिया के विकास में बाधा है तो इसका कारण परवरिश और वातावरण भी हो सकता है, क्योंकि बच्चों के विकास में परवरिश और वातावरण का बहुत गहरा असर पड़ता है. जैसे देखा गया है कि सभ्य परिवार और समाज में पला बच्चा भी अपने आप सभ्य व्यवहार करना सीख लेता है. यदि बच्चे के परवरिश में कोई कमी होती है तो इससे भी बच्चों के शारीरिक व मानसिक विकास में देरी हो सकती है साथ ही बच्चों के संज्ञानात्मक विकास में बौद्धिक विकास और आत्मविश्वास में वातावरण का बहुत गहरा असर पड़ता है. बच्चों के वैश्विक विकास में देरी के कई कारण हो सकते हैं, जैसे जन्म लेने के तुरंत बाद अगर बच्चा रोता नहीं है, या बच्चा जन्म के बाद मां का दुख कम पिता है, या बच्चे को जन्म के समय किसी प्रकार का गंभीर संक्रमण हो गया हो तो, इन सभी कारणों से बच्चों के विकास में देरी हो सकती है. अगर बच्चे को हाइपोग्लाइसिमिया हो गया हो, जिससे बच्चों में शुगर की मात्रा कम हो जाती है और शुगर की मात्रा कम होने से बच्चों में खींचनी या सिकुड़न की समस्या होने लगती है. कभी-कभी संक्रमण दिमाग तक चला जाता है, बच्चों को जन्म के बाद जौंडिस हो जाने से भी शरीर और दिमाग के विकास में बाधा उत्पन्न हो जाती है बच्चों की दिमाग की नसे बहुत नाजुक होती है, थोड़ी ही समय के लिए अगर शुगर या ब्लड दिमाग में नहीं पहुंच पाता है तो यह भी बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास में बाधा का एक कारण होता है, हालांकि वैश्विक विकास में देरी का कोई सटीक इलाज नहीं है, परंतु यदि इसका समय रहते पता चल जाए तो इसे कम या नियंत्रित किया जा सकता है. कभी-कभी या बच्चों के बढ़ती उम्र के साथ-साथ नियंत्रित हो जाता है, मनोवैज्ञानिक इसके नियंत्रण के लिए बच्चों को अलग-अलग क्षेत्र में थेरेपी के सहारे उस पर नियंत्रण के लिए सलाह देते हैं. थेरेपी के सहारे समस्या को दूर या कम करने की कोशिश की जाती है परिवार और आस-पड़ोस के लोग भी इसमें बच्चों की सहायता कर सकते हैं, माता पिता अपने बच्चे को समय दे, उनके साथ शारीरिक वा मानसिक खेल खेले, जिससे दिमागी और पेशिये व्यायाम होगा और बच्चों में संज्ञानात्मक और सामाजिक व्यावहारिक ज्ञान विकसित होगा साथी ही बच्चों में सामाजिक प्रतिक्रिया और आत्मविश्वास भी बढ़ेगा.

> उन बच्चों के चलने, बोलने, लोगों के भाव को समझ पाने जैसे गतिविधियों में समस्या आती है. वैश्विक विकास में बच्चों को एक से अधिक क्षेत्र में विकास संबंधी देरी देखा जाता है, अर्थात किसी बच्चे को बोलने और चलने उठने-बैठने के साथ हंसने-रोने में भी समस्या आती है. वह अपने भावनाओं में तालमेल नहीं बिठा पाते हैं .

## मीडिया में अन्यत्र

# जीएसटी में सुधार की जरूरत

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद ने लगभग एक दर्जन कर से जुड़ी व्यावहारिक अस्पष्टताओं को लेकर छाई धुंध को साफ कर दिया. इनमें से कुछ अस्पष्टताएं जुलाई 2017 में इस अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था की शुरुआत के बाद से बनी हुईं थीं. मसलन, बैंक ऋण के लिए कॉरपोरेट एवं व्यक्तिगत गारंटी पार कर. पशु आहार की लागत कम करने और किसानों के बकायों का तेजी से भुगतान सुनिश्चित करने के वास्ते चीनी मिलों के लिए नकदी प्रवाह को आसान बनाने के मकसद से, परिषद ने शीरा पर लगने वाले जीएसटी को 28 फीसदी से घटाकर पांच फीसदी कर दिया. दरों में बदलाव और लचकदार सफाई संबंधी स्पष्टीकरणों के अलावा, परिषद की इस बैठक के अन्य महत्वपूर्ण नतीजों में से एक अल्कोहल वाले शराब के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले एक्स्ट्रा न्यूट्रल अल्कोहल (ईएनए) पर कर लगाने की परिषद की शक्ति का प्रयोग नहीं करने का फैसला था. इंसानी उपभोग वाले अल्कोहल के अभी भी जीएसटी के दायरे से बाहर होने के साथ, ईएनए या उच्च शक्ति वाली पीने योग्य अल्कोहल - एक प्रमुख घटक - पर अप्रत्यक्ष कर शुल्क को अंतिम उत्पाद पर राज्य के शुल्क के बरक्स समायोजित नहीं किया जा सकता है. उद्योग जगत पिछले कई सालों से इस जटिल मुद्दे पर स्पष्टता की मांग कर रहा था, जिसको लेकर अदालतें अलग-अलग रुख अपना रही थीं.यह सुखद है कि परिषद, जिसकी 2022 में सिर्फ दो बैठकें हुईं थीं, इस साल चार बार बैठकें कर चुकी है. और तो और, महज पिछले चार महीनों में ही इसकी तीन बैठकें हुईं हैं, भले ही कुछ एजेंडा आइटम हाल के फैसलों में मौजूद विसंगतियों को ठीक करने से संबंधित रहे हों. अब जबकि लंबे समय से प्रतीक्षित जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरणों के अध्यक्ष और सदस्यों के आयु संबंधी मानदंडों को अन्य न्यायाधिकरणों के साथ सुसंगत कर दिया गया है - जोकि स्पष्ट रूप से टालने योग्य एक चूक थी - उम्मीद है कि ये न्यायाधिकरण जल्द ही अपना कामकाज शुरू कर देंगे. हालांकि, उपभोक्ताओं और उत्पादकों के लिए चिंता का सबसे बड़ा सबब परिषद का वह संकल्प होना चाहिए. (द हिंदू)



## शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

### जमना/जमाना

**विश्वगायत्री** परिवार में प्रचलित और लोकप्रिय गीत है- बदल दो जमाना धरा जगमगाओ, पसीना बहा, धूल सोना बनाओ, घृणा को घृणा से कठिन जीत पाना, कठिन बैर को बैर से जीत पाना, कठिन है बहुत राह इस जिंदगी की, बनाओ इसे तुम सुकोमल बनाओ. बदल दो जमाना धरा जगमगाओ. विश्वगायत्री परिवार इस गीत में प्रेरणा देता है-बदल दो जमाना. हम जमाना को तभी बदल पाएंगे, जब उसे जान जाएंगे. तो चलिए, पहले जमाने की तह में चलते हैं. दिलचस्प बात यह है कि जमाना से मिलता-जुलता शब्द है जमना, लेकिन यह शब्द अर्थ में अलग है. किसी ने कहा-जमाने के लिए पहले खुद जमना पड़ता है. जब जमाना जमने पर ही निर्भर है तो जमना शब्द को भी समझना पड़ेगा. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार जमना का मतलब है तरल पदार्थ का ठोस रूप में परिवर्तित होना या ठोस रूप में आना, दृढ़ता के साथ स्थित होना, काम करने का पूरा अभ्यास होना, जमा होना, इकट्ठा होना, खूब चोट पड़ना, स्थापित होना जैसे धाक जमना, उगना, उपजना, उत्पन्न करना. यानी बर्फ का जमना, किसी व्यक्ति का किसी स्थान पर जम जाना, जमीन पर बोये जाने के बाद बीज जम जाता है. जमने के बाद जमाने को भी समझ लिया जाये. जमाना शब्द हिंदी मूल का भी है और अरबी भी. हिंदी वाले जमाने का मतलब है स्थापित करना, किसी वस्तु को दूसरी वस्तु पर मजबूती से टिकाना, तरल पदार्थ को ठोस में परिवर्तित करना मन में बैठाना, चुनाई करना, सजाकर रखना, चलने लायक बनाना, स्थापित करना, अच्छी तरह चोट करना, प्रहार करना, असरदार ढंग से काम कराना, उगाना, उपजाना. अरबी मूल के जमाने के 'ज' अक्षर में नुक्ता लगा होता है. यह अलग बात है कि हिंदी में नुक्ता का प्रचलन समाप्त हो चुका है. इसका मतलब है युग, दौर, समय, काल, वक्त, मुद्दत, बहुत ज्यादा समय, अरसा, अवधि, दुनिया, संसार, उत्कर्ष या गौरव के दिन, राज्यकाल, सौभाग्यकाल, उन्नति का दौर, कार्यकाल.

# बिचौलिये बड़े काम की चीज

• तीर-तुक्का

उमेश गुप्ता

बिचौलिये, जिन्हें हिन्दी में मध्यस्थ, उर्दू में दलाल, अंगरेजी में आरबिट्रेटर कहते हैं, बहुत काम की चीज होते हैं. जो काम इस दुनिया में हम स्वयं नहीं कर सकते हैं, उन्हें ये बड़ी आसानी से कर देते हैं. जिस काम के बीच में बिचौलिये आ जाते हैं, उसके निपटने में ज्यादा समय नहीं लगता है. इनके शब्दकोष में नेपोलियन और नेताओं की तरह 'असंभव' शब्द नहीं होता है, इनके लिए सभी काम संभव हैं. ये कहीं ना कहीं से काई तिकड़म भिड़ाकर लोगों का काम कर देते है. बिचौलिये के पास हकीम लुकमान की तरह हर ला-इलाज मर्ज का इलाज रहता है, ये आपको सात समुन्दर पार खाड़ी के देशों में नौकरी दिलवा सकते हैं, घर बैठे बी.ए. पास करवा सकते हैं, मैट्रिक की जाली अंक सूची लाकर कालेज में प्रवेश दिलवा सकते हैं, किसी भ्रष्टाचारी से मिलकर आपके नालायक इंटर फेल आवारा बेटे की अच्छी सरकारी नौकरी लगवा सकते हैं, बिचौलिये इस पृथ्वी पर हर वह काम कर सकते हैं, जिसके लिए भगवान को विभिन्न रूपों में इस संसार में बार-बार अवतार लेना पड़ता था. बिचौलियों के लिए कोई काम छोटा या बड़ा नहीं रहता है. ये आपके पुत्र पुत्रियों की शादी से लेकर उनके सुकुमार तक का नर्सरी में प्रवेश आसानी से करा सकते हैं, ये छोटी सी खरीद से लेकर देश के सामरिक महत्व के सौदे तक में अपना दखल रखते हैं, इनकी खोजबीन करना कठिन काम है, ये ऊपर से दिखने में अदृश्यमान, सिर्फ अनुभव करने वाले जीव होते हैं, इनका हमें आभास हो सकता है, परिचय नहीं. बिचौलिये का काम प्रायः सभी लोग करते हैं, डॉक्टर, इंजीनियर आदि सभी इसमें सम्मिलित हैं. छोटा डाक्टर कमीशन पर बडे डॉक्टर के पास ऑपरेशन केस भेजता है, वकील भी हर मुकदमे में मध्यस्थता करता है, बिचौलिए का काम आदमी ही नहीं, बल्कि उसके द्वारा संचालित पत्र-पत्रिकाएं , रेडियो, टेलीविजन आदि सभी जनसंचार के सभी माध्यम भी करते हैं. पत्र-पत्रिकाएं घर बैठे ही आपका काम करती है. ये आपके लिए वर-वधू, नौकर-नौकरी, घोड़ा-गाड़ी आदि की व्यवस्था जुटाती है, ये बिना किसी परेशानी के हमारे लिए सुन्दर सुशील, गृहकार्य में दक्ष, गौर वर्ण कन्या और चार अंकों की आय वाला सुशिक्षित, अमीर खान की तरह सुन्दर वर दिलवाने में सहायक होते है. बिचौलिये जीवन की तीन मूलभूत आवश्यकताओं रोटी, कपड़ा, और मकान के लिए बहुत जरूरी हो गये हैं. आज के जमाने में इनकी उपेक्षा करना रावण के दरबार में मेघनाथ की उपेक्षा के समान है.

# धर्म अध्यात्म

# व्यक्ति को सृष्टि से जोड़ने का अनुष्ठान

**श्राद्ध मानव जीवन का एक बहुत ही महत्वपूर्ण कर्म है. अपने पितरों के लिए श्रद्धा से किए जाने वाले कर्म और अनुष्ठान के कारण इस अनुष्ठान को श्राद्ध कहा गया है. आश्विन में पृथ्वी चंद्रमा के नजदीक होती है, तब सूर्य की अधिकतम रोशनी चंद्रमा के उर्ध्वभाग पर पड़ने के कारण पितृ के प्राण जाग्रत हो जाते हैं. इसी अवधि में चंद्रमा दक्षिणायन होकर परिक्रमा एवं घूर्णन प्रारंभ करता है. संक्रमण के इस अवधि में पितृगण अधोमुखी होकर पृथ्वी पर अपने परिवार एवं संबंधियों के आसपास चक्कर काटने लगते हैं. आश्विन माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा से लेकर अमावस्या तक की अवधि में मृत पितरों का अपने रिश्तेदार के साथ सबसे नजदीक का एक आत्मीय संबंध बनता है. प्रकृति और परिवार से ऊपर उठकर अपने संबंध को अखिल सृष्टि से जोड़ने का यह श्रेष्ठ काल एवं अवसर होता है. इसमें कर्मकांडीय अनुष्ठान के माध्यम से व्यक्ति अपने पितरों को तर्पण करता है. यह पितृऋण से मुक्ति का एक अवसर है. इसलिए यह पितृपक्ष भी कहलाता है. सूर्य के उर्ध्वभाग पर तीखी रोशनी से पितरों के शुष्क शरीर पर जल अर्पण से प्राण एवं जीवन में सरसता आती है. यह अनुष्ठान है. लेकिन यह व्यक्ति को सृष्टि से जोड़ने का ऐसा अनुष्ठान है जिसमें श्रद्धा और भक्ति ही केंद्रीय क्रिया होती है.**

डॉ मयंक मुरारी
आध्यात्मिक लेखक

## एक आध्यात्मिक विधान

भारतीय ज्योतिष में वर्ष का निर्धारण नौ प्रकार से किया गया है जिनमें दिव्य मान, ब्रह्म, पितृ, प्रजापति, गौरव, सौर, चंद्र, सावन और नक्षत्र प्रमुख है. इन सभी के समन्वय एवं सामंजस्य से ही साल का निर्धारण किया जाता है. पितरों के लोक और उनकी कार्यविधि के लिए पितृवर्ष का प्रावधान है. पितरों का निवास स्थल चंद्रमा के उर्ध्वभाग को माना गया है, जो पृथ्वी से कभी नहीं दिखायी देता है. यह पितरों का निवास स्थल है. यह भाग पृथ्वी से दृश्यमान नहीं है. इस चंद्रमा की गति के कारण होता है. चंद्रमा का घूर्णन और परिक्रमा की अवधि लगभग समान होती है. जितने समय में वह अपने अक्ष पर घूमती है, उतने ही समय पर यानी 27 दिन, सात घंटे और 43 मिनट तथा 11.6 सेकेंड में पर पृथ्वी की परिक्रमा भी करती है. इस कारण चंद्रमा का एक भाग सदैव पृथ्वी के समक्ष रहता है. और जो भाग कभी नहीं दिखता है, उसे मृत आत्माओं का लोक मान लिया गया.

## कृष्ण पक्ष पितरों का दिन

एक चंद्र मास में अमूमन 30 दिन होता है. इसमें दो पक्ष क्रमशः 14 से 15 दिनों के होते हैं. यह चंद्रमा की कलाओं के घटने और बढ़ने के आधार पर निर्धारित होता है. जब चंद्रमा की कलाएं घटती है, तो वह कृष्ण पक्ष और जब कला यानी रोशनी बढ़ती है, वह शुक्ल पक्ष होता है. कृष्ण पक्ष में चंद्रमा के उर्ध्वभाग में सूर्य की रोशनी रहती है, अतएव वह पितरों का दिन होता है. इसी प्रकार शुक्ल पक्ष पितरों के लिए रात्रि होती है. यही कारण है कि कृष्ण पक्ष पितरों के श्राद्ध का काल है. इस अवधि में 15 दिनों तक सूर्य की रोशनी चंद्रमा पर होने के कारण वह पितरों के लिए दिन बना रहता है. अमावस्या के दिन सूर्य चंद्रमा के निकटतम आ जाता है. वह पितरों के लिए दिन का मध्याहन काल होता है. इस कारण अमावस्या को पितरों को भोजन देने की परिपाटी है. इसलिए कहा गया है कि पितर लोक में कृष्णाष्टमी को सूर्योदय, अमावस्या को मध्याहन और शुक्लाष्टमी को सूर्यास्त होती है.

## जब पृथ्वी के नजदीक चंद्रमा

चंद्रमा को पितरों के वास का प्रतीक माना गया है. यह परंपरा बन गयी कि जिस अवधि में चंद्रमा हमारी पृथ्वी के सबसे समीप रहेगी, उस समय पितरों को परोसा गया भोजन सहज ही प्राप्त हो जाएगा. आश्विन मास में पृथ्वी चंद्रमा के सबसे नजदीक होती है. इस अवधि में सूर्य कन्या राशि में प्रवेश करता है. आश्विन के कृष्ण पक्ष में महालय श्राद्ध यानी पितरों को तर्पण करने का विधान है. चंद्रमा के उर्ध्व भाग में रहनेवाले पितृगण कृष्णाष्टमी से लेकर शुक्लाष्टमी तक यानी 15 दिनों तक सूर्य की रोशनी में रहते हैं, अतः उनका 15 दिनों के सूर्य दर्शन की अवधि को पितरों का दिन कहा जाता है.

## मुक्ति एवं पुनर्जन्म के लिए आरोहण

पुनर्जन्म पर विश्वास के कारण ही मृत्यु के पश्चात भी व्यक्ति के शरीर को याद रखा जाता है. यह एक ऋण है. जीवन में और जीवन के बाद इस ऋण को सदैव ही चुकाने का प्रयास किया जाता है. ताकि व्यक्ति की यात्रा तब तक जारी रहे, जबतक की मुक्ति प्राप्त न हो जाए. कर्मकांडीय भाषा में वैतरणी पार करना कहा गया है. हमारा यह मानना है कि धरती एक मृतलोक है, जहां से व्यक्ति को अमृत की यात्रा का अवसर मिलता है. मृतक व्यक्ति को पृथ्वीलोक से यमलोक और फिर बैकुंठ, कैलाश या स्वर्ग की यात्रा का आरोहण ही पितृपक्ष में श्राद्ध के अनुष्ठान का आधार है. यह भारतीय जीवन का भरोसा है कि हमारी इच्छाओं की पूर्ति के साथ ही हमारा आरोहण होता है. आरोहण केवल मुक्ति के लिए नहीं बल्कि यह पुनर्जन्म के लिए भी होता है. मृतकों का हमारे जीवन पर ऋण रहा कि उसके कारण यह शरीर मिला. यह जीवन मिला ताकि यात्रा को जारी रखा जाए. अतएव व्यक्ति का दायित्व है कि वह अपने मृतक के पुनर्जन्म या मुक्ति में सहयोगी बने.

## श्राद्ध से उत्पन्न होती श्रद्धा

श्राद्ध और श्रद्धा का अटूट संबंध है. श्राद्ध में व्यक्ति को यह विश्वास होता है कि पितरों के कल्याण के लिए किया गया हरेक अनुष्ठान उनको प्राप्त होता है. परंपरा से समाज और परिवार में निष्ठा का भाव मजबूत होता हैं पितृपक्ष के अनुष्ठान वर्तमान समय में अपने बुजुर्गों के प्रति सम्मान की भावना जागृत करने का एक सशक्त माध्यम है. श्राद्ध से समाज में श्रद्धा की उत्पति होती है. इससे जीवित पितरों एवं समाज के प्रति श्रद्धा का भाव बढ़ता है. इन अनुष्ठान का मूल आधार अपनी कृतज्ञता और आत्मीयता की सात्विक प्रवृतियों को जगाए रखना है. इस प्रवृति का जिंदा रहना संसार की सुख और शांति के लिए आवश्यक है.

# ये दो उपाय खोलेंगे सफलता के द्वार

स्वामी बिमलेश
वास्तु एक्सपर्ट

**कई बार कार्यस्थल, ऑफिस, शॉप पर नकारात्मकता का अहसास होता है. आप सुबह प्रसन्न मन से कार्यस्थल जाते तो हैं पर वहां पहुंच कर मन उचाट हो जाता है. काम करने में मन नहीं लगता. गुस्सा आता है या सीट पर बैठते ही बोरियत होने लगती है. यदि ऐसा है, तो वर्कप्लेस की वास्तु में छोटे-छोटे उपाय अपना कर देखें.**

## पानी का जहाज

- पानी का जहाज सफलता, सौभाग्य और शानदार उपलब्धि का प्रतीक है. पानी का जहाज या चित्र घर या ऑफिस में अपने सामने के दीवार पर टांगना शुभ माना जाता है.
- जहाज का चित्र इस तरह का होना चाहिए कि लगे जहाज हमारे तरफ आ रहा हो. बिजनेस में सफलता के लिए अपनी ओर आता जहाज सफलता और सौभाग्य का जबरदस्त प्रतीक है.
- इससे आप उत्तर, पूर्व और दक्षिण पूर्व दिशा में लगा सकते हैं. पानी के जहाज में सोने के सिक्के या सोने की बट रखना समृद्धि का प्रतीक है यहां सोने का अर्थ गोल्ड जरूरी नहीं है यहां सोने का अर्थ गोल्ड के रंग से है.

## क्रिस्टल ग्लोब

- क्रिस्टल ग्लोब को फेंगशुई में ची यानि सकारात्मक ऊर्जा का भंडार माना जाता है. ऐसी मान्यता है कि अपने घर, ऑफिस या दुकान में क्रिस्टल ग्लोब को रखने से नकारात्मकता दूर हो जाती है और लाभ में वृद्धि होती है. करियर और कारोबार में सफलता चाहते हैं तो वर्क प्लेस पर, ऑफिस डेस्क पर या अपनी शॉप के काउंटर पर क्रिस्टल जरूर रखें. इससे आत्मविश्वास में वृद्धि होती है. साथ ही व्यापार में भी तरक्की मिलती है.
- इस ग्लोब को दक्षिण या दक्षिण-पूर्व दिशा में रखना ज्यादा लाभदायक होता है. परिवार में अगर लिविंग रूम में इसे रखा जाए तो पारिवारिक कलह और मन-मुटाव दूर होते हैं. छात्र यदि अपने स्टडी टेबल पर रखते हैं तो उनकी एकाग्रता में वृद्धि होती है. क्रिस्टल ग्लोब में लगी हुई मेटल रिंग यदि गोल्डन रंग की हुई तो यह अधिक फायदेमंद होगी.

# बाधाओं को दूर करेंगे सर्वपितृ अमावस्या के ये टोटके

आचार्य अजय कुमार मिश्रा

कल 14 अक्टूबर को सर्वपितृ अमावस्या है. शास्त्रों में इसे मोक्षदायिनी अमावस्या भी कहा गया है. चूंकि इस दिन शनिवार है, इसलिए इसे शनिश्चरी अमावस्या के नाम से भी कहेंगे. सर्वपितृ अमावस्या के दिन पितरों के नाम पर कुछ टोटकों का प्रावधान है जिससे शुभ फल की प्राप्ति होती है. इन टोटकों के करने से परेशानियां दूर होती हैं और पितरों का आशीष मिलता है.

- मनचाही नौकरी नहीं मिल रही है या करियर में अपेक्षित तरक्की नहीं मिल रही है तो सर्वपितृ अमावस्या के दिन एक नींबू को घर के मंदिर में रख दें. रात में इस नींबू को उठाएं और अपने सिर से सात बार उतारें. अब इसे चौराहे पर जाकर चार दिशाओं में फेंक दें.
- कर्ज में डूबे हैं तो सर्वपितृ अमावस्या की शाम को घर के ईशान कोण में दीप में लाल बत्ती रखकर गाय के घी का दीपक जलाएं. दीपक में थोड़ी केसर व काले तिल भी डाल दें.

- शत्रु के उपद्रव से परेशान हैं तो सर्वपितृ अमावस्या की रात काले कुत्ते को तेल से चुपड़ी रोटी खिला दें.
- सुख-समृद्धि की चाहत है तो सर्वपितृ अमावस्या की रात एकांत में अरहुल या गुलाब के पांच फूल और पांच दीपक बहती नदी या तालाब में प्रवाहित करें.

# शीत के स्वागत में कास के धवल पुष्प

रूणा रश्मि 'दीप्त'
साहित्यकार

**विविधता प्रत्येक प्राणी के मन को सदैव ही आकर्षित करती है. वह विविधता खानपान या पहनावे-ओढ़ावे की हो अथवा ऋतु परिवर्तन की हो. शीत से ठिठुरता मन ग्रीष्म की प्रतीक्षा करता है तो ग्रीष्म की असहनीय तपन में मन बारिश की बूंदों के लिए व्याकुल हो जाता है. शीत, ग्रीष्म और बरसात के बदलाव के मध्य जो ऋतुएं आती हैं वे सभी बड़ी ही सुहावन होती हैं. जिस प्रकार से परिवर्तन के दौर में मन सुखद अनुभूतियों के लिए आशान्वित होकर आह्लादित होता है, ठीक उसी प्रकार से एक ऋतु के अतिशय प्रहार के पश्चात दूसरे ऋतु के आगमन के मध्य का काल एक विशिष्ट ऋतु के रूप में आता है जो मन को आनंदित करने में पूर्णतया सक्षम होता है. वर्ष भर के हमारे सभी बारह मासों को छः ऋतुओं में विभाजित किया गया है. उन्हीं में से एक है शरद ऋतु जिसका स्वागत अभी हम सभी कर रहे हैं.**

## बर्फ की चादर से कास

शीत का आगमन शनैः-शनैः आरंभ हो जाता है. प्रकृति की छटा मनभावन होने लगती है. धूप भी कभी प्रचंड तो कभी हल्की गुनगुनी सी होती है. शीतल बयार के संग मद्धम सी धूप का सेवन कभी मन को आनंदित करता है तो कभी वही धूप अपने प्रचंड रूप से हमें उद्विग्न भी करता है. शरद ऋतु में वृक्षों की शाखाओं और पर्णों के साथ ही साथ मही का कण-कण धुलकर स्वच्छ हो जाता है तथा अपने दमकते स्वरूप में शोभायमान रहता है. प्रातः काल में धुले पत्तों और हरी घास पर मोतियों सी चमकती ओस की बूंदें दिवस का सुखमय आरंभ कराती हैं. चारों दिशाओं में फैले कास के धवल पुष्प धरा को स्वच्छ धवल सुंदरता प्रदान करते हैं. शुक्ल पक्ष में चंद्रमा के बढ़ते स्वरूप के साथ ही साथ उसकी बढ़ती चांदनी में कास के श्वेत पुष्पों की दमक हमारे अंतर्मन को भी स्वच्छ प्रकाश से परिपूरित कर देती है. सड़कों के किनारे दूर-दूर तक फैले कास के पौधे, बिछे हुए बर्फ की चादरों सम प्रतीत होते हैं. उनकी शोभा से आनंदित मन मैदानी इलाकों में भी पहाड़ों की बर्फीली वादियों का भ्रम पैदा करते हुए मन को आकर्षित करती हैं.

## कास के धवल पुष्प

यूं तो शरद को स्वस्थ और मनोहारी ऋतु के रूप में ही प्रस्तुत करते हैं किंतु जैसाकि प्रकृति का नियम है, अच्छाइयों के साथ बुराइयां सम्मिलित हो ही जाती हैं. ठीक उसी प्रकार इस ऋतु में भी आर्द्र मही पर पड़ती सूर्य की प्रबल किरणें वातावरण की आर्द्रता बढ़ा देती हैं और हम अत्यधिक उमस से व्यग्र भी हो जाते हैं. इस परिस्थिति को ही हम "क्वांर की उमस" या सामान्य भाषा में "अक्टूबर की गर्मी" कहकर संबोधित करते हैं. स्वच्छता का प्रतीक शरद ऋतु में निर्मल स्वच्छ मही के ऊपर नील धवल आकाश मन को आनंदित करता है. इस ऋतु को "शक्ति संचय काल" कहकर भी संबोधित करते हैं.

## त्यौहारों की तैयारी

शरद ऋतु के आगमन के साथ ही हम अपने घरों में शरदीय नवरात्र की तैयारियां आरंभ कर देते हैं. दस दिनों तक देवी दुर्गा की आराधना में मन लीन रहता है और चहुंदिश उत्सव का वातावरण विद्यमान रहता है. आश्विन से लेकर कार्तिक मास तक शरद ऋतु में हम नवरात्र, दशहरा, लक्ष्मी पूजा, दीपावली, छठ आदि जैसे अनेकों महत्त्वपूर्ण पर्वों का आनंद पूर्ण भक्ति और उत्साह में डूबकर लेते हैं.

## शरद पूर्णिमा

शरद पूर्णिमा के दिन चंद्रमा अपनी सोलह कलाओं से परिपूर्ण रहता है. उस पूर्ण चंद्र की चांदनी में धरती की शोभा अद्वितीय होती है. उस रात चंद्रमा की किरणें अमृत की वर्षा करती हैं. मान्यता यह है कि यदि हम खीर बनाकर शरद पूर्णिमा की पूर्ण रात्रि उसे चांदनी के प्रकाश में छोड़ दें तो सुबह तक वह अमृत बन जाती है तथा उसके सेवन से रोग निरोधक क्षमता अत्यधिक बढ़ जाती है. पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इसी दिन माता लक्ष्मी का अवतरण दिवस माना जाता है. उसी मान्यता के अनुसार इस रात्रि मां लक्ष्मी अपनी सवारी उल्लू पर सवार होकर धरती का भ्रमण करती हैं एवं भक्तों की बाधाएं दूर करती हैं. इसीलिए देश के कुछ क्षेत्रों में शरद पूर्णिमा को लक्ष्मी पूजा के रूप में मनाते हैं.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

## अंक तालिका

| रैंक | टीम | मैच | जीते | हारे | अंक | रन रेट |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | दक्षिण अफ्रीका | 02 | 04 | 00 | 04 | +2.360 |
| 2 | न्यूजीलैंड | 02 | 02 | 00 | 04 | +1.958 |
| 3 | भारत | 02 | 02 | 00 | 04 | +1.500 |
| 4 | पाकिस्तान | 02 | 02 | 00 | 04 | +0.927 |
| 5 | इंग्लैंड | 02 | 01 | 01 | 02 | +0.553 |
| 6 | बांग्लादेश | 02 | 01 | 01 | 02 | -0.653 |
| 7 | श्रीलंका | 02 | 00 | 02 | 00 | -1.161 |
| 8 | नीदरलैंड्स | 02 | 00 | 02 | 00 | -1.800 |
| 9 | ऑस्ट्रेलिया | 02 | 00 | 02 | 00 | -1.846 |
| 10 | अफगानिस्तान | 02 | 00 | 02 | 00 | -1.907 |

### मैच मूवमेंट

मैच के दौरान कैच छोड़ते स्टार्क.

### नंबर गेम

**सबसे अधिक रन**
209

क्विंटन डिकॉक, द. अफ्रीका

**सबसे अधिक विकेट**
07

सैंटनर, न्यूजीलैंड

**सिक्सर किंग** कुशाल मेंडिस : 14

**बाउंड्री**

| 6 | 4 |
|---|---|
| 121 | 498 |

## दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को 134 रनों से हराया

# डिकॉक-रबादा की आंधी में उड़े कंगारू

भाषा । लखनऊ

दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को हरा दिया है. पैट कमिंस की टीम को 134 रनों से हार का सामना करना पड़ा है. ऑस्ट्रेलिया के सामने जीत के लिए 312 रनों का लक्ष्य था, लेकिन कंगारू टीम 40.5 ओवर में महज 177 रनों पर सिमट गई. इससे पहले क्विंटन डिकॉक के लगातार दूसरे शतक और फॉर्म में चल रहे ऐडन मार्कराम के अर्धशतक से दक्षिण अफ्रीका ने आईसीसी क्रिकेट विश्व कप में गुरुवार को यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सात विकेट पर 311 रन बनाए. विश्व कप के बाद एकदिवसीय प्रारूप को अलविदा कहने जा रहे 30 साल के डिकॉक ने 106 गेंद में आठ चौकों और पाच छक्कों से 109 रन की पारी खेली. मार्कराम ने 44 गेंद में 56 रन बनाए जिससे दक्षिण अफ्रीका ने लखनऊ में एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में सबसे बड़ा स्कोर बनाया. डिकॉक ने इकाना की नई पिच पर स्वच्छंद होकर बल्लेबाजी की और ऑस्ट्रेलियाई आक्रमण के खिलाफ आसानी से रन बटोरे. ऑस्ट्रेलिया के खराब क्षेत्ररक्षण का खामियाजा भी भुगतना पड़ा और उसके क्षेत्ररक्षकों ने कई कैच टपकाए. ऑफ स्पिनर ग्लेन मैक्सवेल (34 रन पर दो विकेट) सबसे सफल गेंदबाज रहे जबकि अन्य गेंदबाजों को पारी के अंतिम ओवरों में विकेट मिले. मिशेल स्टार्क (53 रन पर दो विकेट) ने 50वें ओवर में दो विकेट चटकाए. आईपीएल में लखनऊ सुपर जाइंट्स के लिए खेलने वाले डिकॉक ने सतर्क शुरुआत के बाद तेवर दिखाए. उन्होंने स्टार्क की गति का इस्तेमाल करते हुए पांचवें ओवर में डीप बैकवर्ड स्क्वायर लेग के ऊपर से फ्लिक करके पारी का पहला छक्का जड़ा.उन्होंने कप्तान तेंबा बावुमा (35) के साथ पहले विकेट के लिए 108 रन जोड़कर ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों को शुरुआती सफलता से महरूम रखा.

### मार्करम का अर्धशतक

ऐडन मार्करम ने वनडे करियर का 8वां अर्धशतक लगाया. उन्होंने 56 रन की पारी खेली. मार्करम ने पहले मैच में श्रीलंका के खिलाफ महज 49 गेंद पर सेंचुरी लगाई थी.

### डसन-डी कॉक के बीच अर्धशतकीय साझेदारी

रासी वान डर डसन और क्विंटन डी कॉक के बीच दूसरे विकेट के लिए अर्धशतकीय साझेदारी हुई. दोनों ने 53 बॉल पर 50 रन जोड़े. इस साझेदारी को एडम जम्पा ने डसन को आउट कर के तोड़ा.

### बावुमा-डी कॉक के बीच सेंचुरी पार्टनरशिप

टेम्बा बावुमा और क्विंटन डी कॉक के बीच पहले विकेट के लिए शतकीय साझेदारी हुई. दोनों ने 118 बॉल पर 108 रन जोड़े. इस साझेदारी को ग्लेन मैक्सवेल ने बावुमा का विकेट लेकर तोड़ा. बावुमा ने 35 रन बनाए.

### भारत-पाक मैच में हो सकती है बारिश

**अहमदाबाद।** भारत और पाकिस्तान के बीच शनिवार को यहां होने वाले आईसीसी विश्व कप के बहुप्रतीक्षित मुकाबले और नवरात्रि पर्व में बारिश खलल डाल सकती है क्योंकि भारतीय मौसम विभाग ने इस दौरान शहर और उत्तर गुजरात में हल्की बारिश की भविष्यवाणी की है. विश्व कप का यह आकर्षक मुकाबला शनिवार को मोटेरा के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा जबकि नौ दिवसीय नवरात्रि पर्व 15 अक्टूबर को शुरू होगा. भारतीय मौसम विभाग द्वारा साझा की गई नवीनतम मौसम जानकारी के अनुसार 14 और 15 अक्टूबर को उत्तर गुजरात के जिलों और अहमदाबाद में छुटपुट बारिश हो सकती है.

### गिल ने किया अभ्यास हो सकती है वापसी

**अहमदाबाद।** भारतीय क्रिकेट टीम के लिए इसे अच्छी खबर कहा जा सकता है कि सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल डेंगू बुखार से उबर गए हैं और उन्होंने गुरुवार को एक घंटे तक नेट पर अभ्यास किया, जिससे उनकी पाकिस्तान के खिलाफ विश्व कप मैच में खेलने की संभावना बढ़ गई है. यह 22 वर्षीय खिलाड़ी अस्वस्थ होने के कारण ऑस्ट्रेलिया और अफगानिस्तान के खिलाफ पहले दो मैचों में नहीं खेल पाया था..

# न्यूजीलैंड को स्पिनरों के खिलाफ बरतनी होगी सावधानी

**न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के बीच मैच आज**

भाषा । चेन्नई

आत्मविश्वास से ओतप्रोत न्यूजीलैंड टीम को विश्व कप में अपनी स्थिति और मजबूत करने के लिये चेपॉक की धीमी पिच पर बांग्लादेश के खिलाफ शुक्रवार के मैच में स्पिनरों से सावधान रहना होगा. न्यूजीलैंड (प्लस 1.958), भारत (प्लस 1.5)और पाकिस्तान (प्लस 0.92) के चार चार अंक है लेकिन रनरेट के मामले में कीवी टीम आगे है. इस मैच को जीतने पर उनकी स्थिति और मजबूत हो जायेगी. नियमित कप्तान केन विलियमसन के आने से न्यूजीलैंड का आक्रमण और मजबूत हुआ है. वह इंग्लैंड और नीदरलैंड के खिलाफ नहीं खेल सके थे और विलियमसन की जगह टॉम लाथम ने कप्तानी की थी. विलियमसन बेहतरीन वनडे बल्लेबाज हैं और स्पिनरों को बखूबी खेलते हैं. उन्होंने मैच से पहले प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि मेरे लिये यह लंबा समय रहा (चोट के बाद से). विश्व कप टीम में लौटकर खुश हूं और रोमांचित भी. तेज गेंदबाज टिम साउदी हालांकि नहीं खेल सकेंगे जो अंगूठे की सर्जरी के बाद फिट नहीं हुए हैं. विलियमसन ने कहा कि टिम तेजी से ठीक हो रहा है लेकिन कल का मैच नहीं खेलेगा. कीवी टीम के सामने हालांकि अब चयन की दुविधा होगी क्योंकि विलियमसन की जगह तीसरे नंबर पर उतरे रचिन रविंद्र ने एक शतक और एक अर्धशतक बनाया.अब उसे बाहर करना मुश्किल होगा. शीर्षक्रम के बल्लेबाजों विल यंग, डेवोन कोंवे और डेरिल मिशेल ने भी शानदार प्रदर्शन किया है. वैसे एम ए चिदंबरम स्टेडियम की पिच पर न्यूजीलैंड को रनों की काफी जरूरत होगी क्योंकि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच रविवार को खेले गए मैच में पिच से टर्न मिल रही थी. ऐसे में स्पिनरों की भूमिका अहम हो सकती है. पिछले मैच में इंग्लैंड से हारने के बावजूद बांग्लादेश की ताकत उसके स्पिनर साबित हो सकते हैं. कप्तान शाकिब अल हसन, मेहदी हसन और मेहदी हसन मिराज ने दो मैचों में 11 विकेट लिये हैं. उनसे इस प्रदर्शन को दोहराने की उम्मीद होगी. न्यूजीलैंड के पास भी मिचेल सेंटनेर हैं जो इस विश्व कप में सर्वाधिक सात विकेट ले चुके हैं.

**विलियमसन की होगी टीम में वापसी**

- इस मैच में नहीं खेल पाएंगे तेज गेंदबाज टिम साउदी
- मैच दोपहर दो बजे से शुरू होगा

**टीमें**

**बांग्लादेश :** शाकिब अल हसन (कप्तान), लिट्टन दास, तंजीद हसन तमीम, नजमुल हुसैन शंटो, तौहीद हृदय, मुशफिकुर रहीम, महमूदुल्लाह रियाद, मेहदी हसन मिराज, नासुम अहमद, महेदी हसन, तास्किन अहमद, मुस्ताफिजुर रहमान, हसन महमूद, शरीफुल इस्लाम और तंजीम हसन साकिब

**न्यूजीलैंड :** केन विलियमसन (कप्तान), टॉम लाथम, डेवोन कोंवे, विल यंग, मार्क चैपमैन, डेरिल मिशेल, जेम्स नीशाम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, मिशेल सेंटनेर, ईश सोढी, टिम साउदी, ट्रेंट बोल्ट, लॉकी फर्ग्युसन, मैट हेनरी.

## फील्ड अपडेट

### दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का समापन

**जमशेदपुर।** जमशेदपुर के करीम सिटी कॉलेज के मानगो कैंपस में दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का गुरुवार को समापन हो गया. यह प्रतियोगिता बुधवार को प्रारंभ हुई जो गुरुवार को संपन्न हो गई. कॉलेज के प्राचार्य डॉ मोहम्मद रेयाज ने अपने दीप प्रज्वलित कर इस प्रतियोगिता का शुभारंभ किया था. प्रतियोगिता समापन पर पुरस्कार वितरण का आयोजन किया गया जिसमें प्राचार्य के हाथों कैरम की विजेता दरख्शां परवीन को, शतरंज के विजेता यश कुमार को, टेबल टेनिस के विजेता इफ्फत उजमा तथा अन्य खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया गया. इस प्रतियोगिता में कैरम, शतरंज, टेबल टेनिस जैसे इंडोर गेम्स तथा अन्य आउटडोर गेम्स का आयोजन किया गया. छात्र-छात्राओं ने बड़ी संख्या में इन खेलों में अपनी रुचि दिखाई तथा अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन किया.

### रॉयल्स ने जांबाज को, इंडियन ने सुपरकिंग को हराया

**लातेहार।** लातेहार जिला क्रिकेट संघ के तत्वावधान में गुरूवार से लातेहार प्रीमियर लीग (एलपीएल) 2023-24 का शुभारंभ गुरूवार को जिला स्टेडियम में हुआ. उद्घाटन मैच में लातेहार रॉयल्स ने जांबाज को 6 विकेट से हरा दिया. लातेहार जांबाज ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 123 रन बनाये. लक्ष्य की पीछा करने उतरी रॉयल्स ने 4 विकेट खोकर मैच को जीत लिया. वहीं दूसरा मैच लातेहार इंडियन तथा लातेहार सुपरकिंग के बीच खेला गया.170 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया. लक्ष्य की पीछा करने उतरी लातेहार सुपरकिंग नौं ओवर में ही 112 रनों पर ढेर हो गयी.

### जूनियर झुमरीतिलया की टीम जीती

**कोडरमा।** डोमचांच नगर पंचायत स्थित चंद्रावती स्मारक उच्च विद्यालय हाई स्कूल मैदान में राजेश मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट का तीसरा मुकाबला धरगाव और जूनियर झुमरीतिलया के बीच खेला गया. मैच का परिणाम पेनल्टी शूटआउट में निकला, जिसमें जूनियर झुमरीतिलया की टीम में 3-1 से जीत दर्ज की. रेफरी की भूमिका में मित्तुंजय और लाइन मैन की भूमिका संतोष, छोटेलाल ने निभाई. शनिवार को चौथा मैच लोहासिकर और चमगुदो के बीच खेला जाएगा.

### मुख्यमंत्री आमंत्रण फुटबॉल प्रतियोगिता 1 नवंबर से

**रांची।** झारखंड खेल विभाग द्वारा मुख्यमंत्री आमंत्रण फुटबॉल (पुरुष/महिला) प्रतियोगिता को लेकर खेल कैलेंडर जारी किया गया. एक नवंबर से पंचायत स्तरीय प्रतियोगिता की शुरूआत होगी. निर्धारित तिथि के अनुरूप प्रतियोगिता कराने का निदेश दिया गया है. इसी क्रम में रांची डीसी ने जिला अंतर्गत सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को खेल कैलेंडर के अनुरूप पंचायत एवं प्रखंड स्तरीय प्रतियोगिता कराने का निर्देश दिया है. इसके तहत इस वर्ष कुल 5 स्तर ( पंचायत, प्रखंड, जिला,जोनल, एवं राज्य ) पर प्रतियोगिताएं होंगी.

# वाईबीसी और किंग क्लब की टीमें जीतीं

संवाददाता । कोडरमा

रमेश प्रसाद यादव मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट में राउंड 3 का तिसरा मैच वाईबीसी और आरागारो के बीच जेजे कॉलेज मैदान में खेला गया. जिसमें वाईबीसी ने 2-0 से जीत दर्ज की. वाईबीसी की ओर से सचिन ने पहले हाफ के 16वें मिनट पहला गोल किया दुसरे हाफ के 38वें मिनट में पिन्टू ने दूसरा गोल किया. वहीं राउंड 4 का पहला मैच चाराडीह और किंग क्लब के बीच खेला गया. निर्धारित समय तक मैच 2-2 की बराबरी पर रहा. चाराडीह की ओर विजय यादव ने पहले हाफ के 21वें मिनट में पहला गोल किया एवं गंगाधर यादव पहले हाफ के 24वें मिनट में दूसरा गोल किया. पेनाल्टी शुट में किंग क्लब ने 4-3 से जीत हासिल की.

### जेएससीए में होंगे सैयद मुश्ताक अली टूर्नामेंट के मैच

**रांची।** रांची के जेएससीए अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में सैयद मुश्ताक अली टूर्नामेंट 16 अक्टूबर से 27 अक्टूबर तक खेला जाएगा, इस टूर्नामेंट में कुल आठ टीमें भाग ले रही हैं. जेएससीए के मुख्य मैदान और ओवल ग्राउड में दो -दो मैच खेले जाएंगे. स्टार स्पोर्ट्स पर मेन ग्राउंड के दोनों मैचों का सीधा प्रसारण होगा. दूसरा मैच फ्लड लाइट में खेला जाएगा. आठ टीमों पंजाब, सौराष्ट्र, अरुणाचल प्रदेश, गोवा, गुजरात, मणिपुर, रेलवे और आंध्राप्रदेश शामिल है.

# राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाने के बाद मणिकांत ने 100 मीटर दौड़ में जीता स्वर्ण

एजेंसी । बेंगलुरु

सेना के फर्राटा धावक मणिकांत एच ने राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाने के एक दिन बाद गुरुवार को यहां राष्ट्रीय ओपन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुषों की 100 मीटर दौड़ का स्वर्ण पदक जीता. मणिकांत ने बुधवार को सेमीफाइनल में 10.23 सेकंड का समय लेकर राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था. फाइनल में उन्होंने 10.42 सेकंड में दौड़ पूरी करके सोने का तमगा हासिल किया. महिलाओं के वर्ग में तमिलनाडु की गिरिधरानी रवि कुमार ने कांतीरावा स्टेडियम में 11.36 सेकंड के समय के साथ 100 मीटर दौड़ जीती. पुरुष वर्ग में सेना के ही निखिल पाटिल 10.69 सेकंड का समय लेकर दूसरे स्थान पर रहे जबकि रेलवे के शिवा बी ने 10.70 सेकंड का समय लेकर कांस्य पदक हासिल किया. रेलवे के तेजस शिरसे ने पुरुषों की 110 मीटर बाधा दौड़ में अपना दबदबा बनाए रखा. उन्होंने 13.67 सेकंड लेकर स्वर्ण पदक जीता. उन्होंने बुधवार को हीट में 13.72 सेकंड का समय लेकर प्रतियोगिता का नया रिकॉर्ड बनाया था जिसमें फाइनल में उन्होंने सुधार किया. महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़ का स्वर्ण ओडिशा की प्रज्ञान प्रशांत साहू ने जीता. उन्होंने 13.46 सेकंड का समय निकालकर पहला स्थान हासिल किया.

### कोल्हान प्रमंडल प्रतियोगिता 14 व 15 को

**चाईबासा।** दो दिवसीय भारती खेल महोत्सव में कोल्हान प्रमंडल बालक एवं बालिका कबड्डी प्रतियोगिता 14 व 15 अक्टूबर तक एग्रीको मैदान जमशेदपुर में आयोजन किया जा रहा है. जिसको लेकर खिलाड़ी का चयन हो गया. कबड्डी प्रतियोगिता में पश्चिमी सिंहभूम जिला कबड्डी टीम भाग लेंगे. जिसमे बालक वर्ग देवाशीष पिंगावा, अशोक सिरका ,मनोहर पिंगावा ,सुधीर सवैया ,बुधराम खुदादा ,हरिहर सिरका, दिशु सिंकू, सुरेंद्र नाथ पिगुवा, बुधन पिगुवा, गणेश बानसिंह शामिल है. जबकि बालिका वर्ग में उर्मिला होनहागा, ललिता चातार, हीरामनी माहली, शुरू बानरा, उमा अल्डा ,निकिता बारी ,सीनी बानरा ,मनीषा सावैया, राधिका गोप ,जयमुनी देवगम शामिल है. कोल्हान प्रभारी - श्यामल दास, जिला अध्यक्ष– दीपेंद्र प्रसाद, प्रदीप कुमार , राजेश कुमार ने शुभकामना दिया 14 अक्टूबर को कबड्डी टीम जमशेदपुर के लिए रवाना होगी.

**सम्मानित** राज्य एवं देश का प्रतिनिधित्व कर पदक जीतने वाले झारखंड के खिलाड़ियों को मिला अवार्ड

# सीएम की मौजूदगी में 222 खिलाड़ियों के बीच बांटे गए पांच करोड़

खेल संवाददाता । रांची

रांची के खेलगांव मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स स्थित टाना भगत इंडोर स्टेडियम में राज्य एवं देश का प्रतिनिधित्व कर पदक जीतने वाले झारखंड के 222 खिलाड़ियों को 21 खेल और 52 कोच के बीच 15 खेलों के लिए 4 करोड़ 95 लाख का कैश अवार्ड बांटा गया. इनमें खिलाड़ियों के बीच 4 करोड़ 46 लाख और कोच के बीच 48 लाख 46 हजार रुपए का कैश अवार्ड दिया गया. मुख्य अतिथि के रूप में सीएम हेमंत सोरेन, खेल मंत्री हफीजुल हसन, सांसद महुआ माजी, खेल सचिव मनोज कुमार, खेल निदेशक सुशांत गौरव, एसएसपी रांची चंदन कुमार सिन्हा समेत खेल से जुड़े लोग और खिलाड़ी मौजूद रहे.

**इन खिलाड़ियों को मिले लाखों के कैश आवार्ड**

- **कोच** – लॉन बॉल मधुकांत पाठक ( 10 लाख)
- **एथलेटिक्स**– आशु भाटिया (एक लाख)
- **आर्चरी** – महेंद्र करमाली (एक लाख), पूर्णिमा महतो (4.20 लाख)
- **हॉकी** : प्रतिमा बरवा (पांच लाख)

**लॉन बॉल** : रूपा रानी तिर्की ( 47 लाख), लवली चौबे (47 लाख), चंदन कुमार सिंह (28 लाख), सुनील बहादुर (28 लाख), दिनेश कुमार (28 लाख), हॉकी संगीता कुमारी ( 19 लाख), सलीमा टेटे (19 लाख), निक्की प्रधान (19 लाख).
**लॉन बॉल** : अनामिका लकड़ा (तीन लाख), अभिषेक लकड़ा, हरचंद महतो, प्रिंस कुमार महतो (सभी को दो-दो लाख), सरिता तिर्की (तीन लाख), कविता कुमारी (पांच लाख), आरजू रानी (पांच लाख).
**फुटबॉल** :अंजली मुंडा (एक लाख), नीतू लिंडा (एक लाख), अष्टम उरांव (एक लाख), पूर्णिमा कुमारी ( एक लाख), संजय तिर्की (एक लाख).
**आर्चरी** : दीप्ति कुमारी ( तीन लाख), समीर बेहरा (1.50 लाख), सुनील कुम्हार (1.50 लाख), अनिल लोहार (1.50 लाख), कोमालिका बारी (तीन लाख), अनिष्का कुमार सिंह (तीन लाख), गोल्डी मिश्रा (पांच लाख), अंकिता भकत (12 लाख).

# एनसीसी जामदा ने जगन्नाथपुर क्लब को हराया

**खास बातें**

- एसआर रुंगटा बी-डिविजन क्रिकेट लीग
- 26 रनों से हारी जगन्नाथपुर की टीम

सुकेश कुमार । चाईबासा

पश्चिमी सिंहभूम जिला क्रिकेट संघ के तत्वावधान में एस आर रूंगटा बी-डिविजन लीग के दूसरे मैच में गुरूवार को नेशनल क्रिकेट क्लब बड़ा जामदा की टीम ने जगन्नाथपुर क्रिकेट क्लब को 26 रनों से पराजित कर पूरे चार अंक हासिल किए. स्थानीय बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम मैदान पर खेले गए इस मैच में टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया. पहले बल्लेबाजी करते हुए नेशनल क्रिकेट क्लब बड़ा जामदा की पूरी टीम 26.5 ओवर में 160 रन बनाकर आल आउट हो गई.

**एनसीसी जामदा को पूरे चार अंक मिले**

उद्घाटक बल्लेबाज प्रवीण साहनी ने आठ चौकों एवं तीन छक्कों की मदद से सर्वाधिक 73 रन बनाए जबकि सुरज कुमार ने 26 तथा आयुष आर्या ने 16 रनों का योगदान दिया. अन्य कोई भी बल्लेबाज दहाई अंक तक नहीं पहुंच पाया. जगन्नाथपुर क्रिकेट क्लब की ओर से तेज गेंदबाज साहिल ने सटीक गेंदबाजी करते हुए मात्र 17 रन देकर चार विकेट अपने नाम किए जबकि कप्तान सदान आलम ने 20 रन देकर तीन विकेट तथा धीरेंद्र यादव ने 21 रन देकर दो सफलता प्राप्त की. जीत के लिए निर्धारित 29 ओवर में 161 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जगन्नाथपुर क्रिकेट क्लब की टीम 25.3 ओवर में सभी विकेट गंवाकर 134 रन ही बना पाई और 26 रनों से मैच गंवा बैठी. इस टीम की ओर से मो अमजद ने चार चौकों एवं चार छक्कों की सहायता से मात्र तेरह गेंदों पर ताबड़तोड़ 43 रन बनाए.

# पीएम मोदी ने आदि कैलाश के दर्शन किए, पार्वती कुंड के शिव मंदिर में की पूजा

भाषा। पिथौरागढ़

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को उत्तराखंड के एक दिवसीय दौरे पर यहां पहुंचे, जहां उन्होंने भगवान शिव के परिवार का निवास स्थान मानी जाने वाली आदि कैलाश चोटी के दर्शन किए और पार्वती कुंड के किनारे स्थित प्राचीन शिव-पार्वती मंदिर में पूजा-अर्चना की. अपने निर्धारित कार्यक्रम के तहत प्रधानमंत्री सुबह यहां जोलिंगकोंग हैलीपैड पर उतरे, जहां से वह दाहिनी ओर करीब डेढ़ किलोमीटर की दूरी कार से तय करते हुए हिमालय की चोटी पर स्थित पार्वती कुंड और शिव मंदिर पहुंचे.

पारंपरिक पगड़ी और रंगा (शरीर के ऊपरी हिस्से में पहना जाने वाला वस्त्र) पहने मोदी ने मंदिर में आरती की. मंदिर में ''रं'' जनजाति के लामा पुजारियों ने पौराणिक काल से प्रसिद्ध शिव-पार्वती की 'माटी पूजा' पूरे विधि विधान के साथ संपन्न करवाई. इसके बाद मोदी ने आदि कैलाश चोटी के सामने हाथ जोड़कर कुछ देर ध्यान भी लगाया. इस दौरान उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी उनके साथ मौजूद थे.

आदि कैलाश और पार्वती कुंड के दर्शनों से अभिभूत नजर आए प्रधानमंत्री ने कहा कि आदि कैलाश के दर्शन कर उनका मन प्रसन्न और जीवन धन्य हो गया. मोदी ने कहा कि

## नरेंद्र मोदी आदि कैलाश की यात्रा करने वाले देश के पहले प्रधानमंत्री

धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सभी मंदिरों को एक सर्किट के रूप में विकसित किया जा रहा है. इस दौरान, धामी ने प्रधानमंत्री को आदि कैलाश और आसपास के क्षेत्र के बारे में जानकारी दी. मोदी पिथौरागढ़ जिले में चीन और नेपाल की सीमा से सटे 14 हजार फुट से अधिक की ऊंचाई पर स्थित आदि कैलाश की यात्रा करने वाले देश के पहले प्रधानमंत्री हैं. आदि कैलाश से मोदी सीमांत गुंजी गांव गए, जहां उन्होंने स्थानीय लोगों तथा सुरक्षा बलों से बातचीत की तथा स्थानीय उत्पादों और शिल्प की एक प्रदर्शनी भी देखी.

**कौशल दीक्षांत समारोह को संबोधित किया :** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कौशल दीक्षांत समारोह को वर्चुअली संबोधित किया. इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना ने जमीनी स्तर पर युवा साथियों को बहुत शक्ति दी है. इस योजना के तहत अब तक करीब 1.5 करोड़ युवाओं की ट्रेनिंग हो चुकी है.

## 4200 करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया

**पिथौरागढ़ ।** पीएम नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि पिछले पांच वर्षों में देश में साढ़े 13 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए. एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सुदूर पहाड़ों तथा देश के कोने-कोने में रहने वाले लोगों की भी उनकी सरकार ने चिंता की. सिर्फ पांच वर्षों में देश भर में 13.5 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए.

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस बात पर दुनिया अचरज कर रही है. इनमें से बहुत से लोग आपकी तरह ही पहाड़ों में, सुदूर इलाकों में रहते हैं. ये साढ़े 13 करोड़ लोग इसका उदाहरण हैं कि भारत अपनी गरीबी मिटा सकता है. पहले नारा दिया जाता था कि गरीबी हटाओ, मतलब आप हट जाओ. उन्होंने कहा, 'अब मोदी कह रहा है कि हम मिलकर गरीबी हटाकर रहेंगे. हम जिम्मेदारी लेते हैं. उत्तराखंड के सामर्थ्य को अद्भुत और अतुलनीय बताया. इससे पहले, मोदी ने 4000 करोड़ रू से अधिक की विकास योजनाओं का शिलान्यास और उदघाटन किया. कुल 23 परियोजनाओं से आधारभूत ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पेयजल, खेल को बढ़ावा मिलेगा.

### इजरायल में इमरजेंसी एकता सरकार का गठन, बेंजामिन ने कहा, हर आतंकी अब एक डेडमैन है

# हमास को धरती से मिटा देंगे : नेतन्याहू

एजेंसी। तेल अवीव

हमास का हर आतंकी एक डेडमैन व्यक्ति है. मिडिल ईस्ट में इजरायल और हमास के बीच जारी जंग के बीच इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गुरुवार को यह बात कही. बता दें कि 7 अक्टूबर से युद्ध जारी है. दोनों और से लगातार हमले किये जा रहे हैं. इलाके में भारी तबाही मची हुई है. खबर है कि इजरायल ने फिलिस्तीनी संगठन हमास को नेस्तनाबूद करने के लिए देश में इमरजेंसी एकता सरकार का गठन किया है. जानकारी के अनुसार इसे नेतन्याहू की मौजूदा सरकार ने विपक्ष के साथ मिलकर बनाया है. बता दें कि नयी आपातकालीन सरकार के गठन के बाद बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि अब हमास का हर आतंकी एक डेडमैन व्यक्ति है.

**वॉर कैबिनेट में सैन्य रणनीति के विशेषज्ञ दो लोग शामिल :** आपातकालीन सरकार ने बयान जारी कर कहा, युद्ध के दौरान, ऐसे किसी भी बिल या सरकारी निर्णय को बढ़ावा नहीं दिया जायेगा जो युद्ध के संचालन से संबंधित न हो. सभी वरिष्ठ नियुक्तियां युद्ध अवधि के दौरान स्वचालित रूप से बढ़ा दी जायेंगी.

**हमास का हमला 'नरसंहार' के बाद यहूदियों के लिए सबसे**

अस्पताल में भर्ती घायल इजराइली नागरिक.

**घातक दिनः बाइडन :** अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने इजराइल पर हमास द्वारा किए गए बर्बर आतंकवादी हमले को यहूदियों के लिए 'यहूदी नरसंहार' के बाद का 'सबसे घातक दिन' करार देते हुए कहा कि इस घटना से पुरानी नरसंहार की घटना की याद दिला दी.

### युद्ध जारी

- इमरजेंसी एकता सरकार में विपक्ष दल भी हुए शामिल
- हमास के खात्मे के लिए पूरा इजरायल एक हुआ

## दमिश्क-अलेप्पो में हवाई अड्डों को निशाना बनाया

**दमिश्क (सीरिया)।** सीरिया की सरकारी मीडिया ने गुरुवार को कहा कि इजराइल के हवाई हमलों में राजधानी दमिश्क और उत्तरी शहर अलेप्पो के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों को निशाना बनाया गया, जिससे उनके रनवे क्षतिग्रस्त हो गए. सरकारी समाचार एजेंसी 'सना' ने एक सैन्य अधिकारी के हवाले से कहा कि हमलों में कोई हताहत नहीं हुआ. इजराइली सेना ने इन संबंध में टिप्पणी करने से इनकार कर दिया. फलस्तीनी आतंकवादी समूह हमास द्वारा दक्षिणी इजराइल में घातक हमलों के बाद सीरिया पर यह पहला इजराइली हमला है.

### ऑपरेशन अजय शुरू

## इजरायल में फंसे सभी भारतीय नागरिकों को वापस लाया जाएगा

एजेंसी। नई दिल्ली

इजरायल में फंसे भारतीय नागरिकों को स्वदेश लाये जाने की तैयारी शुरू हो गयी है. खबर है कि भारत सरकार ने ऑपरेशन अजय शुरू किया है. इसके तहत इजरायल में फंसे भारतीय नागरिकों को वापस लाया जाएगा. जानकारी के अनुसार केंद्र सरकार ने 24 घंटे कार्यरत रहने वाला कंट्रोल रूम बना दिया है. वर्तमान में इजरायल में इस समय लगभग 18,000 भारतीय रहते हैं

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने

सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट किया, इजरायल से लौटने के इच्छुक हमारे नागरिकों की वापसी के लिए ऑपरेशन अजय शुरू कर रहे हैं. बता दे कि जयशंकर अभी श्रीलंका की यात्रा पर हैं. उन्होंने कहा है कि विशेष चार्टर उड़ानों का प्रबंधन सहित अन्य

## गाजा में बिजली आपूर्ति पूरी तरह से बंद है

गाजा में इजरायल द्वारा भारी बमबारी किये जाने की खबरें आ रही हैं. अमेरिका के अलावा कई देश खुलकर इजरायल के समर्थन में उतर आये हैं. मुस्लिम देश गाजा पट्टी (फिलिस्तीन) के सपोर्ट में नजर आ रहे हैं. गाजा में बिजली आपूर्ति पूरी तरह से बंद है. पूरे इलाके को इजरायली सैनिकों ने घेर लिया है. अब तक 3000 लोग मारे जा चुके है. हजारों लोग घायल हैं.

व्यवस्थाएं भी की जा रही हैं. भारतीयों के पहले जत्थे को गुरुवार को एक विशेष उड़ान में इजरायल से लाये जाने का कवायद शुरू हो गयी है. बता दें कि इजरायल में भारतीय दूतावास ने जयशंकर द्वारा घोषणा किए जाने के तुरंत बाद कहा कि दूतावास ने गुरुवार को विशेष उड़ान के लिए रजिस्टर किए गए भारतीयों को ई-मेल भेज दिया है.

### आओ जानें

## विश्व की सबसे शक्तिशाली सेनाएं

1. संयुक्त राज्य अमेरिका
2. रूस
3. चीन
4. भारत
5. यूनाइटेड किंगडम
6. दक्षिण कोरिया
7. पाकिस्तान
8. जापान
9. फ्रांस
10. इटली
11. टर्की
12. ब्राज़ील
13. इंडोनेशिया
14. मिस्र
15. यूक्रेन
16. ऑस्ट्रेलिया
17. ईरान
18. इजराइल
19. वियतनाम
20. पोलैंड
21. स्पेन
22. सऊदी अरब
23. ताइवान
24. थाईलैंड
25. जर्मनी

## आप कार्यालय के पास भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

एजेंसी। नयी दिल्ली

भाजपा की दिल्ली इकाई के कुछ कार्यकर्ताओं और संगठन के नेताओं ने गुरुवार को आप कार्यालय के पास प्रदर्शन किया और उनकी सरकार में कथित भ्रष्टाचार को लेकर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे की मांग की. भाजपा कार्यकर्ता हाथों में तख्तियां लिए और नारे लगाते हुए दीनदयाल उपाध्याय मार्ग (डीडीयू) स्थित आप कार्यालय की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें कुछ दूरी पर ही रोक लिया. दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा, हम भ्रष्ट केजरीवाल सरकार के खिलाफ

जागरूकता अभियान चला रहे हैं. केजरीवाल सरकार ने अपने नौ साल के कार्यकाल के दौरान दिल्ली को लूटा है. भाजपा तब तक पीछे नहीं हटेगी, जब तक केजरीवाल मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा नहीं दे देते. भाजपा केजरीवाल सरकार के खिलाफ शराब घोटाला सहित भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन कर रही है.

### ब्रीफ खबरें

## कनाडा की स्पीकर सम्मेलन में नहीं आईं

**नयी दिल्ली।** राजनयिक विवाद के बीच कनाडा की सीनेट की स्पीकर रेमोंडे गैग्ने ने गुरुवार को यहां शुरू हुए जी20 देशों की संसदों के पीठासीन अधिकारियों के शिखर सम्मेलन में भाग नहीं लेने का फैसला किया है. गैग्ने ने पूर्व में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की अध्यक्षता में संसद-20 की बैठक में अपनी उपस्थिति की पुष्टि की थी. संसदीय सूत्रों ने बताया, कनाडा की स्पीकर शिखर सम्मेलन में भाग नहीं ले रही हैं. कार्यक्रम में बदलाव हुआ है. बिरला ने कहा था कि वह कनाडा की सीनेट की स्पीकर के साथ अपनी अनौपचारिक बातचीत में कई मुद्दे उठाएंगे.

## मणिपुर में हिंसा के वीडियो के प्रसार पर लगी रोक

**इंफाल।** मणिपुर सरकार ने एक आदेश में कहा है कि राज्य में हिंसा और संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने संबंधी वीडियो के प्रसार पर रोक लगाने के लिए अब सख्त कदम उठाए जाएंगे और कानून के अनुसार कार्रवाई भी की जाएगी. मणिपुर की हिंसा के वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद बुधवार रात यह आदेश जारी किया गया. इसी तरह के एक वीडियो में दिखाया गया कि कुछ लोगों का समूह दो युवकों को बहुत करीब से गोली मार रहा है और वे लोग उन्हें एक गड्ढे में दफना रहे हैं. हालांकि वीडियो में घटनास्थल और दफनाने वाली जगह की जानकारी नहीं है.

## स्कूली बच्चों को मुफ्त शिक्षा और भत्ता देंगे : प्रियंका गांधी

भाषा। मंडला (मप्र)

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने गुरुवार को चुनावी राज्य मध्यप्रदेश में 12 वीं कक्षा तक मुफ्त शिक्षा और स्कूली बच्चों को भत्ता देने का वादा किया है. पदेश में 17 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले मंडला जिले में एक रैली को संबोधित करते हुये प्रियंका ने जाति जनगणना के वादे को भी दोहराया और दावा किया कि ओबीसी और आदिवासियों को आबादी में उनकी हिस्सेदारी के अनुरूप नौकरियां नहीं मिल रही हैं.

कांग्रेस नेता ने कहा, 'हाल ही में, बिहार ने जाति जनगणना की और यह पता चला कि राज्य में 84 प्रतिशत लोग ओबीसी, एससी और एसटी वर्ग के हैं. लेकिन नौकरियों में उनकी संख्या बहुत कम है. उनकी सही संख्या जानने के लिए और उनके साथ न्याय करने के लिए जातीय जनगणना कराई जानी चाहिए.

## यूएन में 'वसुवैध कुटुंबकम' की पट्टिका का हुआ अनावरण

**न्यूयार्क।** संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई मिशन के परिसर में यहां 'वसुवैध कुटुंबकम' लिखी पट्टिका का अनावरण किया गया, जो भारत के एकता तथा वैश्विक सहयोग के प्रति प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है. पट्टिका का अनावरण भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) के अध्यक्ष डॉ. विनय सहस्रबुद्धे और संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि राजदूत रुचिरा कंबोज ने बुधवार को एक विशेष समारोह में किया. भारत के स्थायी मिशन के परिसर के प्रवेश द्वार में एक दीवार पर पट्टिका में हिंदी में वसुधैव कुटुंबकम और अंग्रेजी में 'द वर्ल्ड इज वन फैमिली' लिखा हुआ है.

## अशांति के लिए गलत सूचना फैलाते हैं

एजेंसी। नयी दिल्ली

केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि गलत सूचना एक खतरनाक चीज है, जिसका इस्तेमाल अन्य देशों और भारत के दुश्मनों द्वारा सामाजिक विभाजन और अशांति पैदा करने के लिए किया गया है. मंत्री ने यह बात समाचार पोर्टल न्यूजक्लिक के खिलाफ सरकार की कार्रवाई के बारे में पूछे जाने पर कही. चंद्रशेखर ने कहा कि इंटरनेट मंचों को अतिरिक्त सावधानी बरतने और यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि ऑनलाइन स्रोतों से जानकारी प्राप्त करने वाले नागरिक उन लोगों द्वारा गुमराह न किये जायें या उनके

### खास बातें

- केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने न्यूजक्लिक का उल्लेख किया
- वर्तमान में 83 करोड़ भारतीय इंटरनेट का उपयोग कर रहे

उकसावे में न आयें जो जानबूझकर भारत और भारतीयों के खिलाफ गलत सूचना फैलाते हैं. सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री चंद्रशेखर ने यह भी कहा कि केंद्र ने भारतीय उपयोगकर्ताओं के लिए इंटरनेट को सुरक्षित और भरोसेमंद बनाने का संकल्प लिया है.

## हमने सीएसएएम पर कार्रवाई की

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हमने सीएसएएम पर कार्रवाई की क्योंकि बाल पोर्नोग्राफी के बारे में बहुत सारी सामग्री सोशल मीडिया मंचों पर थी और इसे बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं करने की चेतावनी दी थी. हम ऐसे किसी भी मंच को भारत में काम करने की अनुमति नहीं देंगे, यदि वे अपने मंच से ऐसी सामग्री नहीं हटाते हैं. उन्होंने कहा कि गलत सूचना एक खतरनाक चीज है जिसका उपयोग अन्य देशों और भारत के दुश्मनों द्वारा अशांति पैदा करने के लिए किया गया है.

## एक साथ चुनाव पर राष्ट्रीय सहमति बने, इसे थोपें नहीं : कुरैशी

**नयी दिल्ली ।** एक उच्च स्तरीय समिति द्वारा देश में एक साथ चुनाव कराने की संभावनाएं तलाशे जाने के बीच पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एस वाई कुरैशी ने कहा कि अगर एक साथ चुनाव कराने पर राष्ट्रीय स्तर पर सर्वसम्मति नहीं बनती है तो इसे 'लोगों पर थोपा' नहीं जाना चाहिए. कुरैशी ने अपनी नई पुस्तक 'इंडियाज एक्सपेरिमेंट विद डेमोक्रेसीः द लाइफ ऑफ ए नेशन थ्रू इट्स इलेक्शन्स' पर 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि कोई पार्टियों द्वारा मुफ्त की सौगातों का वादा करने में कानूनी तौर पर खामी नहीं तलाश सकता.

### रखे विचार मातृभूमि के लिए भक्ति, समर्पण और प्रेम की भावना को हमेशा बलवती रखें

# भारत 5000 साल से सेक्युलर रहा है : मोहन भागवत

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारत 5000 साल से सेक्युलर रहा है. सभी तत्वों के ज्ञान का यही सार है. सारा विश्व एक परिवार है, यह हमारी भावना है. यह महज एक सिद्धांत नहीं है, इसे जानने, मानने और इसके अनुसार आचरण करने की जरूरत है. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने संघ के कार्यकर्ता रंगा हरि की किताब-पृथ्वी सूक्त- एन ओड टु मदर नेचर के लॉन्च इवेंट पर यह विचार व्यक्त किये. इस अवसर पर मोहन भागवत ने कहा कि हम अपनी मातृभूमि को अपनी राष्ट्रीय एकता का अहम भाग मानते हैं. इस क्रम में संघ के प्रमुख ने लोगों से अपील की कि वे मातृभूमि के

लिए भक्ति, समर्पण और प्रेम की भावना रखें. उन्होंने दुनिया के सामने मानव व्यवहार का सर्वोत्तम उदाहरण पेश करने का आह्वान किया.

**मनुष्यों ने अपनी सुरक्षा के लिए एक साथ रहना शुरू किया :** मोहन भागवत ने कहा कि हमारा देश विविधताओं से भरा है. कहा कि इतिहास पर नजर डालें तो मानव अपने आप में कुछ भी नहीं है. उसे एक छोटा सा जीव भी जोखिम में डाल सकता है. इसलिए मनुष्यों ने अपनी सुरक्षा के लिए एक साथ रहना शुरू किया. कहा कि साथ आना तो आसान है, पर साथ रहना मुश्किल है. श्री भागवत ने सलाह दी कि लोगों को एक-दूसरे से नहीं लड़ना चाहिए. हमें देश को ऐसा बनाना चाहिए कि हम देश को सिखा सकें कि हम एक हैं.. भागवत ने ऋषि-मुनियों के संदर्भ में कहा कि उन्होंने भारत को दुनिया के भले के लिए बनाया था. उन्होंने कहा कि वे लोग सिर्फ संन्यासी नहीं थे, वे अपने परिवारों के साथ जोगियों वाली जिंदगी जीते थे.

### दिया संदेश

- सारा विश्व एक परिवार है, यह हमारी भावना है
- संघ के कार्यकर्ता रंगा हरि की किताब का विमोचन

## भारत ने जी20 को वसुधैव कुटुंबकम का मंच बना दिया

मोहन भागवत ने कहा कि ये घुमंतू आज भी यहीं हैं, जिन्हें ब्रिटिश सरकार ने अपराधी जनजाति घोषित किया था. हमारे लोग ज्ञानार्जन करने के लिए मेक्सिको से साइबेरिया तक दुनिया घूम चुके हैं. भारत ने जी20 को वसुधैव कुटुंबकम का मंच बना दिया, वर्तमान भारत को लेकर कहा कि इसने आर्थिक मुद्दों पर चर्चा करने वाले जी20 जैसे मंच को भी बदल दिया. इसे मंच में तब्दील कर दिया जो मानवता के बारे में सोचता है.

## राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने वैष्णो देवी मंदिर में की पूजा-अर्चना

एजेंसी। कटरा (जम्मू-कश्मीर)

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को रियासी जिले में वैष्णो देवी मंदिर में पूजा-अर्चना की और त्रिकुटा पहाड़ियों के ऊपर स्थित मंदिर में एक 'स्काईवॉक' और पुनर्निर्मित पार्वती भवन का उद्घाटन किया. जम्मू-कश्मीर के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचीं राष्ट्रपति के साथ उपराज्यपाल मनोज सिन्हा भी मंदिर गये. श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड (एसएमवीडीएसबी) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अंशुल गर्ग ने मुर्मू को परियोजनाओं के बारे में जानकारी दी. अधिकारियों ने बताया कि 200 मीटर का स्काईवॉक श्रद्धालुओं की यात्रा को सुगम बनाएगा.

# कोलकाता में महालया की तैयारी, कल खुलेंगे पट

**कोलकाता ।** कोलकाता में दुर्गा पूजा की तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है. मूर्तियां और पूजा पंडाल पूरी तरह से सज चुके है. बता दें कि शनिवार को महालया है और कोलकाता में महालया के दिन से ही सारी मूर्तियों के पट खोल दिए जाते हैं.

## आओ जानें
## 13 अक्टूबर का इतिहास

1542 जलालुद्दीन मोहम्मद अकबर का सिंध के अमरकोट में जन्म हुआ.
1792 व्हाइट हाउस की नींव रखी गई. निर्माण पूरा होने के बाद यह इमारत वर्ष 1800 से अमेरिका के राष्ट्रपति का सरकारी आवास है.
1911 स्वामी विवेकानंद की शिष्या मार्गरेट एलिजाबेथ नोबेल का मात्र 43 वर्ष की आयु में निधन.
1943 इटली ने जर्मनी के खिलाफ युद्ध की घोषणा की.
1987 रूपहले पर्दे के सबसे चमकदार सितारों में शुमार किशोर कुमार का निधन.
1999 अटल बिहारी वाजपेयी तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बने.
2010 चिली के अटाकामा रेगिस्तान में धंस गई खान में फंसे 69 श्रमिकों को कड़े प्रयासों के बाद सकुशल बाहर निकाला गया.
2016 अमेरिका के गायक और गीतकर बॉब डिलन को साहित्य के लिए नोबेल पुरस्कार दिया गया.

## सरकारी घोषणा के 21 साल बाद भी नहीं मिली बेटों को नौकरी

**सूरज कुमार । चौपारण**

हजारीबाग स्थित चौपारण प्रखंड की पड़रिया पंचायत के बनउ निवासी मसोमात नीरू देवी अपने दोनों बेटों की नौकरी के लिए दर-दर भटक रही हैं. दरअसल उनके पति रामकृपाल सिंह की हत्या उग्रवादियों ने कर दी थी. तब की गई सरकारी घोषणा के मुताबिक उनके बेटों को नौकरी मिल जानी चाहिए थी. लेकिन घोषणा के 21 वर्षों के बाद भी नीरू देवी के बेटों को नौकरी नहीं मिली है. ऐसे में उनकी माली हालत ठीक नहीं है. वह अपने दोनों बेटों की नौकरी के लिए दर-दर भटकने को विवश हैं. उन्होंने कई बार सांसद जयंत सिन्हा एवं बरही विधायक सह निवेदन समिति सभापति उमाशंकर अकेला को ज्ञापन सौंप कर लोकसभा और विधानसभा में बात रखने की मांग कर चुकी हैं. नीरू देवी ने बताया कि तब झारखंड राज्य बनने के बाद इस प्रदेश से सटे बिहार के सीमावर्ती चौपारण प्रखंड में उग्रवादियों का तांडव चरम पर था. उग्रवादी अपने वर्चस्व के लिए जंगली क्षेत्र के ग्रामीणों पर कहर बरपाते थे. 20 सितंबर 2002 को उग्रवादियों ने यहां छह लोगों को बेरहमी से मार दिया था. इनमें ग्राम बनउ से रामकृपाल सिंह, डब्लू कुमार सिंह उर्फ सत्यदेव सिंह, मटकी भुइयां, नांदो भुइयां, इंगुनिया से सुशील सिंह और खड्गधारी साव शामिल थे. इस घटना से मर्माहत परिजनों को प्रखंड व जिला प्रशासन, विधायक, सांसद सहित मुख्यमंत्री और राष्ट्रपति का भी सांत्वना मिली थी. साथ ही कई प्रकार का लाभ देने की घोषणा की गई थी. यहां तक कि तत्कालीन मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी और हजारीबाग सांसद सह केंद्रीय वित्तमंत्री यशवंत सिन्हा ने पीड़िता के घर बनउ आकर घोषणा की थी कि मृतक के बच्चों को पढ़ने के लिए छात्रवृत्ति और 25 साल उम्र हो जाने पर नौकरी दी जाएगी.

### एक साल के अंदर ऑनलाइम स्नातकोत्तर कार्यक्रम विकसित करेंगी दोनों संस्थाएं

# एक्सएलआरआई व टाटा स्टील फाइंडेशन के बीच हुआ करार

**धर्मेंद्र कुमार । जमशेदपुर**

जेवियर लेबर रिलेशंस इंस्टीट्यूट (एक्सएलआरआई) और टाटा स्टील फाउंडेशन (टीएसएफ) के बीच गुरुवार को पहली बार सामाजिक-प्रभाव के क्षेत्र में ऑनलाइन पोस्ट-ग्रेजुएट सर्टिफिकेट प्रोग्राम शुरू करने और विकसित करने के लिए एक समझौता (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया गया. एक्सएलआरआई के डायरेक्टर फादर एस जॉर्ज और टाटा स्टील फाउंडेशन के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर सौरव रॉय ने टाटा स्टील फाउंडेशन के डायरेक्टर चाणक्य चौधरी की उपस्थिति में एक्सएलआरआई परिसर में एमओयू पर हस्ताक्षर किए. इसके तहत, दोनों संस्थाएं संयुक्त रूप से एक साल की विश्व स्तरीय प्रतिस्पर्धी, अकादमिक रूप से कठोर और संस्थागत रूप से मान्यता प्राप्त ऑनलाइन स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र कार्यक्रम विकसित और डिलीवर करेंगी.

**एक्सएलआरआई हमेशा बेहतरी के लिए कदम उठाने पर विश्वास करता है : फादर एस जॉर्ज :**



एमओयू पर हस्ताक्षर करते दोनों संगठन के अधिकारी .

एक्सएलआरआई के निदेशक फादर एस जॉर्ज ने कहा कि एक्सएलआरआई हमेशा बेहतरी के लिए कदम उठाने में विश्वास करता है. इस कार्यक्रम के माध्यम से हम सामाजिक कल्याण के लिए सीएसआर का लाभ उठाने में टाटा स्टील फाउंडेशन की विशेषज्ञता और भारत और दुनिया के लिए कल के सहानुभूतिपूर्ण सामाजिक प्रभाव वाले लीडर्स को तैयार करने के लिए एक्सएलआरआई की शैक्षणिक क्षमता के बीच तालमेल बनाएंगे.

### पीजीसीसीएसआर पाठ्यक्रम एक अनूठा प्रयासः सौरव रॉय

टीएसएफ के सीईओ सौरव रॉय ने कहा कि पीजीसीसीएसआर पाठ्यक्रम एक अनूठा प्रयास है. समुदायों से ज्ञान प्राप्त करने के लिए एक मंच बनाने के हमारे इरादे को दर्शाता है, जो जीवन के अनुभवों से उत्पन्न होते हैं और कक्षाओं तक सीमित नहीं होते. हम इस दीर्घकालिक सहयोग को ज्ञान और बुद्धिमत्ता को समृद्ध करने में एक मील का पत्थर मानते हैं. हम एक्सएलआरआई के साथ इस सहयोग को भी महत्व देते हैं और इस तरह सामाजिक रूप से जिम्मेदार नेतृत्व को व्यवस्थित रूप से निखारने के लिए एक स्पष्ट मार्ग तैयार करते हैं. कार्यक्रम के पाठ्यक्रम के माध्यम टीम यह सुनिश्चित करेगी कि यह कार्यक्रम पारस्परिक रूप से सहमत शर्तों पर प्रोग्राम और प्रक्रियात्मक स्तरों पर प्रासंगिक इनपुट के माध्यम से लगातार समृद्ध हो.

## घर में मिला विशालकाय अजगर, मच गया हड़कंप

**सुकेश कुमार । चाईबासा**

मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के पुराने चाईबासा (हवाई अड्डे के पास) में गुरुवार सुबह एक घर से विशालकाय अजगर मिला. इस खबर के बाद इलाके में हड़कंप मच गया. पहले तो लोग भयभीत होकर भागने लगे. हलांकि ग्रामीणों को जैसे ही पता चला कि अजगर विषैला नहीं होता है तो उन लोगों ने अजगर को रेस्क्यू करने सोची. लोगों ने खूंटपानी प्रखंड प्रमुख सिद्धार्थ होनहागा को फोन कर बुलाया. सिद्धार्थ होनहागा के आने के बाद ग्रामीणों ने अजगर को घर के अंदर से रेस्क्यू किया. इस दौरान अजगर को देखने के लिये काफी संख्या में भीड़ इकट्ठी हो गयी. सिद्धार्थ होनहागा ने वन विभाग व मुफ्फसिल थाना को इसकी जानकारी दे दी है. ताकि वन विभाग आकर अजगर को फिर से जंगल में छोड़ सके. सिद्धार्थ होनहागा ने बताया कि अजगर ने किसी जीव को नुकसान नहीं पहुंचाया था.

### वन विभाग ने 12 फीट लंबा अजगर पकड़ा

**चाकुलिया ।** चाकुलिया नगर पंचायत के नया बाजार स्थित मां शाकंभरी उद्योग नामक चावल मिल में बुधवार की शाम करीब 12 फीट लंबा एक अजगर निकल आया. अजगर शेड के ऊपर लोहे के एंगल में था. इससे मजदूरों में अफरा तफरी मच गयी. उद्योग के मजदूरों ने इसकी सूचना वन विभाग को दी. सूचना पाकर वन विभाग की क्विक रिस्पांस टीम पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद अजगर का रेस्क्यू किया. इसके बाद अजगर को जंगल में छोड़ दिया गया. इस टीम में वन विभाग के गोपाल गिरी, सुकलाल टुडू समेत अन्य शामिल थे.

### कॅरियर-काउंसिलिंग

# वानिकी की पढ़ाई कर बना सकते है अपना करियर

**एजुकेशन रिपोर्टर/ रजनीश प्रसाद**

वानिकी एक ऐसा पाठ्यक्रम है जहां छात्रों को कुछ मूलभूत तथ्यों, अवधारणाओं और सिस्टम में विभिन्न विचारों के कार्यान्वयन पर काम करना होता है. लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि जंगल क्षेत्र के विस्तार के साथ ही जंगल से मिलने वाले संसाधनों की संख्या में भी कमी न आये. वानिकी में यूजी या पीजी पाठ्यक्रम करने के बाद छात्र सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में नौकरी पा सकते हैं. छात्रों को भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद और अन्य वानिकी अनुसंधान संस्थानों जैसे वन अनुसंधान संस्थान, सामाजिक वानिकी संस्थान, पर्यावरण-पुनर्वास, और अधिक संबंधित संबद्ध वानिकी संस्थानों के साथ काम करने या शोध करने के अवसर मिल सकते हैं.

## प्रवेश परीक्षा

### सीजी पीईटी

यह परीक्षा छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल, रायपुर द्वारा आयोजित की जाती है. यह एक टेस्ट है जिसे सीजी पैट के नाम से भी जाना जाता है. इस परीक्षा में उत्तीर्ण होने पर छात्रों को इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय से संबद्ध विभिन्न कॉलेजों में कृषि, वानिकी, बागवानी में बैचलर ऑफ साइंस (बीएससी) जैसे पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने का मौका मिलेगा. यह प्रवेश परीक्षा ऑफलाइन आयोजित की जाती है. यह एक पेन-पेपर आधारित परीक्षा है, और छत्तीसगढ़ में लगभग 35 परीक्षा केंद्र हैं. प्रश्न पत्रों के तीन समूह हैं जहां प्रत्येक सेट एक कृषि समूह, पीसीबी (भौतिक विज्ञान,रसायन विज्ञान, औरगणित) समूह, पीसीएम (भौतिकी, रसायन विज्ञान, औरजीवविज्ञान) समूह.

### ओयूएटी

द ओडिशा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (ओयूएटी) अपने अधीन विभिन्न कॉलेजों में कृषि, बागवानी जैसे विभिन्न पाठ्यक्रमों में छात्रों को प्रवेश देने के लिए हर साल एक प्रवेश परीक्षा आयोजित करता है. परीक्षा ऑफलाइन ली जाती है. यह 200 अंकों की परीक्षा है जिसमें 200 प्रश्न होते हैं. प्रश्न आमतौर पर 10वीं/12वीं कक्षा से भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान/गणित जैसे विषयों से आते हैं.

### जीसैट

गांधी इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट साइंस एडमिशन टेस्ट (जीएसएटी) एक राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा है. यह परीक्षा इस संस्थान द्वारा प्रस्तावित यूजी और पीजी दोनों में विभिन्न डिग्री पाठ्यक्रमों में छात्रों को लेने के लिए हर साल आयोजित की जाती है. जीसैट एक पेन पेपर-आधारित परीक्षा है जो ऑफलाइन मोड में ली जाती है.

### नेस्ट

नेस्ट (नेशनल एंट्रेंस स्क्रीनिंग टेस्ट) एक राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा है, जो नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च, भुवनेश्वर और मुंबई विश्वविद्यालय-परमाणु ऊर्जा विभाग, बेसिक साइंसेज में उत्कृष्टता केंद्र द्वारा आयोजित की जाती है. डीएई सीईबीएस), मुंबई. एनईएसटी एक परीक्षा है जिसके द्वारा छात्र बुनियादी विज्ञान (भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान और गणित) में 5-वर्षीय एकीकृत एमएससी कार्यक्रम में प्रवेश पा सकते हैं. प्रश्न पत्र उपर्युक्त विषयों पर आधारित है. यह एक कंप्यूटर आधारित टेस्ट (सीबीटी) है.

### बीएचयू यूईटी

बीएचयू यूईटी बनारस हिंदू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा है. पूरे भारत के छात्र इस विश्वविद्यालय और इसके अंतर्गत आने वाले कॉलेजों में विभिन्न यूजी पाठ्यक्रमों में प्रवेश पा सकते हैं. परीक्षा पेन पेपर-आधारित परीक्षा के साथ-साथ ऑनलाइन परीक्षा के रूप में आयोजित की जाती है. वानिकी के संबंधित पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने के लिए उम्मीदवारों को अपना उपयुक्त पेपर चुनना होगा.

## क्यों करें वानिकी की पढ़ाई

- किसी मान्यता प्राप्त संस्थान या विश्वविद्यालय में वानिकी पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद कई कार्य संभावनाएं उपलब्ध हैं.
- वानिकी पाठ्यक्रमों को पूरा करने के बाद, कौशल में सुधार के लिए उच्च शिक्षा प्राप्त करने की गुंजाइश हमेशा बनी रहती है.
- वानिकी डिग्री पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद, उम्मीदवारों को पर्यावरण संरक्षण और संरक्षण की समझ भी हासिल होती है.

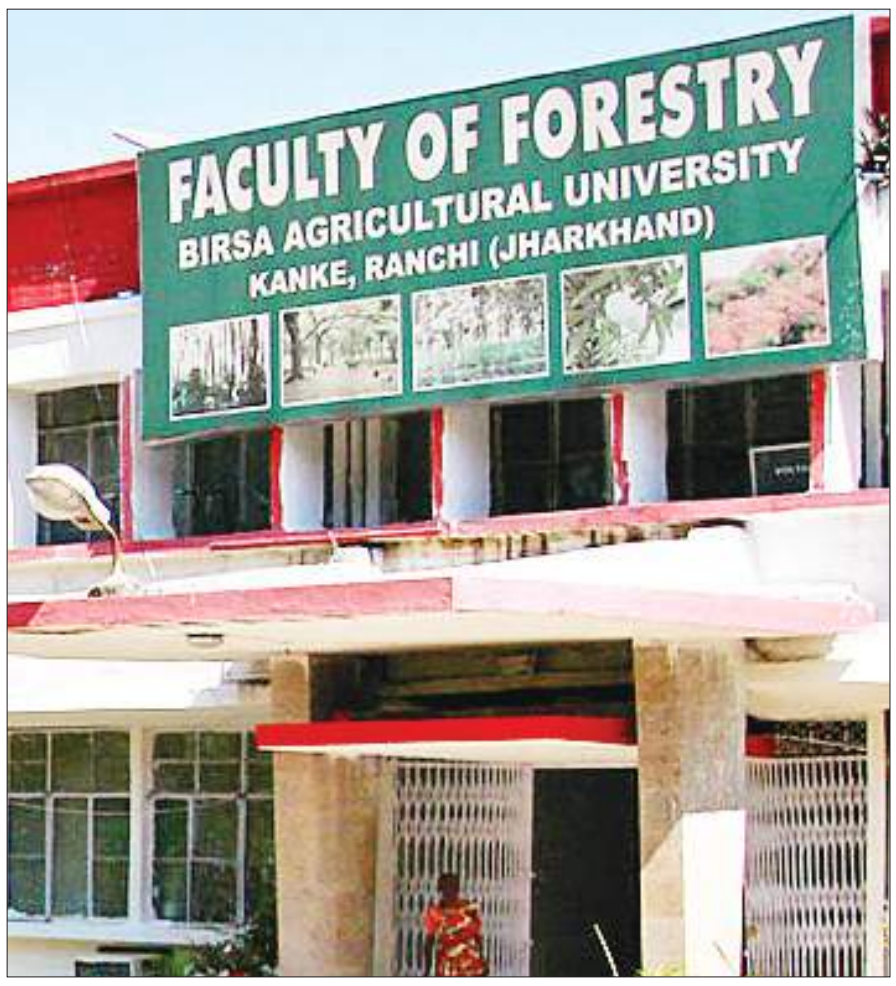




### वानिकी के लिए स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

- वन विज्ञान एवं प्रबंधन में स्नातक डिप्लोमा
- एमएससी पर्यावरण वानिकी
- वन बायोमटेरियल्स में एमएससी
- कृषि वानिकी में एमएससी
- वन उत्पाद में एमएससी
- लकड़ी विज्ञान और प्रौद्योगिकी में एमएससी
- वन संरक्षण के मास्टर
- वन्यजीव विज्ञान में परास्नातक

### वानिकी के लिए स्नातक पाठ्यक्रम

- वन्यजीव प्रबंधन में स्नातक प्रमाणपत्र या डिप्लोमा
- वन संसाधन प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा
- वानिकी, वन और वन्यजीव प्रबंधन में बीएससी
- कृषि में बीएससी (रेंज और वन्यजीव प्रबंधन)
- बीएससी वानिकी
- वन स्वास्थ्य में बीएससी
- वृक्ष सुधार और आनुवंशिक संसाधन में बीएससी
- वन विज्ञान एवं प्रबंधन स्नातक

## करियर

- कीटविज्ञानशास्री – एक कीटविज्ञानी एक वैज्ञानिक होता है जो विभिन्न प्रकार के कीड़ों जैसे कृषि कीट, शहरी कीट, वन कीट, और चिकित्सा और पशु चिकित्सा कीट के अध्ययन में शामिल होता है.
- वन परिक्षेत्र अधिकारी– एक वन रेंज अधिकारी रेंज का कार्यकारी प्रभारी होता है. एक वन रेंज अधिकारी की प्रमुख जिम्मेदारी रेंज का कुशल प्रबंधन सुनिश्चित करना है.
- वानिकी वैज्ञानिक/सिल्विककल्चरिस्ट– सिल्वीकल्चरिस्ट एक पेशेवर होता है जिसे कीटों और बीमारियों की पहचान करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है जो पेड़ों की गुणवत्ता और वन पुनर्जनन को नियंत्रित करने में मदद करता है.
- वनवासी– जैसा कि ऊपर बताया गया है, वनपाल वनों के प्रबंधन के विज्ञान से जुड़ा व्यक्ति होता है.
- कृषि-ऋण प्रबंधक– एक कृषि-क्रेडिट प्रबंधक फसलों के विकास की देखरेख और जानवरों के साथ-साथ अन्य वस्तुओं की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार होता है.
- वानिकी सलाहकार– वानिकी सलाहकार एक पेशेवर होता है जो भूमि उपयोग, कीट नियंत्रण, कर मुद्दों आदि जैसी समस्याओं पर परामर्श देता है. सलाहकार पर्यावरणीय प्रभाव विवरण, सीमा सर्वेक्षण, क्षति अनुमान आदि तैयार करने जैसे कर्तव्य भी निभा सकता है.
- वानिकी तकनीशियन– वानिकी तकनीशियन एक पेशेवर होता है जो डेटा इकट्ठा करता है, उसकी सुरक्षा करता है और साथ ही उसका रखरखाव भी करता है जो अंततः वानिकी और अनुपालन निगरानी से संबंधित प्रभावी निर्णय लेने में मदद करता है.

## फीस

| | न्यूनतम शुल्क | | अधिकतम शुल्क | |
|---|---|---|---|---|
| कोर्स | निजी | सरकारी | निजी | सरकारी |
| स्नातकोत्तर | 35000 | 22000 हजार | 6.50 लाख | 4.61 लाख |
| पीजी | 20.00 | — | 2.70 लाख | 7.00 लाख |
| डॉक्टरेट | 72.00 | 60.50 | 3.90 लाख | 60.50 |
| डिप्लोमा | — | 2.10 | — | 23.80 |

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** ( *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)